सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण लखनऊ दिनांक OCT 2025

फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली होंगे दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 14 अक्टूबर को होने वाले 10वें दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं निर्देशक मुजफ्फर अली होंगे। गुरुवार को कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक में उनके नाम के प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगा दी गई। समारोह में सत्र 2024-25 के 1392 विद्यार्थियों को उपाधि दिए जाने के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति दी। उपाधि पाने वालों में 891 छात्र एवं 501 छात्राएं शामिल होंगी।

प्रवक्ता डा. रुचिता सुजय ने बताया कि दीक्षा समारोह में स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को 146 पदक दिए जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन दिया गया है। इसमें 61 स्वर्ण, 42 रजत एवं 41 कांस्य शामिल हैं। इसके अलावा समारोह में 31 पीएच.डी उपाधियों के वितरण के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति दी है।

14 को होगा भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षा समारोह

विश्वविद्यालय एवं लाइफ एक्टिवस प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद के बीच हुए एमओयू और सोशल वेलफेयर एंड डेवलपमेंट फार इम्पावर्ड सोसायटी के साथ एमओयू को भी मंजूरी दी गई।

परीक्षा समिति और विद्या परिषद के प्रस्ताव भी मंजूर : बैठक में दो नए पदक समाजशास्त्र स्नातक में श्री डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक, एमए इतिहास में राम पति देवी स्वर्ण पदक शुरू करने, सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल कोर्स सहित कार्य परिषद व परीक्षा समिति के सभी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

14 को सुबह दी जाएगी उपाधि : 14 को समारोह वाले दिन सुबह सात से नौ बजे तक पीजी के विद्यार्थियों को उपाधि व अंकतालिका दी जाएगी। इसके निर्देश जारी किए हैं।

समाचार पत्र का नाम ....दै० अमर उजाला लखनऊ.... दिनांक ....10 OCT 2025

भाषा विवि के दीक्षांत समारोह के लिए कार्यपरिषद की बैठक में मेडल सूची को मंजूरी

144 मेधावियों को मिलेंगे पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। 14 अक्तूबर को होने वाला ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का दसवां दीक्षांत समारोह इस बार उपलब्धियों की नई कहानी लिखेगा। समारोह में कुल 144 मेधावियों को पदक और 1392 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी जाएंगी।

विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में 61 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 42 को रजत और 41 को कांस्य पदक देने की अंतिम सूची को मंजूरी मिली। 891 छात्र और 501 छात्राएं इस समारोह में अपनी शैक्षणिक सफलता का जश्न मनाएंगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने दीक्षांत समारोह के 'मिनट टू मिनट' कार्यक्रम की समीक्षा की और बताया कि परीक्षा समिति के कुछ गोपनीय प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के नए मानक स्थापित कर रहा है। यह दीक्षांत समारोह हमारे गौरवशाली सफर का ऐतिहासिक पड़ाव होगा।

61 स्वर्ण, 42 रजत और 41 कांस्य से दमकेंगे मेधावी छात्र-छात्राएं

1392 विद्यार्थियों को दी जाएंगी डिग्रियां

मुजफ्फर अली होंगे प्रेरणा के प्रतीक

इस अवसर पर मशहूर फिल्म निर्माता, फैशन डिजाइनर और कलाकार मुजफ्फर अली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 'उमराव जान' (1981) और 'गमन' (1978) जैसी कालजयी फिल्मों के निर्देशक मुजफ्फर अली का जन्म लखनऊ में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से भूविज्ञान में स्नातक किया है।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ....दै० अमृत विचार लखनऊ.... दिनांक ....08 OCT 2025....

भाषा विवि में होगी अवधी शोधपीठ की स्थापन

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्तीभाषा विश्वविद्यालय में आयोजित विद्या परिषद की बैठक में हुए कई महत्वपूर्ण नि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विद्या परिषद की बैठक को संबोधित करते कुलपति डॉ. अजय तनेजा। अमृतविचार

अमृत विचारः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विद्या परिषद (एकेडमिक काउंसिल) की बैठक कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अवधी शोधपीठ की स्थापना व अन्य कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गये।

विश्वविद्यालय में अवधी शोध पीठ की स्थापना होगी जिसके लिए परामर्श समिति के गठन को हरी झंडी दे दी गई। हालांकि यह योजना पिछले कुलपति डॉ. एनबी सिंह के समय से ही लंबित थी जिसे अब अमलीजामा पहनाने की तैयारी है।

बैठक में तय किया गया कि विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षांत समारोह में कुल 144 मेडल के साथ ही 31 शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी। इसके अलावा दो नए पदक समाजशास्त्र स्नातक में श्रीडोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास परास्नातक में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी दिया जाएगा। जिसमे सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल के पाठ्यक्रम को अनुमोदन दिया गया। साथ ही विधि संकाय के डॉ. बीआर अम्बेडकर मेमोरियल मूटकोर्ट हॉल का नामकरण किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय के विद्या

- इतिहास और समाजशास्त्र
नए मेडल दिए जाएंगे
- भूगोल में एक वर्षीय डिप्लो
ले सकेंगे छात्र

परिषद की बैठक में अरबी
के विभागीय पुस्तकालय
डॉ. अनीस अंसारी के नाम
की सहमति दी गई। डिप्लो
सर्टिफिकेट कोर्सेज के टी
सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिए
का भी अनुमोदन किया गया
समारोह में सभी भाषाओं
को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश
पदक दिये जाने का निर्ण
भूगोल विभाग के अंतर्गत ए
डिप्लोमा (स्ववित्तपोषित)
छात्र ले सकेंगे। कॉमर्स
वैल्यू एडेड कोर्सेज (
माध्यम से स्वीकृत किया

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... दै० अमर उजाला लखनऊ .... दिनांक 08 OCT 2025

भाषा विवि : सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल की होगी पढ़ाई

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) की भी पढ़ाई शुरू होगी। विश्वविद्यालय में मंगलवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में इस नए कोर्स को मंजूरी दी गई।

[illegible]

बैठक में पाठ्यक्रम को दी गई मंजूरी, दीक्षांत में बढ़ाए गए तीन नए मेडल

में इस बैठक में कुल 10 फैसले लिए गए। इनमें इस साल 14 अक्तूबर को दीक्षांत में देने के लिए तीन नए मेडल को मंजूरी दी गई है। [illegible]

[illegible]

Urdu Daily SIYASI TAQDEER Delhi
Tuesday 07 October 2025
سیاسی تقدیر

شہروں میں غیر منصوبہ بند تعمیرات اور صنعتی پھیلاؤ نے ماحولیاتی نظام کو غیر متوازن بنادیا: پروفیسر اجے تنیجا

لینگویج یونیورسٹی میں "رہائشی ماحول میں تبدیلی اور شہری بحران سے نمٹنے کی حکمت عملی" کے موضوع پر سیمینار کا انعقاد

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश

समाचार पत्र का नाम दै० आईनेक्स्ट, लखनऊ दिनांक

फार्मेसी स्टूडेंट्स को अब मिलेगी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग

LUCKNOW (13 Oct):

भाषा विवि में कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक सम्पन्न

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की कार्य परिषद की एक आकस्मिक बैठक 09 अक्टूबर 2025 को अपराह्न 03:00 बजे माननीय कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित विविध महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक अनुमोदन प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह, जो दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को आयोजित होने जा रहा है, में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, फैशन डिज़ाइनर, कलाकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता श्री मुज़फ्फर अली को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव को कार्य परिषद की स्वीकृति प्रदान की गई। परीक्षा समिति की दिनांक 06 अक्टूबर 2025 को सम्पन्न बैठक में लिए गए निर्णयों को कार्य परिषद की अनुमति प्रदान की गई। वित्त परिषद की 24वीं बैठक (दिनांक 07 अक्टूबर 2025) में पारित निर्णयों को भी कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया। सत्र 2024-25 के अंतर्गत कुल 1392 विद्यार्थियों (891 छात्र एवं 501 छात्राएँ) को उपाधि प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को कार्य परिषद ने स्वीकृति दी। स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुल 146 पदक (61 स्वर्ण, 42 रजत एवं 41 कांस्य) प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन प्राप्त हुआ। दीक्षांत समारोह में 31 पी.एच.डी. उपाधियों के वितरण के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति प्रदान की। विश्वविद्यालय एवं Lifeactivus Private Limited, Hyderabad के मध्य हुए एम.ओ.यू. को कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया। विश्वविद्यालय एवं SWADES – Social Welfare and Development for Empowered Society के मध्य हुए एम.ओ.यू. को भी कार्य परिषद ने अपनी स्वीकृति प्रदान की।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... नवभारत टाइम्स लखनऊ .... दिनांक ...... 11 OCT 2025

भाषा विवि की 5 नई लैब में शोध कर सकेंगे स्टूडेंट

दीक्षांत में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी उद्घाटन

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब साइंस के चार विभागों में नई लैब शुरू होने जा रही है। इससे पूजी पीजी समेत शोध के छात्रों को काफी सहूलियत होगी। जिन विभागों में लैब शुरू हो रही है उसमें माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी, जूलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी विभाग शामिल है। इसके अलावा इंटरनेट ऑफ थिंग्स की एक अन्य लैब की भी शुरुआत की जा रही है। 14 अक्टूबर होने वाले दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल इन लैब की शुरुआत करेंगी। इसके अलावा दस से अधिक अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन भी समारोह में किया जाएगा।

भाषा विवि में शुक्रवार को प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि विवि के दीक्षांत समारोह के मौके पर इस बार कई नई परियोजनाएं शुरू की जा रही है। इसमें सिविल ऐंड मकैनिकल इंजिनियरिंग वर्कशॉप है जिससे छात्रों को अब ट्रेनिंग मिल सकेगी। इसके अलावा ग्रीन हाउस, हर्बल गार्डन, बास्केट बॉल व वॉलीबॉल कोर्ट, ओपन एयर जिम की शुरुआत भी होगी। इसके अलावा विवि में आर्ट गैलरी की भी शुरू की जाएगी। इस आर्ट गैलरी में कई कलाओं

को संरक्षित किया जाएगा। खास तौर पर अवध का खान पान, चिकनकारी, यहां की लोक कलाएं समेत अन्य आर्ट फॉर्म्स को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा पुस्तकालय में छात्रों को अब लिफ्ट की भी सुविधा मिल सकेगी।

77% छात्र इस बार फर्स्ट डिवीजन: कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि इस बार विवि का रिजल्ट भी पहले से बेहतर है। विवि में इस बार जिन छात्रों को डिग्री मिल रही है उसमें 77 फीसदी छात्र फर्स्ट डिवीजन से पास हुए हैं। विवि में इस बार कुल 1393 विद्यार्थी पासआउट हो रहे हैं। इसमें 1073 छात्र प्रथम श्रेणी में पास हुए है। जबकि थर्ड डिवीजन पास होने वाले महज 2 छात्र हैं। इसके अलावा 171 विद्यार्थी ऐसे है जिन्होंने डिस्टिंक्शन के साथ डिग्री पास की है। पहले की तुलना में विवि के रिजल्ट में काफी सुधार है। इस बार दीक्षांत समारोह में कुल 146 पदक दिए जा रहे है, जिसमें 61 गोल्ड, 42 सिल्वर व 41 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम: दै० दैनिक जागरण, लखनऊ   दिनांक: 14 OCT 2025

297 छात्र-छात्राएं पाएंगे डिग्री, 19 को मिलेंगे मेडल

लोहिया संस्थान का दूसरा दीक्षा समारोह आज राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करेंगी

भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षा समारोह आज

भाषा विवि की विद्या परिषद की बैठक संपन्न

- शैक्षणिक व अनुसंधान विकास पर हुए अहम निर्णय
- दो नए स्वर्ण पदकों को मिली मंजूरी
- एम.टेक स्ट्रक्चरल पाठ्यक्रम को स्वीकृति
- मूटकोर्ट हॉल और पुस्तकालय का हुआ नामकरण
- एनईपी-2020 अनुरूप नए पाठ्यक्रमों को मंजूरी
- विद्या परिषद ने नवाचार और शोध को दी बढ़ावा

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की विद्या परिषद की बैठक विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक सभागार में कुलपति प्रो अजय तनेजा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान तथा प्रशासनिक विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया और कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विश्वविद्यालय की हालिया उपलब्धियों और नई शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्या परिषद विश्वविद्यालय के बौद्धिक और नीतिगत विकास की धुरी है और इसके निर्णय भविष्य की दिशा तय करते हैं। बैठक में दो नए पदक समाजशास्त्र स्नातक में डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास परास्नातक में राम पति देवी स्वर्ण पदक का अनुमोदन किया गया। 14 वें दीक्षांत समारोह में 31 शोधार्थियों को डिग्री दी जायेगी। सिविल इंजीनियरिंग में एम टेक स्ट्रक्चरल के पाठ्यक्रम को अनुमोदन दिया गया। विधि संकाय के डॉ बी आर अम्बेडकर मेमोरियल मूटकोर्ट हॉल का नामकरण किया गया। अरबी विभाग के विभागीय पुस्तकालय का नाम डॉ अनीश अंसारी के नाम पर सहमति दी गई। डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज के टॉपर्स को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन देने पर अनुमोदन दिया गया। सभी भाषाओं के टॉपर्स को खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक दिये जाने पर अनुमोदन दिया गया। भूगोल विभाग के अंतर्गत एक वर्षीय डिप्लोमा (स्ववित्तपोषित) पर सहमति दी गई। कॉमर्स विभाग के वैल्यू एडेड कोर्सेज (स्वयं) के माध्यम से स्वीकृत किया गया। अवधी शोधपीठ के परामर्श समिति के गठन को भी अनुमोदित किया गया। इन सबके अलावा नई पाठ्यक्रम संरचनाओं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विषयों के अद्यतन, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन जैसे प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। विद्या परिषद के सदस्यों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अपने सुझाव रखे, जिनका स्वागत कुलपति ने करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर बहुभाषिकता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में अग्रसर है। बैठक के अंत में रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने विद्या परिषद के सभी माननीय सदस्यों का उनके रचनात्मक सुझावों और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

...शुरुआत आज से

लखनऊ। सीएमएस चौक कैंपस की ओर से चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड क्वांटा-2025 की शुरुआत बुधवार को कानपुर रोड ऑडिटोरियम में होगी। इस मौके पर मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सलिल सेठ मौजूद रहेंगे। 11 अक्तूबर तक चलने वाले इस कार्यक्रम में 500 बाल वैज्ञानिक प्रतिभाग करेंगे। (संवाद)

भाषा विवि में नए छात्रों का हुआ स्वागत

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह मंगलवार को हुआ। कुलपति प्रो. अजय तनेजा की मौजूदगी में नए छात्रों का स्वागत किया गया। कुलपति ने छात्रों से कहा कि आपकी ये नई शुरुआत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का प्रतीक है। विद्यार्थी जीवन के ऐसे क्षण भविष्य की दिशा तय करते हैं। मौके पर विभाग की अधिष्ठाता डॉ. तहीर फातिमा सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे। (संवाद)

Saturday
04 October 2025

روزنامہ لکھنؤ

قومی صحافت

پروفیسر ثوبان سعید لینگویج یونیورسٹی کے شعبۂ اردو کے صدر مقرر

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں شعبۂ اردو کے پروفیسر ثوبان سعید کو باضابطہ طور پر شعبۂ اردو کا صدر مقرر کر دیا گیا ہے۔ اس سے قبل پروفیسر فخر عالم اس منصب پر فائز تھے جنہوں نے صدر شعبہ کی حیثیت سے نہ صرف اپنی بہترین خدمات انجام دیں بلکہ شعبے کے وقار اور علمی سرگرمیوں میں نمایاں اضافہ کیا۔ یونیورسٹی انتظامیہ کی جانب سے جاری نوٹیفکیشن کے مطابق یہ تقرری تین برس یا اگلے حکم تک نافذ العمل رہے گی۔ اس فیصلے کو جامعہ کے علمی و انتظامی حلقوں میں نہایت خوش آئند قرار

دیا جا رہا ہے۔ پروفیسر ثوبان سعید اس سے قبل بھی یونیورسٹی میں متعدد کلیدی عہدوں پر خدمات انجام دے رہے ہیں۔ وہ ڈین اکیڈمک، ڈین فیکلٹی آف آرٹس اینڈ ہیومینیٹیز، آئی کیو اے سی (Internal Quality Assurance Cell) کے ڈائریکٹر اور ایڈمیشن انچارج کی حیثیت سے اپنی انتظامی صلاحیتوں کا مظاہرہ کر چکے ہیں۔ ان کے پاس تدریس اور تحقیق کے ساتھ ساتھ اعلیٰ سطحی انتظامی معاملات کا بھی وسیع تجربہ موجود ہے جس کی بنیاد پر انہیں ایک ہمہ جہت منتظم اور ماہر تعلیم تسلیم کیا جاتا ہے۔ پروفیسر ثوبان سعید کا شمار جامعہ کے ان کہنہ مشق اور فعال اساتذہ میں ہوتا ہے جنہوں نے نہ صرف اردو زبان و ادب کی تدریس و تحقیق میں نمایاں خدمات انجام دی ہیں بلکہ یونیورسٹی کی پالیسی سازی، معیاری تعلیم کے فروغ اور داخلے کے نظام کو بہتر بنانے میں بھی اہم کردار ادا کیا ہے۔ ان کی قیادت میں شعبۂ اردو سے یہ توقع کی جا رہی ہے کہ تحقیقی سرگرمیوں میں وسعت، تدریسی معیار میں مزید بہتری اور طلبہ کو علمی و فکری اعتبار سے زیادہ سازگار ماحول فراہم کیا جائے گا۔ یونیورسٹی انتظامیہ اور اساتذہ برادری کا ماننا ہے کہ پروفیسر ثوبان سعید کی یہ تقرری ادارے کی تعلیمی ترقی، انتظامی ڈھانچے کی مضبوطی اور مجموعی وقار میں اضافے کا باعث ثابت ہوگی۔

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० आज लखनऊ दिनांक 10 OCT 2025

भाषा विवि में कार्य परिषद की हुयी आकस्मिक बैठक

14 अक्टूबर को होगा 10वां दीक्षांत समारोह

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ में गुरुवार को कार्य परिषद की एक आकस्मिक बैठक बुलायी गयी जिसमें अपराह्न तीन बजे कुलपति प्रो अजय तनेजा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया। आज हुयी बैठक में प्रमुख रूप से जिन प्रस्तावों पर विचार किया गया उसमें 14 अक्टूबर को होने वाले विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, फैशन डिजाइनर, कलाकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता मुजफ्फर अली को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव को कार्य परिषद की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अलावा परीक्षा समिति की 06 अक्टूबर को सम्पन्न बैठक में लिए गए निर्णयों को कार्य परिषद की अनुमति प्रदान की गई। वित्त परिषद की 07 अक्टूबर हुयी 24वीं बैठक में पारित निर्णयों को भी कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया। दीक्षांत समारोह में सत्र 2024-25 के अंतर्गत कुल 1392 विद्यार्थियों 891 छात्र एवं 501 छात्राओं को उपाधि प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को कार्य परिषद ने स्वीकृति दी। स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुल 146 पदक ,61 स्वर्ण, 42 रजत एवं 41 कांस्य प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन प्राप्त हुआ। दीक्षांत समारोह में 31 पीएच.डी उपाधियों के वितरण के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति प्रदान की। इसके अलावा विवि द्वारा किये गये एमओयू को कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक के अंत में कुलपति प्रो अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में नए मानक स्थापित कर रहा है। आगामी 10वाँ दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के गौरवशाली सफर में एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ...... दै० हिन्दुस्तान लखनऊ ...... दिनांक ...... 01 OCT 2025

केएमसी के दीक्षांत में बंटेंगे 146 पदक, शिलान्यास भी होगा

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने प्रेसवार्ता में 14 अक्तूबर को होने वाले 10वें दीक्षांत समारोह की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समारोह में लैब, पार्किंग, लिफ्ट व हर्बल गार्डन आदि में कई का शिलान्यास तो कुछ का लोकार्पण प्रस्तावित है। सत्र 2024-25 में कुल 146 पदक दिए जाएंगे। इसमें पांच प्रायोजित पदक दिए जा रहे हैं। कुल 1424 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी।

विवि के प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि 10वें दीक्षांत में कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ फिल्म निर्माता पद्मश्री मुजफ्फर अली मुख्य अतिथि होंगे। इनके अलावा उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी भी बतौर अतिथि शामिल होंगी। उन्होंने बताया कि विवि में आगामी सत्र में हिन्दू अध्ययन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग में एम टेक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है।

संवेदनशील नागरिक बनें विद्यार्थी : राज्यपाल

शिक्षण संस्थानों को अनुसंधान, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का केंद्र बनाना चाहिए

बेटियां परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए राष्ट्र निर्माण में बराबरी की निभा रही हैं भूमिका

लखनऊ (एसएनबी)। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अग्रणी है, वे परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए भी राष्ट्र निर्माण में बराबरी की भूमिका निभा रही है। यह सामाजिक परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि समावेशी विकास और सामाजिक संतुलन के नए युग का उद्घोष है। दीक्षांत समारोह में भी बेटियों ने सर्वाधिक उपाधियां और स्वर्ण पदक अर्जित किया है।

श्रीमती पटेल मंगलवार को भाषा विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित कर रही थी। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक प्रदान कर सम्मानित किया। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सभी उपाधियों एवं अंक प्रमाण पत्रों को डिजिलॉकर में समाहित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को डिजिटल सुविधा का लाभ मिलेगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय का केवल औपचारिक आयोजन नहीं होता, बल्कि यह उस संस्था की शैक्षणिक यात्रा का उज्ज्वल पड़ाव होता है। यह दिन विश्वविद्यालय के लिए गौरव का है और उन छात्र-छात्राओं के लिए जीवन का अविस्मरणीय क्षण है, जिन्हें आज अपनी उपाधि प्राप्त करने का सौभाग्य मिल रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता, निर्देशक, कवि एवं सामाजिक चिंतक पद्मश्री मुजफ्फर अली की उपस्थिति प्रेरणादायक है। श्री अली भारतीय सिनेमा की उस विरासत के प्रतिनिधि है जिन्होंने फिल्मों को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संवेदना, संस्कृति और समाज का जीवंत दस्तावेज बनाया है। उनकी सृजनशीलता विद्यार्थियों को जीवन में संवेदनशीलता और रचनात्मकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिया कि फिल्म और मीडिया से जुड़े कोर्स आरंभ किए जाएं, ताकि विद्यार्थी कला, सृजन और अभिव्यक्ति के क्षेत्र में प्रशिक्षित होकर आगे बढ़ सकें। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि तकनीकी युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अध्ययन, शोध और कौशल विकास में करें, किसी को परेशान करने या गलत दिशा में न जाएं। उन्होंने कहा कि आपकी एक गलती न केवल आपको, बल्कि आपके परिवार को भी संकट में डाल सकती है। इसलिए अपनी प्रतिभा का प्रयोग सदैव समाजहित में करें।

उन्होंने कहा कि 'दीक्षा' का अर्थ केवल उपाधि प्राप्त करना नहीं, बल्कि वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को सजग, संवेदनशील और कर्मशील नागरिक बनाती है। वैदिक काल की गुरुकुल परंपरा में शिक्षा पूर्ण होने पर 'समावर्तन संस्कार' होता था। उन्होंने कहा कि गुरु और शिष्य का यह संबंध केवल ज्ञान का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि चरित्र, नैतिकता और जीवन मूल्यों का संस्कार है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य की गई है। जो विद्यार्थी इस सीमा को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समय पर कक्षा में आना चाहिए, और विद्यार्थियों को भी नियमित अध्ययन के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि : हमें ऐसे विद्यार्थी तैयार करने है जो नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनें। इस अवसर पर श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ. नीरज शुक्ला की पुस्तक दे पथ का यूथ एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्टार्टअप्स इकोसिस्टम, डॉ. दीक्षा मिश्रा और अमर कुमार मिश्रा की पुस्तक का भी विमोचन किया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री मुजफ्फर अली ने कहा कि राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का उत्तर प्रदेश में होना सबके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि 'युवाओं को समाज और पर्यावरण से जुड़कर मानवतावादी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। देशहित में काम करना ही उनका वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए।' उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे संवेदनशीलता, सृजनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जीवन में आगे बढ़ें। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में माता-पिता, अध्यापक, संस्थान तथा समाज सबका योगदान होता है, इसलिए उन्हें ऐसा बीज बनना चाहिए, जो आगे चलकर वटवृक्ष के रूप में पल्लवित हो और समाज को दिशा दे।

उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार एक कुंभकार घड़े को आकार देता है, उसी प्रकार अध्यापक बच्चों के भविष्य को आकार देते है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया और कहा कि परिवार, समाज और राष्ट्रहित में कार्य करना ही सच्ची सफलता है।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर रोशन तनेजा, विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद, विद्या परिषद के सदस्य, समस्त संकायाध्यक्ष, आमंत्रित अतिथि, शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी, अभिभावक, विद्यार्थी, आंगनवाड़ी कार्यकत्री तथा विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं उपस्थित रहे।

भाषा विश्वविद्यालय का दसवां दीक्षांत समारोह

शिक्षा तक सीमित नहीं रहें विद्यार्थी

आरंभ किए जाएं फिल्म व मीडिया से जुड़े कोर्स

ETV Bharat / State

भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह; 146 में से 99 पदक पर छात्राओं ने कब्जा किया, राज्यपाल बोलीं- हमारी बेटियां किसी से कम नहीं

समारोह में कुल 146 पदक प्रदान किए गए हैं. इनमें 63 स्वर्ण पदक, 42 रजत पदक और 41 कांस्य पदक हैं.

राज्यपाल ने किया सम्मानित. (Photo Credit; kmc university media cell)

روزنامہ راشٹریہ سہارا

لینگو تج یونیورسٹی اور لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے مابین ایم او یو

لکھنؤ (پریس ریلیز) خواجہ معین الدین چشتی لینگو تج یونیورسٹی اور حیدرآباد کی معروف کمپنی لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے درمیان ایک مفاہمتی یادداشت (ایم او یو) پر دستخط کیے گئے۔ اس معاہدے کو اعلیٰ تعلیم اور صنعت کے تقاضوں کے درمیان پل قائم کرنے کی سمت میں ایک سنگ میل قرار دیا جارہا ہے۔ اس اشتراک کا مقصد طلبہ کو عالمی معیار کے مطابق مہارت، عملی تجربہ روزگار سے وابستہ مواقع فراہم کرنا ہے تاکہ وہ مستقبل کے چیلنجوں کا سامنا بہتر انداز میں کرسکیں۔ معاہدے کے تحت لائف ایکٹیوس طلبہ کو انٹرن شپ و صنعتی تربیت، گرلس ڈیجیٹل لرننگ پروگرام، لیبارٹری سیٹ اپ و انسٹرومنٹیشن سپورٹ، سمینار اور ورکشاپس جیسے مواقع فراہم کرے گا۔ مزید برآں مشترکہ تحقیق اور تکنیکی تعاون کو بھی فروغ دیا جائے گا۔ یونیورسٹی کی جانب سے اس اشتراک کو تحقیق و اختراع کے فروغ، ضروری سہولیات اور جگہ کی فراہمی نیز صنعتوں کو ان کے تحقیقی و عملی منصوبوں کی تکمیل میں مدد کے طور پر استعمال کیا جائے گا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے مفاہمت نامے کو طلبہ کیلئے ایک انقلابی موقع قرار دیا۔ لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے چیئرمین و منیجنگ ڈائریکٹر ڈاکٹر کیشو دیو نے بھی اس اشتراک پر مسرت کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ یہ تعاون علم و مہارت کے تبادلے کو نئی سمت عطا کرے گا اور تعلیم کے میدان میں مثبت تبدیلیوں کی بنیاد رکھے گا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کی جانب سے مفاہمت نامے پر دستخط افسر مالیہ سنجیو گپتا نے کیے جبکہ شکریہ کی رسم ایم او یو کے نوڈا افسر ڈاکٹر نیرج شکلا نے ادا کی۔ تقریب میں رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، ڈائریکٹر فیکلٹی آف فارمیسی پروفیسر شالنی ترپاٹھی اور شعبۂ فارمیسی کے دیگر اساتذہ و اراکین بھی موجود تھے۔ اس موقع پر مفاہمت نامے کے کوآرڈی نیٹر و سابق چیف سائنٹسٹ پروفیسر پی ایم ایس چوہان اور پروفیسر شالنی ترپاٹھی بھی موجود تھے۔

فوٹو: کے ایم سی ایل یو

अच्छी पहल राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से शुरू किया गया यह खास पहल

'क्राफ्ट रूट्स' मॉडल हायर एजुकेशन से मिलेगा नया अवसर

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (12 Oct): डीडीयू यूनिवर्सिटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ के सरोद बावली, कैसरबाग में आयोजित 'सामखी' एवं 'क्राफ्ट रूट्स' प्रदर्शनी के सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अध्ययन भ्रमण किया. राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से शुरू किए गए इस पहल का उद्देश्य भारतीय हस्तकला को पुनर्जीवित करना, कारीगरों को सम्मान दिलाना और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है.

कौशल विकास का रास्ता

प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न राज्यों से आए कारीगरों द्वारा निर्मित हस्तकरघा एवं हस्तनिर्मित वस्त्र, लकड़ी एवं मिट्टी कला, धातु शिल्प, प्राकृतिक रंगों के उत्पाद, पारंपरिक आभूषण और जनजातीय कलाओं का अवलोकन किया. सदस्यों ने इसे "जीवंत सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत प्रदर्शन" बताया और कहा कि यह पहल न केवल कला को संरक्षित करती है, बल्कि शिक्षा और कौशल विकास के लिए भी नए रास्ते खोलती है.

उन्होंने कहा कि 'क्राफ्ट रूट्स' एक सोशल और कल्चरल मूवमेंट है, जो गुजरात से शुरू होकर यह पहल अब उत्तर प्रदेश में भी सफलतापूर्वक कार्य कर रही है. यह संस्था गुप्त होती पारंपरिक कलाओं को पुनर्जीवित करती है, कारीगरों को डिजाइन, ब्रांडिंग और वैश्विक बाजार से जोड़ती है व हजारों ग्रामीण एवं महिला कारीगरों को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रदान करती है.

स्टूडेंट्स को मिलेगा इंटर्नशिप

कुलपति ने कहा कि एनईपी के अनुरूप 'क्राफ्ट रूट्स' मॉडल को कौशल और रोजगारोन्मुख शिक्षा, लोककला एवं सांस्कृतिक संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्टार्टअप और सामाजिक नवाचार जैसे क्षेत्रों से जोड़ने की दिशा में कार्य करेगा. इसके तहत इंटर्नशिप, ट्रेनिंग प्रोग्राम और संभावित एमओयू के माध्यम से स्टूडेंट्स को इन पहलों से प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाएगा.

ये रहे शामिल

इस अध्ययन भ्रमण में कुलपति के साथ डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. अनुभूति दुबे, निदेशक महिला प्रकोष्ठ प्रो. दिव्या रानी सिंह, नोडल मिशन शक्ति प्रो. विनीता पाठक, कुलसचिव धीरेन्द्र श्रीवास्तव, वित्त अधिकारी जय मंगल राव, जय सोविंद सिंह, छात्रावास वार्डन डॉ. मीतू सिंह, डॉ मनीष पांडेय सहित विभिन्न संकायों के अन्य प्राध्यापक और अधिकारी शामिल रहे.

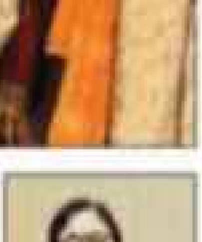

"'क्राफ्ट रूट्स' केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि परंपरा, नवाचार, स्वदेशी गौरव और महिला सशक्तिकरण का जीवंत आंदोलन है. यूनिवर्सिटी ऐसे मॉडलों को कौशल आधारित शिक्षा, उद्यमिता, सांस्कृतिक अध्ययन और सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है. प्रो. पूनम टंडन, कुलपति

16 अक्टूबर को होगा डीडीयू में ओरिएंटेशन प्रोग्राम

डीडीयू द्वारा शुरू किए ऑनलाइन और ओडीएल कार्यक्रम में 20 राज्यों से 400 से अधिक स्टूडेंट्स ने लिया एडमिशन

डीडीयू यूनिवर्सिटी ने एनईपी -2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा को सुलभ और लचीला बनाने की दिशा में इस वर्ष से आधिकारिक रूप से ऑनलाइन एवं ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों की शुरुआत की है. यह पहल दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के माध्यम से संभव हुई है, जिसकी स्थापना पिछले वर्ष की गई थी. यूजीसी-डीईबी के दिशा-निर्देशों के तहत इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर तय की गई है. इसके बाद 16 अक्टूबर को नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया जाएगा.

नवप्रारंभित कार्यक्रम

नवप्रारंभित कार्यक्रमों में बीबीए, एमबीए, बीकॉम, एमकॉम और एमए (अंग्रेजी) जैसे प्रमुख पाठ्यक्रमों में अबतक 20 राज्यों से 400 से अधिक स्टूडेंट्स ने इनरोलमेंट कराया है, जिनमें सर्वाधिक प्रवेश उत्तर प्रदेश से हुए हैं. एमबीए में 240 से अधिक स्टूडेंट्स ने प्रवेश लिया है, वहीं बीबीए में 55, एमए (अंग्रेजी) में 35, एमकॉम में 40 और बीकॉम में 34 स्टूडेंट्स के एडमिशन लिया. कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यूनिवर्सिटी का यह कदम समावेशी, सुलभ और रोजगारोन्मुख उच्च शिक्षा की दिशा में सराहनीय पहल है.

15 तक आवेदन

यूनिवर्सिटी प्रशासन के अनुसार यह कार्यक्रम उन विद्यार्थियों, गृहिणियों और कार्यरत पेशेवरों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं, जो अपनी गति से उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं या साथ में दुहरा डिग्री करना चाहते हैं. प्रवेश की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है इसके पहले आवेदन कर सकते हैं. इच्छुक अभ्यर्थी यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमर उजाला लखनऊ दिनांक

सिर्फ आस्था नहीं, पाठ्यक्रम का हिस्सा भी बनेंगे वेद, पुराण और उपनिषद

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शुरू होगा हिंदू अध्ययन पाठ्यक्रम

[illegible]

नए सत्र से स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों में होंगे दाखिले

[illegible]

मिलेगा संस्कृति के मूल सिद्धांत समझने का मौका

[illegible]

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......अमृत विचार लखनऊ...... दिनांक ......07 OCT 2025......

दीक्षांत समारोह में दिए जाएंगे 144 पदक

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में हुई परीक्षा समिति की दसवीं बैठक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

परीक्षा समिति की बैठक को संबोधित करते कुलपति डॉ. अजय तनेजा। अमृत विचार

अमृत विचार: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की दसवीं बैठक सम्पन्न हुई जिसमें दीक्षांत समारोह में 144 मेडल दिए जाने पर सहमति बनी। कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में हुई बैठक में विश्वविद्यालय की परीक्षा प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय एवं छात्रहितकारी बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा हुई। समिति ने यह निर्णय लिया कि आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 से परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों को निष्पक्ष अवसर मिल सके।

बाह्य विशेषज्ञों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन हेतु न्यूनतम दरों के निर्धारण के लिए एक उपसमिति गठित की जाएगी। इसी प्रकार, मॉडरेशन कार्य से संबंधित पारिश्रमिक की दरों पर भी विचार विमर्श किया गया। इसके लिए एक अलग समिति का गठन किया गया है। बैठक में यह भी सूचित किया गया कि विश्वविद्यालय के दशम दीक्षांत समारोह में प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों की अंतिम सूची तैयार की जा चुकी है। एलीमेंट्री विषयों में आंतरिक एवं बाह्य अंकों को जोड़कर कुल 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजीव गुप्ता, रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार, डीन अकादमिक्स प्रो. सौबान सईद, सभी संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, परीक्षा समिति के सदस्यगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

- आंतरिक, वाह्य परीक्षकों और मॉडरेशन पारिश्रमिक के लिए बनेगी समिति
- आंतरिक व वाह्य अंकों को जोड़कर 33 प्रतिशत पाने वाले होंगे उत्तीर्ण

मेडल पर अंकित होंगे संकायों के नाम

- दीक्षांत समारोह में प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों पर संकायों का नाम भी उल्लेखित किया जाएगा। जिससे छात्रों व संकाय की विशिष्ट पहचान स्थापित होगी।

समर्थ पोर्टल से भरे जाएंगे फार्म

डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए समिति ने यह भी अनुशंसा की कि आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षा फ़ॉर्म विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जाएंगे। इस पहल से परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, कुशल और ई-गवर्नेंस आधारित बनाया जा सकेगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० वॉयस ऑफ लखनऊ दिनांक 10 OCT 2025

भाषा विवि के दीक्षांत समारोह में मुजफ्फर अली होंगे मुख्य अतिथि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की एक आकस्मिक बैठक गुरुवार को कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित विविध महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक अनुमोदन प्रदान किए गए।

बैठक में प्रमुख रूप से निम्न प्रस्तावों पर विचार किया गया, इसमें विश्वविद्यालय के 14 अक्टूबर को आयोजित होने वाले 10वें दीक्षांत समारोह में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव को कार्य परिषद की स्वीकृति प्रदान की गई। परीक्षा समिति की 06 अक्टूबर को सम्पन्न बैठक में लिए गए निर्णयों को कार्य परिषद की अनुमति प्रदान की गई। वित्त परिषद की 24वीं बैठक में पारित निर्णयों को भी कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया। सत्र 2024-25 के अंतर्गत कुल 1392 विद्यार्थियों (891 छात्र एवं 501 छात्राएं) को उपाधि प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को कार्य परिषद ने स्वीकृति दी। स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कुल 146 पदक (61 स्वर्ण, 42 रजत एवं 41 कांस्य) प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन प्राप्त हुआ। दीक्षांत समारोह में 31 पीएचडी उपाधियों के वितरण के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति प्रदान की। विश्वविद्यालय एवं लाईफ्साइंटिक्स प्रा. लि., हैदराबाद व स्वदेश के मध्य हुए एमओयू को कार्य परिषद द्वारा अनुमोदित किया गया।

बैठक के अंत में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में नए मानक स्थापित कर रहा है। आगामी 10वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के गौरवशाली सफर में एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......टै० टाइम्स ऑफ इंडिया लखनऊ...... दिनांक ......08 OCT 2025......

Khwaja varsity to introduce new courses, 2 medals

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Beginning next academic session, Khwaja Moinuddin Chishti Language University will introduce two new academic programmes, MTech (structural engineering) course in department of civil engineering and a one-year self-financed diploma in geography. The decisions were taken during the academic council meeting held on Tuesday.

The council also approved two new gold medals, the Dori Lal Sagar Memorial Gold Medal in Sociology (undergraduate) and Rampati Devi Gold Medal in History (postgraduate) and toppers of all language courses will receive Khwaja Moinuddin Chishti gold medals. These will be presented at the upcoming 14th Convocation to recognise and encourage meritorious students.

Vice Chancellor Prof Ajay Taneja said, "Our goal is to continually expand academic horizon of the university. Introduction of new programmes and medals not only strengthens our academic structure but also motivates our students to strive for excellence and innovation."

The meeting noted that 31 research scholars would be receiving degree in the forthcoming convocation, reflecting the university's expanding research ecosystem. Department of commerce will soon launch value added courses through SWAYAM, enabling flexible and skill-oriented learning.

Law Faculty's moot court hall has been renamed Dr B R Ambedkar Memorial Moot Court Hall, and Arabic department's library will now be known as the Dr Anees Ansari Library. The council also approved formation of an advisory committee for the Awadhi Research Chair and curriculum revisions under NEP-2020.

LU dept to host global meet in Nov

Lucknow: Department of biochemistry in Lucknow University will organise international conference on bridging innovative research in translational and interventional health (BIRTH-2025) from Nov 13 to Nov 15, aimed at fostering international collaborations and promoting cutting-edge research in areas such as haemoglobinopathies, cancer biology, infectious diseases, neurological and metabolic disorders and Indian knowledge systems.

کے ایم سی میں شوبھا یاترا کے ساتھ ہوئی تقریب اسناد کی ریہرسل

لکھنؤ۔(نامہ نگار)۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں آٹھویں کانووکیشن کی تقریب کی ریہرسل شوبھا یاترا کے ساتھ ہوئی۔ شوبھا یاترا کی قیادت یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار نے کی۔ شوبھا یاترا میں فیکلٹی، تمغہ لینے والے طلباء، محققین اور یونیورسٹی کے عہدیداروں نے شرکت کی۔ اس موقع پر پروفیسر چندنا دے جو سوشل سائنسز انسٹی ٹیوٹ کی ڈین اور شعبہ تعلیم کی چیئرپرسن ہیں انہوں نے گورنر کے فرائض سرانجام دیئے۔ فیکلٹی آف کامرس اینڈ ڈپارٹمنٹ آف بزنس ایڈمنسٹریشن کے ڈین سید حیدر علی نے معروف فلم ساز مظفر علی کا مہمان خصوصی کا کردار ادا کیا۔ ڈاکٹر تنویر فاطمہ نے ریاستی وزیر رجنی تیواری کا کردار ادا کیا جب کہ سول انجینئرنگ شعبہ کے ڈاکٹر کوشلیش شاہ نے ریاستی وزیر یوگیندر اپادھیائے کا کردار ادا کیا۔ ریہرسل کے دوران کانووکیشن کی تمام رسمی کارروائیوں کو منظم طریقے سے انجام دیا گیا۔ اس موقع پر پروفیسر مسعود عالم، پروفیسر تنویر خدیجہ، ڈپٹی رجسٹرار محمد ساحل سمیت یونیورسٹی کے دیگر افسران اور ملازمین بھی موجود تھے۔

भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में गोल्ड मेडल पाने वाले छात्र छात्राओं के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, राज्य मंत्री रजनी तिवारी, मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, फिल्म निर्माता मुजफ्फर अली। संवाद

विद्यार्थी रोज न आएं तो घर पर करें फोन

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में बोलीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में बेहतर शैक्षिक गुणवत्ता के लिए विद्यार्थियों की 75% उपस्थिति अनिवार्य है। ऐसा नहीं होने पर विद्यार्थी परीक्षा में नहीं बैठ सकेंगे। यदि कोई विद्यार्थी अनुपस्थित है तो उसके घर पर फोन किया जाए। ताकि अभिभावक को भी पता चल सके कि उनका बच्चा कहां है।

मौका था मंगलवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह का। राज्यपाल ने शिक्षकों से भी कहा कि वे भी अनुशासन का पालन करें। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में डीजी लॉकर पर डिग्री अपलोड करते हुए कहा कि एक समय था जब विद्यार्थी को अपनी ही डिग्री को लेने के लिए विश्वविद्यालय में दो-दो हजार घूस देनी पड़ती थी। आज ये सब बंद है और विद्यार्थियों को राहत है।

इससे पहले कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विवि की प्रगति के बारे में बताया। कार्यक्रम में इस साल स्नातक, परास्नातक और पीएचडी के कुल 1441 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें 1393 सफल हुए। छात्राओं का पास प्रतिशत 97.4 और छात्रों का 96.8 फीसदी रहा। इस साल समारोह में कुल 146 पदक दिए गए। इनमें 63 स्वर्ण, 42 रजत और 41 कांस्य पदक हैं। 99 पदक छात्राओं को मिले हैं। बता दें कि यहां 21 राज्य और छह धर्मों के विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। अलग नगर हिन्दुरीय प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने पेड़ों की रक्षा का संदेश देते हुए कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

146 में 99 पदक छात्राओं और 47 मिले छात्रों को

■ **पढ़ाई के लिए संतुलन व मानवता जरूरी : मुजफ्फर अली :** मुख्य अतिथि फिल्मकार मुजफ्फर अली ने विद्यार्थियों से कहा कि पढ़ाई के लिए दो चीजें अहम हैं संतुलन और मानवता। इन दो के बिना पढ़ाई बेकार है। भाषा बेहद अहम है। भाषा एक जमाने से दूसरे जमाने को जोड़ती है। उन्होंने अपनी पुस्तक "जिक्र" की चर्चा करते हुए कहा कि उनमें लोगों से मुलाकात के दौरान निकलकर आईं बातें और उनकी विशेषता की चर्चा है।

किसी को प्रोफेसर तो किसी को बनना है इंजीनियर

नियमित पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान दें तो सफलता मिलेगी। उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पदक मिले हैं। पिता इजहार सिद्दीकी फैशन डिजाइनर और मां सुमैया गृहिणी हैं। मेरा सपना है विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बनना है। - रहमाना

एक अच्छा अध्यापक बनने के लिए विषय पर मजबूत पकड़ होना जरूरी है। स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी-स्नातक में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिले हैं। पिता कृष्णकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहिणी हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर बनना सपना है। - धर्मेश यादव

लक्ष्य के साथ को ध्यान में रखते हुए पढ़ें सफलता मिलेगी। अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और बीटेक में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पदक मिले हैं। आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा हूं। पिता हरिकेश द्विवेदी शिक्षक और मां सरोज गृहिणी हैं। इंजीनियर बनना मेरा सपना है। - अपूर्व द्विवेदी

मैं यही कहूंगी कि पहले अपने बेहतर करिअर के लिए मन से पढ़ें। स्नातक में सामाजिक विज्ञान, बीएड में पहला स्थान मिलने पर दो स्वर्ण पदक मिले हैं। पिता जगन्नाथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और मां शुभलिनी गृहिणी हैं। मेरा सपना प्रोफेसर बनना है। - तनु प्रिया

इन सुविधाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, बॉटनी एंड जूलॉजी लैब और टिश्यूकल्चर की सुविधा के लिए ग्रीन हाउस, चार शौचालय व रिपेयर, टेनिस एवं वॉलीबॉल कोर्ट, राम प्रसाद बिस्मिल पुस्तकालय एवं सावेरा संकर विद्यार्थी अध्ययन केंद्र (कक्ष) रिपेयर, अरबी लैब, आर्ट गैलरी, म्यूजियम, लाइब्रेरी ऑटोमेशन एंड आरएफआईडी, पाणिनि भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, अतिथि गृह वीआईपी कक्ष, सिविल व मैकेनिकल इंजीनियरिंग वर्कशॉप, ग्रीन हाउस, हर्बल गार्डन, ओपन जिम, आईओटी लैब।

■ **सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें :** उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने मेधावियों से कहा कि सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी होगी, आप उससे पीछे न हटें। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा आपको मेडल मिले हैं आप अब समाज के लिए मॉडल बनें। आपको ऐसा कुछ करना होगा जो हर क्षेत्र के लिए ऐसी चीज है जो उस क्षेत्र को आगे बढ़ाए।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै0 वॉयस ऑफ लखनऊ, लखनऊ दिनांक - 8 OCT 2025

सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल के पाठ्यक्रम को दिया गया अनुमोदन

ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक सम्पन्न

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की विद्या परिषद की बैठक विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक सभागार में कुलपति प्रो अजय तनेजा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, अनुसंधान और प्रशासनिक विकास से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया और कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक की शुरूआत में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विश्वविद्यालय की हालिया उपलब्धियों और नई शैक्षणिक योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्या परिषद विश्वविद्यालय के बौद्धिक और नीतिगत विकास की धुरी है और इसके निर्णय भविष्य की दिशा तय करते हैं। बैठक में दो नए पदक समाजशास्त्र स्नातक में श्री डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास परास्नातक में राम पति देवी स्वर्ण पदक का अनुमोदन किया गया। 14 वें दीक्षांत समारोह में 31 शोधार्थियों को डिग्री दी जायेगी। सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल के पाठ्यक्रम को अनुमोदन दिया गया। विधि संकाय के डॉ बीआर अम्बेडकर मेमोरियल मूटकोर्ट हॉल का नामकरण किया गया। अरबी विभाग के विभागीय पुस्तकालय का नाम डॉ अनीस अंसारी के नाम पर सहमति दी गई। डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज के टॉपर्स को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन देने पर अनुमोदन दिया गया। सभी भाषाओं के टॉपर्स को ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक दिये जाने पर अनुमोदन दिया गया। भूगोल विभाग के अंतर्गत एक नवीन डिप्लोमा (स्ववित्तपोषित) पर सहमति दी गयी। कॉमर्स विभाग के वैल्यू एडेड कोर्सेज (स्वयं) के माध्यम से स्वीकृत किया गया। अरबी शोधपीठ के परामर्श समिति के गठन को भी अनुमोदित किया गया।

इन सबके अलावा नई पाठ्यक्रम संरचनाओं, एनईपी 2020 के अनुरूप विषयों के अद्यतन, शोध एवं नवाचार को प्रोत्साहन जैसे प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। विद्या परिषद के सदस्यों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए अपने सुझाव रखे, जिनका स्वागत कुलपति ने करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर बहुभाषिकता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में अग्रसर है। अंत में रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने विद्या परिषद के सभी सदस्यों का उनके रचनात्मक सुझावों और सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्या परिषद की इस बैठक में विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, विभागाध्यक्षों, तथा बाह्य विशेषज्ञों सहित विद्या परिषद के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

روزنامہ پیاری اردو پٹنہ

شہروں میں غیر منصوبہ بند تعمیرات اور صنعتی پھیلاؤ نے ماحولیاتی نظام کو غیر متوازن بنادیا

لینگویج یونیورسٹی میں ”رہائشی ماحول میں تبدیلی اور شہری بحران سے نمٹنے کی حکمتِ عملی“ کے موضوع پر سیمینار کا انعقاد

لکھنؤ، 06 اکتوبر 2025۔ عالمی یوم رہائش کے موقع پر خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے شعبۂ اپلائیڈ سائنس اینڈ ہیومینٹیز اور انوائرمینٹل سائنس کے زیرِ اہتمام ”رہائشی ماحول میں تبدیلی اور شہری بحران سے نمٹنے کی حکمتِ عملی“ کے موضوع پر ایک سیمینار اور برین اسٹارمنگ سیشن کا انعقاد کیا گیا۔ یہ سیمینار فیکلٹی آف انجینئرنگ اینڈ ٹیکنالوجی کے باسمرہ ہال (دوسری منزل) میں منعقد ہوا جس میں مختلف جامعات کے اساتذہ، محققین اور طلبہ نے بھرپور شرکت کی۔ اس سیمینار کا انعقاد نیشنل اکیڈمی آف سائنسز، انڈیا کے اشتراک سے کیا گیا۔ اس کا مقصد بدلتے ہوئے شہری ماحولیاتی حالات میں تیزی سے بڑھتی آبادی، غیر متوازن شہری منصوبہ بندی، ماحولیاتی آلودگی اور پائیدار رہائش کے بحران جیسے مسائل پر غور و خوض کرنا اور ان کے ممکنہ سائنسی و پالیسی حل تلاش کرنا تھا۔ سیمینار کے افتتاحی سیشن میں پروگرام کے کوآرڈینیٹر ڈاکٹر ایشے کرشنا نے اغراض و مقاصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ آج کے تیز رفتار ترقی پذیر دور میں شہری ماحول میں توازن برقرار رکھنا سب سے بڑا چیلنج ہے۔ رہائش کی بڑھتی ہوئی ضرورتوں کے سبب قدرتی وسائل پر دباؤ بڑھ رہا ہے، جو ماحولیاتی بحران کو جنم دیتا ہے۔ اس سیمینار کا مقصد عوام میں بیداری پیدا کرنا اور پائیدار شہری زندگی کے لیے عملی حل تلاش کرنا ہے۔

اس سیمینار کے مہمان خصوصی یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا تھے۔ انھوں نے اپنے تفصیلی خطاب میں کہا کہ عالمی یوم رہائش صرف ایک رسمی دن نہیں بلکہ انسانی تمدن اور ماحول کے باہمی رشتے پر سنجیدگی سے غور کرنے کا موقع فراہم کرتا ہے۔ انھوں نے کہا کہ رہائش کا مسئلہ دراصل انسانی زندگی کے معیار، ماحولیاتی توازن اور پائیدار ترقی کے بنیادی اصولوں سے جڑا ہوا ہے۔ پروفیسر اجے تنیجا نے کہا کہ آج کے زمانے میں شہروں کی تیزی سے بڑھتی ہوئی آبادی، غیر منصوبہ بند تعمیرات اور صنعتی پھیلاؤ نے ماحولیاتی نظام کو غیر متوازن کر دیا ہے۔ یہ عدم توازن نہ صرف قدرتی وسائل کے زیاں کا سبب بن رہا ہے بلکہ انسانی صحت، سماجی انصاف اور اقتصادی استحکام پر بھی براہِ راست اثر انداز ہو رہا ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ رہائش کا سوال صرف مکانات کی تعمیر یا انفراسٹرکچر کے پھیلاؤ تک محدود نہیں ہے بلکہ اس کا تعلق انسانی وقار، صحت مند ماحول، سماجی مساوات اور پائیدار طرزِ زندگی سے ہے۔ جب تک ہم اپنے رہائشی ڈھانچے کو فطرت کے اصولوں کے مطابق نہیں ڈھالیں گے، تب تک شہری ترقی حقیقی معنوں میں ممکن نہیں ہو سکتی۔

اس سیمینار کے مہمان ذی وقار پروفیسر پی۔ بی۔ سنگھ نے اس اہم موضوع پر معنی خیز گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ رہائشی ماحول میں تبدیلی اور شہری بحران کے اثرات صرف تعمیرات یا انفراسٹرکچر تک محدود نہیں رہتے بلکہ یہ انسانی صحت، سماجی ڈھانچے، معاشی توازن اور قدرتی وسائل کے استعمال پر بھی گہرے اثرات مرتب کرتے ہیں۔ موجودہ وقت میں ہمیں ایسی پالیسیوں اور منصوبہ بندی کی ضرورت ہے جو انسان اور ماحول دونوں کے مابین توازن کو برقرار رکھ سکے۔ انھوں نے اس موقع پر طلبہ اور ریسرچ اسکالرز کو مشورہ دیا کہ وہ ماحولیاتی مسائل کو صرف نظریاتی طور پر نہیں بلکہ تحقیقی اور عملی نقطۂ نظر سے سمجھیں۔ ان کے مطابق، موجودہ دور میں تکنیکی جدت کو ماحولیاتی تحفظ کے ساتھ جوڑنا وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے۔ اس سیمینار میں کے انعقاد میں ڈاکٹر ایشے کرشنا، ڈاکٹر شاذیہ صدیقی، ڈاکٹر شیفالی چترجی اور وویک کے سنگھ نے اہم کردار ادا کیا۔ اس پروگرام کی نظامت ڈاکٹر ایشے کرشنا اور شکریہ کے کلمات ڈاکٹر شاذیہ علی نے ادا کیے۔ اس میں اساتذہ کے علاوہ فیکلٹی کے بھی شعبوں کے طلبہ موجود تھے۔

روزنامہ راشٹریہ سہارا

لینگویج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کی مشق

لکھنؤ (پریس ریلیز) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں آئندہ 14/اکتوبر کو منعقد ہونے والی دسویں تقریب تقسیم اسناد کی تیاریوں کے سلسلے میں ہفتہ کو ایک جامع ریہرسل کا انعقاد کیا گیا۔ اس ریہرسل کا مقصد تقریب کے تمام رسمی مراحل اور پروٹوکال کی مشق کے ذریعہ انتظامات کو حتمی شکل دینا تھا۔ یہ سلسلہ 12 و 13/اکتوبر کو بھی جاری رہے گا۔ ریہرسل کا آغاز روایتی شوبھا یاترا (علمی جلوس) سے ہوا جس کی قیادت یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار نے کی۔ ریہرسل میں اساتذہ، ریسرچ اسکالرس، تمغہ یافتہ طلبا اور یونیورسٹی کے مختلف شعبوں کے سربراہان نے شرکت کی۔ اس موقع پر مختلف اساتذہ نے مہمانوں کے کردار ادا کیے۔ پروفیسر چندنا ڈے ڈین فیکلٹی آف سوشل سائنسز وصدر شعبۂ تعلیم نے گورنر کے کردار میں شرکت کی۔ پروفیسر سید حیدر علی ڈین فیکلٹی آف کامرس و صدر شعبۂ بزنس ایڈمنسٹریشن نے مہمان خصوصی ومعروف فلمساز مظفر علی کا کردار ادا کیا۔ اسی طرح ڈاکٹر تطہیر فاطمہ ڈین فیکلٹی آف سائنس وصدر شعبۂ ہوم سائنس نے وزیر مملکت مسز رجنی تیواری کا کردار نبھایا جبکہ ڈاکٹر کوشلیش شاہ انچارج شعبۂ سول انجینئرنگ نے وزیر مملکت یوگندر اپادھیائے کے کردار کی مشق کی۔ ریہرسل کے دوران تقسیم اسناد، تمغوں کی پیشکش، مہمانوں کی نشست و برخاست اور پروٹوکال کے مختلف مراحل کا عملی مظاہرہ کیا گیا۔ تمام کارروائیوں کو مرحلہ وار انجام دے کر اس بات کو یقینی بنایا گیا کہ اصل تقریب کے دوران کسی قسم کی کمی یا دشواری کا سامنا نہ ہو۔ وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا ہر مرحلے کی نگرانی کر رہے تھے اور تمام انتظامات کا باریک بینی سے جائزہ لے رہے تھے۔ ریہرسل کے دوران پروفیسر مسعود عالم، پروفیسر تنویر خدیجہ، پروفیسر ثوبان سعید، ڈاکٹر راہل کمار مشرا، ڈاکٹر محمد اکمل، ڈاکٹر مرتضیٰ علی اطہر، ڈاکٹر شچیندر، ڈاکٹر کاظم رضوی، ڈاکٹر موسیٰ رضا اور اسسٹنٹ رجسٹرار محمد ساحل سمیت تمام اساتذہ وعملہ کے اراکین موجود تھے۔

ہمارا مقصد صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ طلبہ کو ہنر مند اور روزگار پر مبنی تعلیم فراہم کرنا ہے: پروفیسر اجے تنیجا

لکھنؤ، 04 اکتوبر 2025 (ت ن س)، خواجہ معین

الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی اور حیدرآباد کی معروف کمپنی لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے درمیان ایک مفاہمتی یادداشت (MoU) پر دستخط کیے گئے۔ اس معاہدے کو اعلیٰ تعلیم اور صنعت کے تقاضوں کے درمیان پل قائم کرنے کی سمت میں ایک سنگ میل قرار دیا جا رہا ہے۔ اس اشتراک کا مقصد طلبہ کو عالمی معیار کے مطابق مہارت، عملی تجربہ اور روزگار سے وابستہ مواقع فراہم کرنا ہے تاکہ وہ مستقبل کے چیلنجوں کا سامنا بہتر انداز میں کر سکیں۔ معاہدے کے تحت لائف ایکٹیوس طلبہ کو انٹرن شپ اور صنعتی تربیت، گرلز ڈیجیٹل لرننگ پروگرام، لیبارٹری سیٹ اپ اور انسٹرومنٹیشن سپورٹ، سیمینار اور ورکشاپس جیسے مواقع فراہم کرے گا۔ مزید برآں مشترکہ تحقیق اور تکنیکی تعاون کو بھی فروغ دیا جائے گا۔ یونیورسٹی کی جانب سے اس اشتراک کو تحقیق اور اختراع کے فروغ، ضروری سہولیات اور جگہ کی فراہمی، نیز صنعتوں کو ان کے تحقیقی و عملی منصوبوں کی تکمیل میں مدد کے طور پر استعمال کیا جائے گا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے مفاہمت نامے کو طلبہ کے لیے ایک انقلابی موقع قرار دیتے ہوئے کہا کہ ہمارا مقصد صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ طلبہ کو ہنر مند اور روزگار پر مبنی تعلیم فراہم کرنا ہے۔ لائف ایکٹیوس کے ساتھ شراکت داری طلبہ کو جدید ترین ٹیکنالوجی اور تحقیق سے جوڑ کر عملی و علمی تجربے کے درمیان کی خلیج کو پُر کرے گی۔ یہ قدم یونیورسٹی کو قومی سطح پر ایک نمایاں تحقیقی و اختراعی مرکز کے طور پر مستحکم کرے گا۔" لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے چیئرمین و منیجنگ ڈائریکٹر ڈاکٹر کیشو دیو نے بھی اس اشتراک پر مسرت کا اظہار کرتے ہوئے کہا کہ یہ تعاون علم اور مہارت کے تبادلے کو نئی سمت عطا کرے گا اور تعلیم کے میدان میں مثبت تبدیلیوں کی بنیاد رکھے گا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کی جانب سے مفاہمت نامے پر دستخط فنانس افسر مالیہ سنجیو گپتا نے کیے جبکہ شکریے کی رسم ایم او یو کے نوڈ آفیسر ڈاکٹر نیرج شکلا نے ادا کی۔ اس تقریب میں رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، ڈائریکٹر فیکلٹی آف فارمیسی پروفیسر شالنی ترپاٹھی اور شعبۂ فارمیسی کے دیگر اساتذہ و ارکان بھی موجود تھے۔ مفاہمت نامے کے کوآرڈینیٹر پروفیسر پی۔ ایم۔ ایس۔ چوہان (سابق چیف سائنٹسٹ) اور پروفیسر شالنی ترپاٹھی نے بھی اس تاریخی موقع پر اپنی موجودگی درج کرائی۔ یہ اشتراک بلاشبہ یونیورسٹی کے طلبہ کو قومی اور عالمی سطح پر نہ صرف تعلیم بلکہ عملی میدان میں بھی نمایاں بنانے میں مددگار ثابت ہوگا۔

दीक्षा समारोह में चमकी मेधा, छात्राओं को मिले 99 पदक

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षा समारोह में 127 मेधावियों को दिए गए 146 पदक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षा समारोह में 127 मेधावियों को 146 पदक दिए गए। इनमें 45 विद्यार्थियों को 63 स्वर्ण पदक, 41 को 42 रजत और 41 छात्र-छात्राओं को 41 कांस्य पदक मिले। सर्वाधिक 99 पदक छात्राओं और 47 पदक छात्रों को दिए गए। 1,393 डिग्रियां और 31 पीएचडी की उपाधियां भी दी गईं। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उपाधियों को डिजिलाकर पर अपलोड किया।

विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को आयोजित दीक्षा समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि फिल्मकार मुजफ्फर अली, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने मेधावियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चार शिक्षकों प्रो. सौबान सईद, डा. जावेद अली सिद्दीकी, डा. [illegible] मिश्र व डा. [illegible] को भी सम्मानित किया। पार्किंग, माइक्रोबायोलाजी, बायोटेक्नोलाजी, बाटनी व जूलाजी लैब, विश्वविद्यालय के लिए नए [illegible], एक लिफ्ट, टेनिस एवं बास्केटबाल कोर्ट का शिलान्यास भी किया। इस प्रकार डिजिटल पुस्तकालय, गणेश शंकर अग्रवाल [illegible], आर्ट गैलरी, म्यूजियम, पाणिनि भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र, अतिथि गृह, सिविल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग कार्यशाला, ग्रीन हाउस, हर्बल गार्डन, ओपन जिम आदि का लोकार्पण भी किया। इससे पहले कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने विश्वविद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

मंगलवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में मेधावियों के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, पद्मश्री फिल्मकार मुजफ्फर अली, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी और कुलपति प्रो. अजय तनेजा • जागरण

1,393 डिग्रियां और 31 पीएचडी की उपाधियां भी दी गईं, उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों का भी किया सम्मान

पदक विवरण

- 32.19 प्रतिशत छात्रों को मिले पदक
- 67.81 प्रतिशत छात्राओं को मिले पदक
- 146 कुल पदक
- 127 कुल विद्यार्थी (47 छात्र व 99 छात्राएं)

उपाधि

पाठ्यक्रम	छात्र	छात्रा	कुल
स्नातक	348	700	1048
परास्नातक	153	192	345
पीएचडी	11	20	31
कुल	512	912	1424

विद्यार्थी दो दिन पढ़ने न आएं तो उनके अभिभावक को करें सूचित : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दीक्षा समारोह में भी इस बात पर जोर दिया कि 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति हो तो किसी भी विद्यार्थी को परीक्षा में बैठने न दिया जाए। यदि कोई छात्र-छात्रा दो दिन से पढ़ने नहीं आ रहा तो उनके अभिभावक को फोन करके बताइए।

आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय प्रशासन से कहा कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) ए डबल प्लस ग्रेड पाने के लिए प्रयास कीजिए। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) के लिए आज से ही कोशिश करिए। उन्होंने समझौता ज्ञापन को गंभीरता से लेने का निर्देश देते हुए कहा कि मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) करना आसान होता है, लेकिन उसके अनुसार काम कीजिए। शोध कीजिए। उन्होंने पहले के समय में विश्वविद्यालयों की स्थिति पर भी प्रश्न उठाया। कहा, पहले विश्वविद्यालयों में ऐसी दशा थी कि दो हजार रुपये देने पर भी पीएचडी जमा था और डिग्री नहीं मिलती थी। अब डिजिलाकर पर डिग्री अपलोड की जा रही है। तकनीक का सहारा लीजिए। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआइ) के माध्यम का उपयोग नए विमर्श बनाने में करें, न कि किसी की फोटो खींच कर किसी को परेशान करने में। आप ऐसा काम न करें कि उसकी आपको सजा मिले। राज्यपाल ने कहा कि बेटियों को उनकी रुचि से आगे बढ़ाएं तो बहुत जल्दी आगे जाएंगी। आंगनबाड़ी में नौनिहालों को भेजने के प्रेरित किया। कहा, हम अब तक 50 हजार आंगनबाड़ी तक हम पहुंच चुके हैं। यह प्रयास जारी रहेगा।

शिक्षा को इस प्रदेश में कोई खतरा नहीं: मुख्य अतिथि फिल्मकार मुजफ्फर अली ने कहा कि शिक्षा को इस प्रदेश में कोई खतरा नहीं है। किसी को भी पढ़ना अधिक चाहिए, पढ़ाना कम। पढ़ाई के लिए दो चीजें जरूरी हैं- संतुलन और मानवता। जबान भी हमारे लिए बहुत जरूरी है, उसमें भी दिल की जबान। उन्होंने कहा कि आपकी सोच विकसित भारत का दृष्टिकोण है। हम कुछ नया कर सकते हैं, यह सोच रखें।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जिन्होंने आपके आज को संवारने के लिए अपने कल का हवन कर दिया, उनके लिए आपकी जिम्मेदारी है कि अपनी उपाधि की उपयोगिता को सिद्ध करें। आज उत्तर प्रदेश की स्थिति में बदलाव आया है। राज्यपाल के नेतृत्व में ए डबल प्लस ग्रेडिंग में यहां, ए प्लस व ए श्रेणी में दो-दो विश्वविद्यालय हैं। उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि आप आगे बढ़ें, लेकिन सकारात्मक सोच के साथ। आपकी सामाजिक जिम्मेदारी भी है।

"12वीं के बाद मेरा कालेज में प्रवेश नहीं हो पा रहा था। रिश्तेदार कहते थे क्या करोगी पढ़कर? लेकिन पापा इकराम सिद्दीकी ने मेरा साथ दिया। पदक के लिए चयन हुआ तो पापा ने सबको मिठाई खिलाई। जो पढ़ने पर आपत्ति कर रहे थे, वही तारीफ कर रहे। -रहमाना सिद्दीकी

मैंने लखनऊ पब्लिक कालेज, आशियाना से 12वीं तक पढ़ने के बाद भाषा विश्वविद्यालय से बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री ली। अभी आइआइटी कानपुर से एम.टेक कर रहा हूं। पढ़ाई पूरी कर अपनी फर्म खोलना है। -अपूर्व द्विवेदी

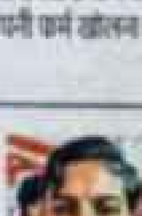

[illegible] से 12वीं पास करने के बाद भाषा विश्वविद्यालय से बी.एससी किया। मुझे तीन पदक के लिए चुना गया। मैंने अभी में एम.एससी माइक्रोबायोलाजी में प्रवेश लिया है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी शुरू कर दी है। - मनीष यादव

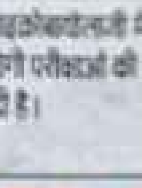

मेरे लिए पहली बार तीन पदक के लिए चयन होना बड़ी बात है। एमए उर्दू की डिग्री पूरी करके भाषा विश्वविद्यालय से पीजी डिप्लोमा इन ट्रांसलेशन (अरबी-इंग्लिश), एम.ए अरबी की पढ़ाई पूरी की। अब इसी विषय में शोध के साथ करियर बनाना है। -अतीबा अंजुम"

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ...... पायनियर ऑफ लखनऊ, लखनऊ ...... दिनांक ...... 11 OCT 2025

भाषा विवि आगामी सत्र में हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम करेगा शुरू

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर के मुक्ताकाश में किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के अवसर पर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ की मीडिया कमेटी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन प्रशासनिक भवन में किया गया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि भाषा विश्वविद्यालय अपने 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में 14 अक्टूबर को होना सुनिश्चित हुआ है। जिसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ साथ पद्मश्री मुजफ्फर अली, फिल्म निर्माता मुख्य अतिथि होंगे। इसी के साथ उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के साथ ही उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी रहेंगी। कुलपति ने बताया कि सत्र 2024-25 में कुल 146 पदक दिये जा रहे हैं। जिसमें पांच प्रायोजित पदक दिए जा रहे हैं। दीक्षांत समारोह में कुल 1424 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इस वर्ष विश्वविद्यालय में रिकॉर्ड 2440 विद्यार्थियों का एडमिशन लिया गया साथ ही व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में सभी सीटें पूर्ण भरी जा चुकी हैं। विवि सीमित संसाधनों में ही चल रहा है बावजूद इसके विश्वविद्यालय द्वारा 07 गांवों को गोद लिया गया है। जिसमें शासन द्वारा निर्देशित विभिन्न योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के साथ भाषा विश्वविद्यालय आगामी सत्र में हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना है। भाषा विवि के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में एम टेक पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना है। भाषा विवि लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से आसपास के गांवों में लोगों को निःशुल्क सलाह दी जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाषा विवि के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, डीन अकादमिक प्रो सौबान सईद, उप परीक्षा नियंत्रक डॉ आतिउर रहमान, डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी, डॉ. शचींद्र शेखर और डॉ. काज़िम रिज़वी, डॉ जफरुन नकी, डॉ मो नसीब, डॉ सायमा अलीम, मोहसिन हैदर के साथ सभी पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

...मदद भी दी जाएगी। (संवाद) ...बल्कि स्टार्टअप शुरू करने में

...में विश्वविद्यालय प्रशासन को संसाधन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। एमए करने के बाद अब अनिकेत का सपना शोध करना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

...मानित

एवं ...ने ...नित ...शर्मा,

भाषा विवि : सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल की होगी पढ़ाई

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) की भी पढ़ाई शुरू होगी। विश्वविद्यालय में मंगलवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में इस नए कोर्स को मंजूरी दी गई।

इस कोर्स के माध्यम से छात्रों को इमारतों, पुलों और बांधों जैसी संरचनाओं को सुरक्षित व टिकाऊ बनाने और उसकी सुंदर डिजाइनों के बारे में जानने व पढ़ने का मौका मिलेगा। इस पाठ्यक्रम में स्ट्रक्चरल एनालिसिस, एडवांस मटेरियल, अर्थक्वेक इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल और प्रैक्टिकल लैब जैसे विषय भी शामिल होंगे।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में इस बैठक में कुल 10 फैसले लिए गए। इसमें इस साल 14 अक्तूबर को दीक्षांत में देने के लिए तीन नए मेडल को मंजूरी दी गई है। नए मेडल में समाजशास्त्र स्नातक में डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक, इतिहास परास्नातक में राम पति देवी स्वर्ण पदक और विश्वविद्यालय की सभी भाषाओं में टॉपर्स के लिए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक का नाम शामिल है।

बैठक में पाठ्यक्रम को दी गई मंजूरी दीक्षांत में बढ़ाए गए तीन नए मेडल

इन कोर्सों में मिलेगा प्रशंसा प्रमाण पत्र

बैठक में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज के टॉपर्स को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन देने के लिए मंजूरी मिली है। कुलपति ने बताया कि सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन (प्रशंसा प्रमाणपत्र) किसी अतिथि के माध्यम से छात्रों को दिलाया जाएगा। भूगोल विभाग के अंतर्गत एक वर्षीय डिप्लोमा (स्ववित्तपोषित) पर सहमति दी गई। कॉमर्स विभाग के वैल्यू एडेड कोर्सेज भी शुरू होंगे।

- इस बार दीक्षांत समारोह में 31 शोधार्थियों को उपाधि दी जाएगी।
- विधि संकाय के डॉ. बीआर अंबेडकर मेमोरियल मूटकोर्ट हॉल का नामकरण किया गया।
- अरबी विभाग के विभागीय पुस्तकालय का नाम डॉ. अनीश अंसारी होगा।
- अवधी शोधपीठ के परामर्श समिति के गठन को भी अनुमोदित किया गया।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती विश्ववि० के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हुई शामिल

लखनऊ । ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के १०वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को विवि की एआई लैब में बनी श्रीराम की मूर्ति भेंट की गई। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति अजय तनेजा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, फिल्म निर्माता फैशन डिजाइनर मुजफ्फर अली भी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अनुमति के बाद हुई। कुलपति अजय तनेजा ने छात्र-छात्राओं को दीक्षा दी। उसके बाद राज्यपाल ने १४२४ स्टूडेंट्स की डिग्रियां डिजी लॉकर पर अपलोड की। समारोह में १४६ पदक में से १२७ पदक छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए। ४७ छात्र और ६६ छात्राओं को पदक दिए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया इस बार दो नए मेडल डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी शामिल किए गए है। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने स्टूडेंट्स से कहा आप सबके लिए कुछ मुश्किल नहीं है। आपने जो सपने देखे हो उन्हें पूरा करने के लिए खरा उतरिए। श्रीरामचरितमानस की चौपाई भी पढ़ी-कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं। रहमाना ने कहा जेआरएफ की तैयारी करनी है। उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पद मिले। वाइस चांसलर मेडल पाने वाले ६ मिश यादव ने कहा स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी-रसायन में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिले। पिता बृजकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहणी है। असिस्टेंट प्रोफेसर बनना है। अपूर्व द्विवेदी को तीन गोल्ड मेडल मिले। उन्होंने बताया- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और बीटेक में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। मुझे इंजीनियर बनना है। जीएटीई की क्लासेस रेगुलर चलेगी तो बहुत फायदा होगा। तनु प्रिया ने बताया स्नातक में सामाजिक विज्ञान और बीएड में पहला स्थान मिलने पर दो स्वर्ण पदक मिले। पिता बजूनाथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और मां सुभाषिनी गृहणी है। मुझे फ्यूचर में एकेडमिक में ही रहना है। मेरा लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। अदीबा अंजुम ने बताया एमए अरेबिक में गोल्ड मेडल मिला। हमारे प्रोफेसर बेस्ट हैं। मैं आगे अरेबिक में ही रिसर्च करना चाहती हूं। यूनिवर्सिटी में अभी तक लिफ्ट नहीं थी, जो अब हो गई है। साथ ही ट्रांसपोर्टेशन की भी अच्छी सुविधा हो गई है।

यूपी के हर जिले में गायों के लिए 'घर' बनाएगी योगी सरकार, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

में महिला स्वयं सहायता समूहों को भी

'AI का इस्तेमाल रिसर्च में करें, परेशान करने में नहीं'

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

आज तकनीक में हम आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके रचनात्मक उपयोग की जरूरत है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग हर जगह हो रहा है। शिक्षण संस्थानों में रिसर्च के क्षेत्र या पाठ्यक्रम निर्धारण में एआई का उपयोग करने की जरूरत है, लेकिन अक्सर इसका गलत इस्तेमाल करते हुए दूसरों को परेशान करने में हो रहा है जो गलत है। एआई से असाइनमेंट तैयार करना या शोध कॉपी करना ठीक नहीं है। आज विश्वविद्यालयों में आधे बच्चे भी क्लास में नहीं आ रहे हैं। जरूरत है शिक्षक उपस्थिति पर सख्त हो। अगर कोई छात्र दो दिन क्लास में न आए तो अभिभावकों को सूचना दी जाए। इससे शिक्षक व छात्र के बीच आया गैप भी कम होगा। यह बात राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने मंगलवार को भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कही।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 10 वां दीक्षांत समारोह में कुल 146 मेडल दिए गए। इसमें 63 गोल्ड, 42 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज शामिल रहे। बीए की छात्र रहमाना, बीएससी के धर्मेश यादव व बीटेक के अपूर्व द्विवेदी को सर्वाधिक 3-3 गोल्ड मेडल हासिल किए। इसके साथ ही कुल 1424 डिग्रियां दी गईं। समारोह में विद्यार्थियों की तरफ से टेक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें ड्रोन व कई अन्य मॉडल शामिल रहे। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली के साथ ही उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्यमंत्री रजनी तिवारी, कुलपति अजय तनेजा समेत अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलीं राज्यपाल | विद्यार्थियों को दिए गए 146 मेडल, 1424 को मिली डिग्री

दसवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि फिल्मकार मुजफ्फर अली ने स्टूडेंट्स का उत्साह बढ़ाया।

'शिक्षकों में भी अनुशासन जरूरी'

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि शिक्षकों में भी अनुशासन बेहद जरूरी है। पहले टीचर क्लास में नियमित आएं, लैब और शोध सब में उपस्थित रहें। विवि में 75 फीसदी उपस्थिति का नियम लागू किया गया है। इससे कम उपस्थिति पर विद्यार्थियों को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी। सबको सरकारी नौकरी नहीं दी जा सकती, लेकिन सरकारी सेवा में जाने लायक कम से कम दस विद्यार्थी तो तैयार ही कर सकते हैं। जब विद्यार्थी तरक्की करेगा तभी विवि भी आगे बढ़ेगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मेडल जीतने वाले विद्यार्थियों को समाज के सामने एक मॉडल बनना चाहिए।

डिग्री और मेडल मिलने से उत्साहित मेधावियों ने फोटो खिंचवाकर यादों को सहेजा।

'जोड़ने का काम करती है भाषा'

मुख्य अतिथि फिल्मकार मुजफ्फर अली ने दीक्षांत भाषण में कहा पढ़ाई के लिए दो चीजें अहम हैं, संतुलन और मानवता। इनके बिना पढ़ाई बेकार है। भाषा एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति और एक सभ्यता को दूसरी सभ्यता से जोड़ने का काम करती है। दूसरे देशों से अगर हमें जुड़ना तो वहां भाषा सीखना पहली शर्त है। हमें हर शख्स में कुछ न कुछ दिखाई देता है। हम उनकी विशेषता को उभरना आना चाहिए। हम फनकार हैं और आज भी सिखाने से ज्यादा सीख रहे हैं। हर किसी को सीखते रहना चाहिए तभी वह आगे बढ़ सकता है।

उर्दू से बीए किया है और वर्तमान में एमए कर रही हूं। मेरा उद्देश्य है कि उर्दू को जन-जन तक पहुंचाना है। कारण उर्दू अब लोगों से दूर हो रही है। अकेडमिक्स में जाना चाहती हूं।

रहमाना, तीन गोल्ड मेडल

केमिस्ट्री से बीएससी के बाद अब माइक्रोबायोलॉजी में पीजी कर रहा हूं। मेरे पिता ब्रिज यादव पेशे से किसान हैं लेकिन उन्होंने हमेशा मुझे पढ़ाई के करने के लिए प्रेरित किया।

धर्मेश यादव, तीन गोल्ड मेडल

आईआईटी धनबाद से एमटेक कर रहा हूं और भारत में ड्राइवर लेस वीकल की शुरुआत करना चाहता हूं। देश में फिलहाल इस दिशा में ज्यादा काम नहीं हो रहा है।

अपूर्व द्विवेदी, तीन गोल्ड मेडल

बीएड के बाद एमएड कर रही हूं। आगे चलकर शिक्षा के क्षेत्र में काम करना चाहती हूं ताकि एजुकेशन हर किसी तक पहुंचा सकूं। ऐसी मैथड इजाद करना चाहती हूं, जिससे पढ़ाई आसान हो सके।

तनु प्रिया, दो गोल्ड मेडल

बीकॉम के बाद एमबीए की तैयारी कर रही हूं। मेरा लक्ष्य आईआईएम में दाखिला लेना है। मैनेजमेंट में भी हमेशा से रुचि रही है और इसी क्षेत्र में करियर बनाना चाहती हूं।

रुबाब सिद्दीकी, एक गोल्ड सिल्वर

मैं एक शिक्षक के तौर पर काम कर रहा हूं। पढ़ाई को आज रोजगार व तकनीक से जोड़ने की जरूरत है। क्लासरूम टीचिंग के अलावा स्टूडेंट्स को प्रैक्टिकल नॉलेज देने की जरूरत है।

डॉ नीरज सिंह, पीएचडी, अवॉर्डी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमर उजाला लखनऊ दिनांक 07 OCT 2025

भाषा विवि : अब 33% अंक पर होंगे पास

आंतरिक और बाह्य अंकों को जोड़कर होगी गणना, परीक्षा समिति की बैठक में निर्णय

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के स्नातक और परास्नातक छात्रों के लिए राहत भरी खबर है। विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की दसवीं बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अब एलीमेंट्री विषयों में आंतरिक और बाह्य अंकों को मिलाकर यदि कुल 33 प्रतिशत अंक प्राप्त होते हैं, तो विद्यार्थी को पास माना जाएगा।

यह निर्णय कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में सोमवार को हुई परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया। अब तक छात्रों को लिखित और प्रायोगिक परीक्षा दोनों में अलग-अलग (33-33%) पास होना अनिवार्य था। नई व्यवस्था के बाद किसी एक भाग में अंक कम और दूसरे में अधिक होने पर उन्हें जोड़कर कुल मूल्यांकन किया जाएगा। इससे छात्रों को परीक्षा में पास होने में आसानी होगी।

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय में पहले से यह व्यवस्था लागू है, जिसके बाद वहां पास प्रतिशत में वृद्धि दर्ज की गई थी। अब भाषा विश्वविद्यालय में भी इस फैसले से छात्रों को राहत मिलने की उम्मीद है। समिति ने यह भी तय किया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 से परीक्षा प्रणाली में सुधार किए जाएंगे, ताकि विद्यार्थियों को निष्पक्ष अवसर मिल सके।

परीक्षा समिति की बैठक में कुलपति प्रो. अजय तनेजा। स्रोत : विवि

सत्र 2025-26 से परीक्षा प्रणाली में किए जाएंगे सुधार

मूल्यांकन दरें बढ़ाने पर बनेगी उप-समिति : बैठक में चुनौती मूल्यांकन की दरों में बढ़ोतरी पर भी चर्चा हुई। विशेषज्ञों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए न्यूनतम दर तय करने हेतु एक उप-समिति गठित करने का निर्णय हुआ। यह समिति अध्ययन और समीक्षा के बाद वित्त समिति को रिपोर्ट देगी।

दीक्षांत समारोह की तैयारियां पूरी, अतिथि तय नहीं

बैठक में आगामी दसवें दीक्षांत समारोह की तैयारियों की समीक्षा भी की गई। इसमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों की अंतिम सूची पर सहमति बनी। एंडोमेंट कमेटी से चयनित 144 पदकों को भी समारोह में शामिल किया जाएगा। हालांकि मुख्य अतिथि का चयन अभी नहीं हुआ है।

समर्थ पोर्टल से ऑनलाइन होंगे परीक्षा फॉर्म

डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय ने निर्णय लिया कि आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षा के फॉर्म अब समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इससे परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुव्यवस्थित होगी।

भाषा विश्वविद्यालय : दीक्षा समारोह में 1423 विद्यार्थियों को मिलेंगी डिग्री

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर को होने वाले 10वें दीक्षा समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस बार समारोह में सत्र 2024-25 के 1423 छात्र-छात्राओं को डिग्रियां दी जाएंगी। इनमें 31 पीएच.डी भी शामिल हैं।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी में 171, प्रथम श्रेणी के 901, द्वितीय श्रेणी के 318 व तृतीय श्रेणी के दो विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएंगी। समारोह के मुख्य अतिथि के नाम पर मुहर नौ अक्टूबर को होने वाली कार्य परिषद की बैठक में लगेगी। दीक्षा समारोह में कुल 144 पदक दिए जाएंगे। इनमें सर्वाधिक 97 पदक (67 प्रतिशत) छात्राओं को दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर को होने वाले 10वें दीक्षा समारोह में 144 में से सर्वाधिक 97 पदक छात्राओं को मिलेंगे

इनमें 44 स्वर्ण, 27 रजत व 26 कांस्य पदक शामिल हैं। वहीं, छात्रों के खाते में 47 पदक (32.6 प्रतिशत) छात्रों को मिलेंगे। इनमें 17 स्वर्ण, 15 रजत व 15 कांस्य पदक हैं। बी.ए उर्दू की छात्रा रहमाना सिद्दीकी को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक सहित तीन स्वर्ण, बी.एससी केमिस्ट्री के छात्र धर्मेश यादव को चांसलर स्वर्ण सहित तीन स्वर्ण, बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग के अपूर्व द्विवेदी को वाइस चांसलर स्वर्ण पदक सहित तीन स्वर्ण और एम.ए अरेबिक की छात्रा अदीबा अंजुम को सर्वाधिक तीन स्वर्ण पदक दिए जाएंगे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम: दै० राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ दिनांक: 01 OCT 2025

भाषा विवि का 10वां दीक्षांत समारोह 14 को

राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में पद्मश्री मुजफ्फर अली होंगे मुख्य अतिथि

समारोह में 1,424 डिग्रियां और 127 छात्रों को बांटे जाएंगे 146 पदक

लखनऊ (एसएनबी)। हरदोई रोड स्थित भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 14 को विश्वविद्यालय परिसर के मुक्ताकाश मंच पर आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह के अवसर पर भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया कि भाषा विश्वविद्यालय अपने 10वें दीक्षांत समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में 14 अक्टूबर को करेगा। जिसमें कुलाधिपति/ राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदी बेन पटेल के साथ स्वयं फिल्म निर्माता पद्मश्री मुजफ्फर अली मुख्य अतिथि होंगे। इसी के साथ उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के साथ ही उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी रहेंगी।

कुलपति ने बताया कि सत्र 2024- 25 में कुल 146 पदक 127 छात्रों को दिये जा रहे हैं। जिसमें 05 प्रायोजित पदक दिए जा रहे हैं। दीक्षांत समारोह में कुल 1424 डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इस वर्ष विश्वविद्यालय में रिकॉर्ड 2,440 विद्यार्थियों का एडमिशन लिया गया, साथ ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में सभी सीटें पूर्ण भरी जा चुकी हैं। विवि सीमित संसाधनों में ही चल रहा है बावजूद इसके विश्वविद्यालय द्वारा 07 गांवों को गोद लिया गया है। इसी के साथ भाषा विश्वविद्यालय आगामी सत्र में हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की योजना है। भाषा विवि के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में एम.टेक पाठ्यक्रम आरंभ करने की योजना है। भाषा विवि लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से आसपास के गांवों में लोगों को निःशुल्क सलाह दी जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाषा विवि के कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी मौजूद रहीं।

भाषा विश्वविद्यालय : 16 अक्टूबर से भरे जाएंगे आनलाइन परीक्षा फार्म

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षाएं एक दिसंबर से कराने की तैयारी है। इसके लिए आनलाइन परीक्षा फार्म भरने की प्रक्रिया 16 से 30 अक्टूबर तक चलेगी। परीक्षा नियंत्रक विकास ने वेबसाइट पर निर्देश जारी किए है।

उन्होंने बताया कि तीसरे, पांचवें और सातवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को अपना पंजीकरण एवं सेमेस्टर शुल्क जमा करने के लिए बिना लेट फीस के सात सितंबर तक समय दिया गया था। अब विलंब शुल्क दो हजार रुपये के साथ सेमेस्टर शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है।

परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि अभी तक करीअ 400 छात्र-छात्राओं ने शुल्क नहीं जमा किया है, उन्हें अंतिम तिथि समाप्त होने तक अनिवार्य रूप से इसे जमा करना होगा। यदि कोई भी विद्यार्थी ऐसा नहीं करता है तो उसका परीक्षा फार्म भरवाया जाना संभव नहीं होगा। इसके लिए सभी विभागों को भी पत्र जारी कर व्यक्तिगत रूप से छात्र-छात्राओं से संपर्क करने के लिए कहा गया है।

پروفیسر ثوبان سعید لینگویج یونیورسٹی کے شعبہ اردو کے صدر مقرر

لکھنؤ (پریس نوٹ): خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں شعبہ اردو کے پروفیسر ثوبان سعید کو باضابطہ طور پر شعبہ اردو کا صدر مقرر کر دیا گیا ہے۔ اس سے قبل پروفیسر فخر عالم اس منصب پر فائز تھے، انہوں نے صدر شعبہ کی حیثیت سے نہ صرف اپنی بہترین خدمات انجام دیں بلکہ شعبے کے وقار اور علمی سرگرمیوں میں نمایاں اضافہ کیا۔ یونیورسٹی انتظامیہ کی جانب سے جاری نوٹیفکیشن کے مطابق یہ تقرری تین برس یا اگلے حکم تک نافذ العمل رہے گی۔ اس فیصلے کو جامعہ کے علمی و انتظامی حلقوں میں نہایت خوش آئند قرار دیا جا رہا ہے۔ پروفیسر ثوبان سعید اس سے قبل بھی یونیورسٹی میں متعدد کلیدی عہدوں پر خدمات انجام دے رہے ہیں۔ وہ ڈین اکیڈمک، ڈین فیکلٹی آف آرٹس اینڈ ہیومنیٹیز، آئی کیو اے سی (Internal Quality AssuranceCell) کے ڈائریکٹر اور ایڈمیشن انچارج کی حیثیت سے اپنی انتظامی صلاحیتوں کا مظاہرہ کر چکے ہیں۔ ان کے پاس تدریس اور تحقیق کے ساتھ ساتھ اعلیٰ سطحی انتظامی معاملات کا بھی وسیع تجربہ موجود ہے جس کی بنیاد پر انہیں ایک ہمہ جہت منتظم اور ماہر تعلیم تسلیم کیا جاتا ہے۔ پروفیسر ثوبان سعید کا شمار جامعہ کے ان کہنہ مشق اور فعال اساتذہ میں ہوتا ہے جنہوں نے نہ صرف اردو زبان و ادب کی تدریس و تحقیق میں نمایاں خدمات انجام دی ہیں بلکہ یونیورسٹی کی پالیسی سازی، معیاری تعلیم کے فروغ اور داخلے کے نظام کو بہتر بنانے میں بھی اہم کردار ادا کیا ہے۔ ان کی قیادت میں شعبہ اردو سے یہ توقع کی جا رہی ہے کہ تحقیقی سرگرمیوں میں وسعت، تدریسی معیار میں مزید بہتری اور طلبہ کو علمی و فکری اعتبار سے زیادہ سازگار ماحول فراہم کیا جائے گا۔ یونیورسٹی انتظامیہ اور اساتذہ برادری کا ماننا ہے کہ پروفیسر ثوبان سعید کی یہ تقرری ادارے کی تعلیمی ترقی، انتظامی ڈھانچے کی مضبوطی اور مجموعی وقار میں اضافے کا باعث ثابت ہوگی۔

समाचार पत्र का नाम दै० वॉयस ऑफ लखनऊ, लखनऊ दिनांक 07 OCT 2025

विवि के समर्थ पोर्टल से भरे जायेंगे विषम सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की 10वीं बैठक सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने की। बैठक के शुरुआत में परीक्षा नियंत्रक विकास ने सभी अतिथियों, सदस्यों एवं संकाय

- भाषा विवि में परीक्षा समिति की 10वीं बैठक सम्पन्न

प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्होंने परीक्षा प्रणाली को और अधिक छात्र हितकारी बनाने के लिए किये जा रहे प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कुलपति प्रो. तनेजा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि परीक्षा प्रक्रिया किसी भी विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता की रीढ़ होती है। अतः आवश्यक है कि मूल्यांकन, पारदर्शिता और निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में चुनौती मूल्यांकन की दरों के पुनर्निर्धारण पर विशेष चर्चा हुई। यह तय किया गया कि बाह्य विशेषज्ञों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए न्यूनतम दरों के निर्धारण के लिए एक उप-समिति गठित की जाएगी, जो आवश्यक अध्ययन एवं समीक्षा के बाद विश्वविद्यालय की वित्त समिति को अपनी अनुशंसाएं प्रस्तुत करेगी।

इसी प्रकार, मॉडरेशन कार्य से संबंधित पारिश्रमिक की दरों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इसके लिए एक अलग समिति का गठन किया गया है, जो सभी प्रासंगिक बिंदुओं का विश्लेषण कर दरों का प्रस्ताव तैयार करेगी। बैठक में बताया गया कि विश्वविद्यालय के दसम दीक्षांत समारोह में दिये जाने वाले स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों की अंतिम सूची तैयार की जा चुकी है। साथ ही एडॉमेंट कमेटी द्वारा वर्ष 2025 के लिए चयनित 144 पदकों को इस समारोह में शामिल किये जाने पर भी सहमति बनी। विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए समिति ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया कि सप्लीमेंट्री विषयों में आंतरिक एवं बाह्य अंकों को जोड़कर कुल 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उत्तीर्ण घोषित किया जाएगा। यह निर्णय विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से पारित किया गया।

बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया कि इस वर्ष से दीक्षांत उपाधियों पर संबंधित संकाय का नाम भी अंकित किया जाएगा, जिससे उपाधियों की अकादमिक पहचान और अधिक स्पष्ट हो सके। डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए समिति ने यह भी अनुशंसा की कि आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जायेंगे। इस पहल से परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, कुशल और ई-गवर्नेंस आधारित बनाया जा सकेगा। बैठक में परीक्षा से संबंधित विभिन्न प्रकरणों जैसे पुन: परीक्षा, एन +2 नियम के अंतर्गत आवेदन, तथा छात्र-छात्राओं की विशेष अपीलों पर भी विस्तार से विचार किया गया। सभी प्रस्तावों पर नियमों के अनुरूप निर्णय लिए गए और आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान की गईं। इस अवसर पर वित्त अधिकारी संजीव गुप्ता, रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार, डीन अकादमिक्स प्रो. सौबान सईद, सभी संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, परीक्षा समिति के सदस्यगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

amarujala.com/lucknow
लखनऊ | शनिवार • 04.10.2025
my city
अमर उजाला
7

भाषा विवि के विद्यार्थी सम्मानित

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत परास्नातक विधि के छात्र अमन कुमार त्रिपाठी ने वाद-विवाद प्रतियोगिता में नौ विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेहंदी प्रतियोगिता में परास्नातक उर्दू की छात्रा मेहविश ने पहला स्थान और विधि स्नातक की छात्रा प्रतिभा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन विद्यार्थियों को राज्यपाल ने दो अक्तूबर को सम्मानित किया। (संवाद)

ये चराग़ जैसे लम्हे कहीं राएगाँ न जाएँ।
कोई ख़्वाब देख डालो कोई इंक़िलाब लाओ।
शेर के साथ अपना भाषण समाप्त किया।

भाषा विश्वविद्यालय : 10वें दीक्षांत समारोह

146 पदक छात्र-छात्राओं को मिले, दिखी उत्साह

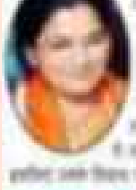

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमर उजाला लखनऊ दिनांक 11 OCT 2025

रहमाना, धर्मेश और अपूर्व के खाते में तीन-तीन स्वर्ण पदक

भाषा विश्वविद्यालय में 14 को 10वें दीक्षांत समारोह में दिए जाएंगे 146 पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 14 अक्तूबर को आयोजित होगा। इस बार कुल 146 पदकों में 99 छात्राओं और 47 पदक छात्रों के खाते में आएंगे।

रहमाना, धर्मेश यादव और अपूर्व द्विवेदी को तीन-तीन स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। इसके अलावा तनु प्रिया को दो स्वर्ण पदक मिलेंगे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि दो नए मेडल डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी शामिल किए गए हैं।

समारोह में कुल 1424 डिग्रियां दी जाएंगी। आगामी सत्र में हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ भाषा विज्ञान की स्थापना की जाएगी।

उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पद मिलेंगे। मेरे पिता इश्तियाक सिद्दीकी फैशन डिजाइनर और मां सुमैया गृहिणी हैं। मेरा सपना है जिस विश्वविद्यालय में पढ़ रही हूं, वहीं प्रोफेसर बनूं। - रहमाना

स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी-रसायन में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। पिता कृष्णकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहिणी हैं। असिस्टेंट प्रोफेसर बनना है। - धर्मेश यादव

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और बीटेक में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा हूं। मुझे इंजीनियर बनना है। पिता हरिकेश द्विवेदी शिक्षक और मां सरोज द्विवेदी गृहिणी हैं। - अपूर्व द्विवेदी

स्नातक में सामाजिक विज्ञान, बीएड में पहला स्थान मिलने पर दो स्वर्ण पदक मिलेंगे। पिता बजुनाथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और मां सुभाषिनी गृहिणी हैं। मेरा लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। - तनु प्रिया

वैश्विक मानकों के अनुरूप कुशल होंगे विद्यार्थी

लखनऊ। उच्च शिक्षा और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच सेतु स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय और लाइफएंटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल, अनुभव और अवसर प्रदान कर उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

इस सहयोग के तहत लाइफएंटिक्स छात्रों के लिए इंटर्नशिप एवं साकारिता के अवसर, सर्व डिजिटल लर्निंग एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, प्रयोगशाला सेटअप व इंस्ट्रूमेंटेशन सपोर्ट, तथा सेमिनार एवं कार्यशालाओं की सुविधा उपलब्ध कराएगा। साथ ही, यह सहयोग सहयोगात्मक अनुसंधान और तकनीकी सहायता को भी प्रोत्साहित करेगा। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देगा, आवश्यक स्थान उपलब्ध कराएगा तथा उद्योगों को उनकी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में सहयोग करेगा। इस अवसर पर विवि के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इस एमओयू को मील का पत्थर बताते हुए कहा यह समझौता हमारे छात्रों के लिए सीधे उद्योग से जुड़ने का स्वर्ण अवसर है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार-उन्मुख बनाना है।

क्रिएटिव दर्पण
लखनऊ बुधवार १५ अक्टूबर २०२५

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती विश्ववि० के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल हुई शामिल

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के 10वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को विवि की एआई लैब में बनी श्रीराम की मूर्ति भेंट की गई। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति अजय तनेजा, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी, फिल्म निर्माता फैशन डिजाइनर मुजफ्फर अली भी शामिल हुए। दीक्षांत समारोह की शुरुआत कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अनुमति के बाद हुई। कुलपति अजय तनेजा ने छात्र-छात्राओं को दीक्षा दी। उसके बाद राज्यपाल ने १४२४ स्टूडेंट्स की डिग्रियां डिजी ल कर पर अपलोड की। समारोह में १४६ पदक में से १२७ पदक छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए। ४७ छात्र और ६६ छात्राओं को पदक दिए गए। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने बताया इस बार दो नए मेडल डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी शामिल किए गए हैं। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने स्टूडेंट्स से कहा आप सबके लिए कुछ मुश्किल नहीं है। आपने जो सपने देखे हो उन्हें पूरा करने के लिए खरा उतरिए। श्रीरामचरितमानस की चौपाई भी पढ़ी-कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं। रहमाना ने कहा जेआरएफ की तैयारी करनी है। उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पद मिले। वाइस चांसलर मेडल पाने वाले ६ |मेश यादव ने कहा स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी-रसायन में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिले। पिता बृजकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहणी है। असिस्टेंट प्रोफेसर बनना है। अपूर्व द्विवेदी को तीन गोल्ड मेडल मिले। उन्होंने बताया- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और बीटेक में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। मुझे इंजीनियर बनना है। जीएटीई की क्लासेस रेगुलर चलेगी तो बहुत फायदा होगा। तनु प्रिया ने बताया स्नातक में सामाजिक विज्ञान और बीएड में पहला स्थान मिलने पर दो स्वर्ण पदक मिले। पिता बजूनाथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और मां सुभाषिनी गृहणी हैं। मुझे फ्यूचर में एकेडमिक में ही रहना है। मेरा लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। अदीबा अंजुम ने बताया एमए अरेबिक में गोल्ड मेडल मिला। हमारे प्रोफेसर बेस्ट हैं। मैं आगे अरेबिक में ही रिसर्च करना चाहती हूं। यूनिवर्सिटी में अभी तक लिफ्ट नहीं थी, जो अब हो गई है। साथ ही ट्रांसपोर्टेशन की भी अच्छी सुविधा हो गई है।

यूपी के हर जिले में गायों के लिए 'घर' बनाएगी योगी सरकार, पर्यटन और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

समाचार पत्र का नाम दै0 दैनिक जागरण, लखनऊ दिनांक 07 OCT 2025

केएमसीएलयू के विद्यार्थी प्रारंभिक विषयों में 33% पाकर होंगे उत्तीर्ण

- परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया यह निर्णय
- अब उपाधियों पर होगा संबंधित संकाय का नाम भी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब प्रारंभिक (एलीमेंट्री) विषयों में आंतरिक एवं बाह्य अंकों को जोड़कर कुल 33 प्रतिशत अंक पाने वाले विद्यार्थियों को पास घोषित किया जाएगा। यह निर्णय विश्वविद्यालय परीक्षा समिति की दसवीं बैठक में सोमवार को विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में यह भी प्रस्ताव स्वीकृत किया गया कि इस वर्ष से दीक्षा उपाधियों पर संबंधित संकाय का नाम भी अंकित किया जाएगा, जिससे उपाधियों की अकादमिक पहचान और अधिक स्पष्ट हो सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. तनेजा की अध्यक्षता में हुई बैठक में डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए समिति ने यह भी अनुशंसा की गई कि आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षा फार्म विश्वविद्यालय के समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरे जाएंगे। इस पहल से परीक्षा प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, कुशल और ई-गवर्नेंस आधारित बनाया जा सकेगा। पुनः परीक्षा, छात्र-छात्राओं की विशेष अपीलों पर भी विस्तार से विचार किया गया। सभी प्रस्तावों पर नियमों के अनुरूप निर्णय लिए गए और आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में प्रदान किए जाने वाले स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों की अंतिम सूची तैयार की जा चुकी है। एंडोमेंट कमेटी द्वारा घोषित 144 पदकों को इस समारोह में शामिल किए जाने पर भी सहमति बनी। बैठक में रजिस्ट्रार डा. महेश कुमार, परीक्षा नियंत्रक विकास, वित्त अधिकारी संजीव गुप्ता, डीन अकादमिक्स प्रो. सौबान सईद उपस्थित रहे।

मूल्यांकन की दरों को तय करेगी उप-समिति : मूल्यांकन की दरों के पुनर्निर्धारण पर विशेष चर्चा की गई। तय किया गया कि बाहरी विशेषज्ञों द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की न्यूनतम दरों के निर्धारण के लिए एक उप-समिति गठित की जाएगी, जो आवश्यक अध्ययन एवं समीक्षा के बाद विश्वविद्यालय की वित्त समिति को अपनी अनुशंसा प्रस्तुत करेगी। माडरेशन से संबंधित पारिश्रमिक की दरों पर भी विचार किया गया। इसके लिए एक अलग समिति का गठन किया गया है, जो सभी प्रासंगिक बिंदुओं का विश्लेषण कर दरों का प्रस्ताव तैयार करेगी।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ
Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow
(Uttar Pradesh State Government University)

दशम दीक्षान्त समारोह–2025
विद्यार्थियों का विवरण
(REVISED)

		कुल महिला	प्रतिशत	कुल पुरूष	प्रतिशत	कुल योग
सत्र 2024–25 में कुल पंजीकृत विद्यार्थी		1627	34.29	3118	65.71	4745
सत्र 2024–25 की परीक्षा में कुल सम्मिलित विद्यार्थी		1505	34.20	2896	65.80	4401
सत्र 2024–25 की परीक्षा में अंतिम वर्ष के सम्मिलित विद्यार्थी		514	35.67	927	64.33	1441
सत्र 2024–25 की परीक्षा में अंतिम वर्ष के उत्तीर्ण विद्यार्थी		501	35.97	892	64.03	1393
पास प्रतिशत		**97.47**		**96.22**		**96.67**
श्रेणी	विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी	60	35.09	111	64.91	171
	प्रथम श्रेणी	362	40.13	540	59.87	902
	द्वितीय श्रेणी	79	24.84	239	75.16	318
	तृतीय श्रेणी			2	100.00	2
	कुल उपाधियां	501	**35.97**	892	**64.03**	**1393**

		कुल महिला	प्रतिशत	कुल पुरूष	प्रतिशत	कुल योग
पदक	स्वर्ण	46	73.02	17	26.98	63
	रजत	27	64.29	15	35.71	42
	कांस्य	26	63.41	15	36.59	41
	कुल पदक	99	**67.81**	47	**32.19**	**146**

Deputy Controller of Examination
Khwaja Moinuddin Chishti
Language University, Lucknow

.10.2025
(VIKAS)
Controller of Examination
K.M.C. Language University
Lucknow

लखनऊ, 6 अक्टूबर, 2025 दैनिक जागरण III

भाषा विश्वविद्यालय में सम्मेलन के लिए ब्रोशर जारी

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय की ओर से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 17 से 19 अक्टूबर तक होगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी विषय पर होने वाले सम्मेलन के लिए फ्लायर एवं ब्रोशर का विमोचन किया। इस सम्मेलन का उद्देश्य फार्मेसी के क्षेत्र में नवीनतम अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इसमें भारत सहित फ्रांस, अमेरिका, आस्ट्रेलिया सहित कई देशों के प्रमुख विज्ञानी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और शोधकर्ता शामिल होंगे। वि.

भाषा विवि में अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन की बैठक संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन की एक महत्वपूर्ण बैठक कुलपति प्रो अजय तनेजा के सरंक्षण में आयोजित की गई। अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन का यह कार्यक्रम Rafts and Rivers LLP तथा खुवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस बैठक में विश्वविद्यालय के 5 आंतरिक इनक्यूबीटीज़ के साथ-साथ विभिन्न बाहरी इनक्यूबीटी संस्थानों एग्रोवर्स टेकसोल फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लांटनेस्ट टेक प्राइवेट लिमिटेड, कृष आदि फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, चंद्र भूषण फूड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, डैशकोर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड, एक्यूटी नियोकेयर प्राइवेट लिमिटेड, हाइपर हाइव ग्लोबल इनसाइट्स प्राइवेट लिमिटेड, ब्योल अकादमी और मेमोरिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने भाग लिया। इस अवसर पर Rafts and Rivers LLP के प्रतिनिधि श्री नृपेन भट्ट ने छात्रों एवं इनक्यूबीटीज़ को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार नवीन विचारों को व्यवहारिक रूप में परिवर्तित कर एक सफल स्टार्टअप मॉडल विकसित किया जा सकता है। उन्होंने सशक्त बिजनेस मॉडल तैयार करने के लिए आवश्यक पहलुओं पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने विचारों को आकार देने हेतु Rafts and Rivers LLP से मार्गदर्शन लें और विश्वविद्यालय की ओर से अपनी शुभकामनाएँ भी प्रेषित कीं। यह बैठक विश्वविद्यालय में उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

विद्यार्थियों को बताए स्टार्टअप विकसित करने के तरीके

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में बुधवार को कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में अवध इनक्यूबेशन फाउंडेशन की बैठक हुई। इसमें विश्वविद्यालय के पांच आंतरिक इनक्यूबीटीज के साथ-साथ बाहर से एग्रोवर्स टेकसोल फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लांटनेस्ट टेक प्राइवेट लिमिटेड आदि ने भाग लिया। राफ्ट्स एंड रिवर्स एलएलपी के प्रतिनिधि नृपेन भट्ट ने छात्रों को बताया कि किस प्रकार नवीन विचारों को व्यवहारिक रूप में परिवर्तित कर एक सफल स्टार्टअप माडल विकसित किया जा सकता है। वि.

लखनऊ
शनिवार
4 अक्तूबर 2025
04

हिन्दुस्तान
www.livehindustan.com

शहर 30s

एलयू, भाषा विवि के छात्र पुरस्कृत

लखनऊ। राजभवन में सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित क्विज, मेहंदी और पेंटिंग प्रतियोगिता में लखनऊ विश्वविद्यालय और केएमसी भाषा विवि के छात्रों ने परचम लहराया। एलयू में बीए पंचम सेमेस्टर के छात्र वासुदेवांश श्रीवास्तव व वंशादित्य प्रताप सिंह की टीम को क्विज में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसी तरह पेंटिंग प्रतियोगिता में एलयू की सुमन कुमारी सम्मानित हुईं।

भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत में मेधावी चमके, मेधा को मिला मान

केएमसी में बांटी गईं 1426 डिग्री, पदक पाकर खिले चेहरे

ये विरासत जैसे लम्हे यूं ही रायगां न जाएं: मुजफ्फर अली

512 | 912

2025 में 1424 डिग्रियां डिजिलॉकर पर अपलोड कीं

पहले लक्ष्मणपुरी था लखनऊ : योगेंद्र

10 | 99

इन कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

मेधावी बोले

लखनऊ, 5 अक्टूबर, 2025 दैनिक जागरण

भाषा विश्वविद्यालय और लाइफ एक्टिवस के बीच एमओयू

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के दौरान मौजूद लोग • विश्वविद्यालय

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ और लाइफ एक्टिवस प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के बीच शनिवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुआ। विश्वविद्यालय की ओर से एमओयू पर वित्त अधिकारी से संजीव गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू के अंतर्गत लाइफ एक्टिवस छात्रों के लिए इंटर्नशिप एवं सहकारिता के अवसर, गर्ल्स डिजिटल लर्निंग एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, प्रयोगशाला सेटअप व इंस्टुमेंटेशन सपोर्ट तथा सेमिनार एवं कार्यशालाओं की सुविधा उपलब्ध कराएगा। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देगा, आवश्यक स्थान उपलब्ध कराएगा तथा उद्योगों को उनकी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में सहयोग करेगा। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि यह एमओयू विद्यार्थियों के लिए सीधे उद्योग से जुड़ने का स्वर्ण अवसर है। हमारा उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें रोजगार-उन्मुख बनाना है। लाइफ एक्टिवस प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डा. केशव देव ने कहा कि यह कदम ज्ञान और कौशल के आदान-प्रदान को नई गति देगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ......दै० अमर उजाला लखनऊ......... दिनांक ......1 1 OCT 2025

रहमाना, धर्मेश और अपूर्व के खाते में तीन-तीन स्वर्ण पदक

भाषा विश्वविद्यालय में 14 को 10वें दीक्षांत समारोह में दिए जाएंगे 146 पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 14 अक्तूबर को आयोजित होगा। इस बार कुल 146 पदकों में 99 छात्राओं और 47 पदक छात्रों के खाते में आएंगे।

रहमाना, धर्मेश यादव और अपूर्व द्विवेदी को तीन-तीन स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। इसके अलावा तनु प्रिया को दो स्वर्ण पदक मिलेंगे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि दो नए मेडल डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास में रामपति देवी स्वर्ण पदक भी शामिल किए गए हैं।

समारोह में कुल 1424 डिग्रियां दी जाएंगी। आगामी सत्र में हिन्दू अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ भाषा विज्ञान की स्थापना की जाएगी।

उर्दू, अरबी फारसी, कला एवं मानविकी संकाय और बीए उर्दू में प्रथम आने पर मुझे तीन स्वर्ण पद मिलेंगे। मेरे पिता इजहार सिद्दीकी फैशन डिजाइनर और मां सुमैया गृहिणी हैं। मेरा सपना है जिस विश्वविद्यालय में पढ़ रही हूं, वहीं प्रोफेसर बनूं। - रहमाना

स्नातक स्तर पर सभी संकाय में प्रथम, विज्ञान संकाय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने व बीएससी-रसायन में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। पिता कृष्णकिशोर यादव किसान और मां मनोरमा देवी गृहिणी है। असिस्टेंट प्रोफेसर बनना है। - धर्मेश यादव

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय और बीटेक में प्रथम आने पर तीन स्वर्ण पदक मिलेंगे। आईआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा हूं। मुझे इंजीनियर बनना है। पिता हरिकेश द्विवेदी शिक्षक और मां सरोज द्विवेदी गृहिणी है। - अपूर्व द्विवेदी

स्नातक में सामाजिक विज्ञान, बोर्ड में पहला स्थान मिलने पर दो स्वर्ण पदक मिलेंगे। पिता नृपेन्द्र [illegible] इलेक्ट्रिकल इंजीनियर और मां [illegible] गृहिणी है। मेरा लक्ष्य प्रोफेसर बनना है। - तनु प्रिया

भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत में मेधावी चमके, मेधा को मिला मान

केएमसी में बांटी गईं 1426 डिग्री, पदक पाकर खिले चेहरे

वे चिराग जैसी लम्हे यूं ही रायगां न जाएं: मुजफ्फर अली

512 छात्राएं पास हुईं 2024-25 में

912 छात्रों ने इतनी उपाधियां

- 2025 में 1424 डिग्रियां डिजिलॉकर पर अपलोड कीं
- 31 पीएचडी की डिग्रियां शामिल रहीं इनमें

डिग्री के लिए विधि आने की जरूरत नहीं: राज्यपाल

पहले लक्ष्मणपुरी था लखनऊ : योगेंद्र

10 वां दीक्षांत समारोह भाषा विश्वविद्यालय का, इस बीते पर कई आयोजन हुए

99 छात्राओं ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक पाए, छात्रों को मात्र 47 पदक मिले

इन कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

मेधावी बोले

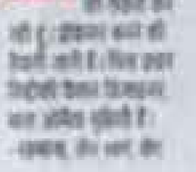

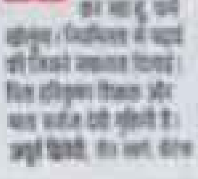

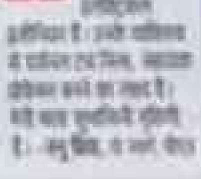

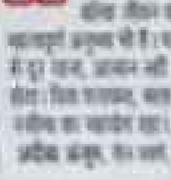

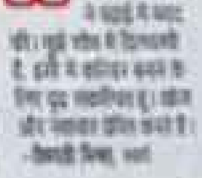

IV दैनिक जागरण लखनऊ, 4 अक्टूबर, 2025

भाषा विश्वविद्यालय में मिलेगी आइओटी लैब की सुविधा

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब तकनीक की नई ऊंचाईयों से जुड़ने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय में स्वदेश एनजीओ फाउंडेशन के सहयोग से करीब 20 से 22 लाख की लागत से अत्याधुनिक इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) लैब की स्थापना की गई है।

कुलपति प्रो. डा. अजय तनेजा ने बताया कि यह लैब विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए स्थापित की गई है। इसके जरिए उन्हें केवल आइओटी ही नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे विषयों में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि "यह लैब विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स की तरह होगी। जहां उन्हें निःशुल्क हैंड्स आन ट्रेनिंग, व्यावसायिकेता, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी और प्रोजेक्ट बनाने का अवसर मिलेगा। यह केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक जीवन की चुनौतियों को समझने एवं तकनीकी नवाचार में आगे बढ़ने का सुनहरा मौका है।

दीक्षा समारोह में होगा उद्घाटन : कइस आइओटी लैब का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के दौरान कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। लैब के माध्यम से एआइ और आइओटी ट्रेनिंग करने वालों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स और प्रतियोगिताएं होंगी।

ہمارا مقصد صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ طلبہ کو ہنرمند اور روزگار پر مبنی تعلیم فراہم کرنا ہے: پروفیسر اجے تنیج

لینگویج یونیورسٹی اور لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے مابین مفاہمت نامے پر دستخط

لکھنؤ، 04 اکتوبر 2025: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی اور حیدرآباد کی معروف کمپنی لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے درمیان ایک مفاہمتی یادداشت (MoU) پر دستخط کیے گئے۔ اس معاہدے کو اعلیٰ تعلیم اور صنعت کے تقاضوں کے درمیان پل قائم کرنے کی سمت میں ایک سنگ میل قرار دیا جا رہا ہے۔ اس اشتراک کا مقصد طلبہ کو عالمی معیار کے مطابق مہارت، عملی تجربہ اور روزگار سے وابستہ مواقع فراہم کرنا ہے تاکہ وہ مستقبل کے چیلنجوں کا سامنا بہتر انداز میں کر سکیں۔ معاہدے کے تحت لائف ایکٹیوس طلبہ کو انٹرن شپ اور صنعتی تربیت، گرلز ڈیجیٹل لرننگ پروگرام، لیبارٹری سیٹ اپ اور انسٹرومنٹیشن سپورٹ، سیمینار اور ورکشاپس جیسے مواقع فراہم کرے گا۔ مزید برآں مشترکہ تحقیق اور تکنیکی تعاون کو بھی فروغ دیا جائے گا۔ یونیورسٹی کی جانب سے اس اشتراک کو تحقیق اور اختراع کے فروغ، ضروری سہولیات اور جگہ کی فراہمی، نیز صنعتوں کو ان کے تحقیقی و عملی منصوبوں کی تکمیل میں مدد کے طور پر استعمال کیا جائے گا۔ اس موقع پر وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے مفاہمت نامے کو طلبہ کے لیے ایک انقلابی موقع قرار دیتے ہوئے کہا کہ ہمارا مقصد صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ طلبہ کو ہنرمند اور روزگار پر مبنی تعلیم فراہم کرنا ہے۔ لائف ایکٹیوس کے ساتھ شراکت داری طلبہ کو جدید ترین ٹیکنالوجی اور تحقیق سے جوڑ کر عملی علمی تجربے کے درمیان کی خلیج کو پُر کرے گی۔ یہ قد یونیورسٹی کو قومی سطح پر ایک نمایاں تحقیقی و اختراعی مرک کے طور پر مستحکم کرے گا۔" لائف ایکٹیوس پرائیویٹ لمیٹڈ کے چیئرمین و منیجنگ ڈائریکٹر ڈاکٹر کیشو دیو بھی اس اشتراک پر مسرت کا اظہار کرتے ہوئے ک کہ یہ تعاون علم اور مہارت کے تبادلے کو نئی سمت عط کرے گا اور تعلیم کے میدان میں مثبت تبدیلیوں کی بنیاد رکھے گا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کی جانب سے مفاہمت نامے پر دستخط افسر مالیہ سنجیو گپتا نے کیے جبکہ شکریے کی رسم ایم او یو کے نوڈل آفیسر ڈاکٹر نیرج شک نے ادا کی۔ اس تقریب میں رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، ڈائریکٹر فیکلٹی آف فارمیسی پروفیسر شالنی ترپاٹھی اور شعبۂ فارمیسی کے دیگر اساتذہ و ارکان بھی موجود تھے۔ مفاہمت نامے کے کوآرڈینیٹر پروفیس پی۔ ایم۔ ایس۔ چوہان (سابق چیف سائنٹسٹ اور پروفیسر شالنی ترپاٹھی نے بھی اس تاریخی موقع پر اپنی موجودگی درج کرائی۔ یہ اشتراک بلاشبہ یونیورسٹی کے طلبہ کو قومی اور عالمی سطح پر نہ صرف تعلیم بلکہ عملی میدان میں بھی نمایاں بنانے میں مددگار ثابت ہوگا۔

अवधनामा

भाषा विवि के इतिहास विभाग में फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग ने नए बैच के लिए हंसी-मज़ाक, शानदार प्रस्तुतियों और गर्मजोशी भरे स्वागत से भरपूर एक शानदार फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीनियर्स और फ्रेशर्स के बीच एक मधुर संबंध बनाना और शैक्षणिक जीवन से एक नया सफ़र शुरू करना था। इस समारोह में नृत्य प्रस्तुतियाँ, रैंप वॉक, मनोरंजक खेल और संगीत का आयोजन किया गया, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। शाम का मुख्य आकर्षण मिस्टर और मिस फ्रेशर्स प्रतियोगिता रही, जिसमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और आकर्षण का प्रदर्शन किया। कई रोमांचक राउंड के बाद, मिस फ्रेशर्स का खिताब पैनी गौतम को मिला, जबकि सूरज सिंह ने मिस्टर फ्रेशर्स का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम का सुचारू समन्वय और खुशनुमा माहौल समर्पित स्वयंसेवकों - अर्पिता दुबे, हमज़ा खुर्शीद, युसरा कमाल और अरुणिमा सिंह - के प्रयासों से संभव हुआ, जिन्होंने सुनिश्चित किया कि हर भाग सुचारू रूप से चले। फ्रेशर पार्टी का समापन मुस्कान, संगीत और एकता व एकजुटता के प्रेरक संदेश के साथ हुआ, जिसने विभाग के नए सदस्यों के लिए एक शानदार शुरुआत का प्रतीक बना।

علم کا حقیقی مقصد صرف علمی ترقی نہیں بلکہ انسانی ہمدردی اور باہمی احترام کو فروغ دینا ہے

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ..... दैनिक जागरण, लखनऊ ..... दिनांक 15 OCT 2025

दीक्षा समारोह में चमकी मेधा, छात्राओं को मिले 99 पदक

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षा समारोह में 127 मेधावियों को दिए गए 146 पदक

1,393

पदक विवरण

उपाधि

विद्यार्थी दो दिन पढ़ने न आएं तो उनके अभिभावक को करें सूचित : राज्यपाल

لینگویج یونیورسٹی میں بین الاقوامی سفید چھڑی تحفظ دن کے موقع پر پروگرام کا اہتمام

لکھنؤ، ۱۶ اکتوبر (ایس این بی نیوز سروس) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے شعبۂ فزیکل ایجوکیشن نے آل انڈیا نابینا ایسوسی ایشن (نیشنل ایسوسی ایشن) کے اشتراک سے بین الاقوامی سفید چھڑی تحفظ دن کے موقع پر ایک خصوصی تقریب کا انعقاد ابوالکلام آزاد اکیڈمک بلاک کے آڈیٹوریم ہال میں کیا گیا۔ اس پروگرام کا مقصد بصارت سے محروم افراد کے حقوق، ان کی شمولیت اور درپیش چیلنجوں کے بارے میں لوگوں میں آگاہی پیدا کرنا اور ان کی خود مختاری کی علامت "سفید چھڑی" کی اہمیت کو اجاگر کرنا تھا۔ پروفیسر سید حیدر علی نے اپنے خیر مقدمی کلمات میں اس پروگرام کی اہمیت اور مقصد پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ دن ہمیں یاد دلاتا ہے کہ بصارت سے محروم افراد سماج کا ایک اہم اور فعال حصہ ہیں۔ ان کی صلاحیتوں اور کامیابیوں کو بھی اہمیت دی جانی چاہیے۔ ہمیں صرف ہمدردی ہی نہیں بلکہ ان کے لیے مساوی مواقع، مساوات اور احترام کو بھی یقینی بنانا ہوگا اور ان کے مسائل کو سمجھنا ہوگا۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ کسی بھی یونیورسٹی کی اصل پہچان اس کی تعداد یا عمارتوں سے نہیں بلکہ اس بات سے ہوتی ہے کہ وہ اپنے ہر طالب علم کو کس قدر شمولیتی اور مساوی ماحول فراہم کرتی ہے اور ان کو آگے بڑھنے کے مواقع فراہم کرتی ہے۔ انہوں نے مزید کہا کہ لینگویج یونیورسٹی ایسے شمولیتی، ہمدردی اور انسانی اقدار کے اصولوں پر کاربند ہے۔ انہوں نے یہ بھی کہا کہ تعلیم کا حقیقی مقصد صرف ڈگری نہیں بلکہ انسانی اقدار، شمولیت اور باہمی احترام کو فروغ دینا ہے۔ ایسے پروگرام نہ صرف طلبہ میں حساسیت پیدا کرتے ہیں بلکہ انہیں ایک بہتر، ہمدرد اور ذمہ دار شہری بننے کی ترغیب بھی دیتے ہیں۔ اس بات کا بھی اعلان کیا گیا کہ یونیورسٹی مستقبل میں بھی آل انڈیا نابینا ایسوسی ایشن (NAB) جیسے اداروں کے اشتراک سے ایسے پروگرام، شمولیتی تعلیم اور طلبہ کی فلاح و بہبود سے متعلق سرگرمیوں کو جاری رکھے گی۔

तान
hindustan.com

भाषा विवि: परीक्षा शुल्क 31 तक जमा करें

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय ने नियमित व स्ववित्तपोषी योजना के तहत संचालित सभी पाठ्यक्रमों के तीसरे, पांचवें व सातवें सेमेस्टर विद्यार्थियों के लिए सेमेस्टर व परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 31 अक्तूबर तक शुल्क जमा कर सकेंगे।

75 प्रतिशत से कम उपस्थिति पर परीक्षा से रोके जाएंगे विद्यार्थी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति वाले छात्र-छात्राओं को किसी भी स्थिति में परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। कुलाधिपति की ओर से दिए गए निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विकास ने सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशक एवं विषय प्रभारी को पत्र जारी कर दिया है।

बीते 14 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षा समारोह में कुलाधिपति ने कक्षाओं में छात्र-छात्राओं की 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य किए जाने के लिए कहा था। इसी क्रम में परीक्षा नियंत्रक ने पत्र जारी कर कहा है कि प्रत्येक छात्र-छात्रा की 75 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।

इसके लिए नोटिस बोर्ड पर सूचना चस्पा करने के साथ-साथ कक्षाओं में भी इसके बारे में बता दें। सैद्धांतिक परीक्षा से पहले सभी विद्यार्थियों की 75 प्रतिशत उपस्थिति पूरी करनी अनिवार्य है। कम उपस्थिति वालों को किसी भी दशा में परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा नियंत्रक ने राजभवन के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने के लिए कहा है।

6 | **Qaumi Sahafat** Urdu Daily Lucknow | Saturday 18 October 2025 | لکھنؤ

علم کا حقیقی مقصد صرف علمی ترقی نہیں بلکہ انسانی ہمدردی اور باہمی احترام کو فروغ دینا ہے: پروفیسر اجے تنیجا

لینگویج یونیورسٹی میں 'بین الاقوامی سفید چھڑی تحفظ دن' کے موقع پر پروگرام کا اہتمام

لکھنؤ، خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے مینجمنٹ شعبے کی جانب سے نیشنل ایسوسی ایشن فار دی بلائنڈ اتر پردیش اسٹیٹ برانچ کے اشتراک سے بین الاقوامی سفید چھڑی تحفظ دن کے موقع پر ایک خصوصی تقریب کا انعقاد ابوالکلام آزاد اکیڈمک بلاک کے اٹل ہال میں کیا گیا۔ اس پروگرام کا مقصد بصارت سے محروم افراد کے حقوق، خود انحصاری اور کامیابیوں کے بارے میں سماج میں آگاہی پیدا کرنا اور ان کی با اختیاری کی علامت "سفید چھڑی" کی اہمیت کو اجاگر کرنا تھا۔ پروفیسر سید حیدر علی نے اپنے خیر مقدمی کلمات میں اس پروگرام کی اہمیت اور معنویت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ دن ہمیں یاد دلاتا ہے کہ بصارت سے محروم افراد ہمارے سماج کا ایک اہم اور فعال حصہ ہیں۔ ان کی صلاحیتیں اور امکانات کسی بھی طور کم نہیں صرف ضرورت اس بات کی ہے کہ ہم ان کے لیے دسترس پذیری، مساوات اور عزت نفس کے اصولوں کو مضبوط کریں۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ کسی بھی یونیورسٹی کی اصل پہچان اس کی عمارتوں یا ڈگریوں سے نہیں ہوتی بلکہ اس بات سے ہوتی ہے کہ وہ اپنے ہر فرد خواہ وہ کسی بھی پس منظر، صلاحیت یا حالت میں ہو یونیورسٹی اس کو کس حد تک آگے بڑھنے کے مواقع فراہم کرتی ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ لینگویج یونیورسٹی ہمیشہ سے شمولیت، برابری اور انسانی وقار کے اصولوں پر کاربند رہی ہے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ علم کا حقیقی مقصد صرف علمی ترقی نہیں بلکہ انسانی ہمدردی، سماجی شمولیت اور باہمی احترام کو فروغ دینا ہے۔ ایسے پروگرام نہ صرف طلبہ میں سماجی حساسیت کو بیدار کرتے ہیں بلکہ انھیں ایک بہتر، جامع اور ہمدرد معاشرہ تشکیل دینے کی ترغیب بھی دیتے ہیں۔ اسی جذبے کے تحت یونیورسٹی مستقبل میں بھی نیشنل ایسوسی ایشن فار دی بلائنڈ (NAB) جیسے اداروں کے اشتراک سے دسترس پذیری، شمولیتی تعلیم اور معذور طلبہ کی بااختیاری سے متعلق سرگرمیوں کو مزید وسعت دے گی۔ پروفیسر اجے تنیجا نے اس بات پر زور دیا کہ تعلیم کا مقصد صرف معلومات فراہم کرنا نہیں بلکہ ایسے ماحول کی تشکیل ہے جہاں ہر فرد خود کو قابل، باعزت اور مساوی مواقع کا حقدار محسوس کرے۔ انھوں نے امید ظاہر کی کہ یونیورسٹی کے طلبہ اس جذبے کو اپنی سماجی اور پیشہ ورانہ زندگی میں آگے بڑھائیں گے۔

اس موقع پر پروفیسر مشیر احمد مینجمنٹ شعبے صدر نے کہا کہ اعلیٰ تعلیمی اداروں کا کردار صرف علم فراہم کرنے تک محدود نہیں بلکہ سماجی ذمے داری اور شمولیت کو فروغ دینا بھی اتنا ہی ضروری ہے۔ وکاس مشرا (ریٹائرڈ) نے بصارت سے محروم افراد کے لیے رہنمائی، نقل و حرکت کی تربیت کی اہمیت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ سفید چھڑی کے ساتھ اٹھایا گیا ہر قدم خودمختاری کی طرف ایک قدم ہے۔ انھوں نے سماج سے اپیل کی کہ وہ محض ہمدردی نہیں بلکہ برابری کے مواقع اور باعزت زندگی کے لیے عملی اقدامات کریں۔ شیلندر سنگھ، ڈپٹی کمشنر (محکمہ معذورین بااختیاریت، حکومت اتر پردیش) نے اپنے خطاب میں کہا کہ ریاستی حکومت معذورین کو برابر کے حقوق، احترام اور مواقع فراہم کرنے کے لیے مسلسل کوشاں ہے۔ اس موقع پر معذور طلبہ نے آگاہی پر مبنی مختلف پروگرام پیش کیے اور بڑا نظریہ کے عنوان سے ڈرامہ بھی پیش کیا۔ پروگرام کے اختتام پر [illegible] مارچ کا انعقاد ہوا جو یکجہتی، مساوات اور شمولیت کی علامت تھا۔ یہ تقریب لینگویج یونیورسٹی کے اس عزم کی عکاس ہے کہ ادارہ سماج میں شمولیتی تعلیم، دسترس پذیری اور سماجی بیداری کے فروغ کے لیے مسلسل کوشاں ہے۔ آخر میں ایک بیداری جلوس بھی نکالا گیا جس میں اساتذہ کے علاوہ طلبہ نے بھی کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

علم کا حقیقی مقصد صرف علمی ترقی نہیں بلکہ انسانی ہمدردی اور باہمی احترام کو فروغ دینا ہے: پروفیسر اجے تنیجا

لینگویج یونیورسٹی میں 'بین الاقوامی سفید چھڑی تحفظ دن' کے موقع پر پروگرام کا اہتمام

لکھنؤ، 17 اکتوبر، خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے مینجمنٹ شعبہ کی جانب سے نیشنل ایسوسی ایشن فار دی بلائنڈ اتر پردیش اسٹیٹ برانچ کے اشتراک سے بین الاقوامی سفید چھڑی تحفظ دن کے موقع پر ایک خصوصی تقریب کا انعقاد ابوالکلام آزاد اکیڈمک بلاک کے اٹل ہال میں کیا گیا۔ اس پروگرام کا مقصد بصارت سے محروم افراد کے حقوق، خود انحصاری اور کامیابیوں کے بارے میں سماج میں آگاہی پیدا کرنا اور ان کی بااختیاری کی علامت "سفید چھڑی" کی اہمیت کو اجاگر کرنا تھا۔ پروفیسر سید حیدر علی نے اپنے خیر مقدمی کلمات میں اس پروگرام کی اہمیت اور معنویت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ دن ہمیں یاد دلاتا ہے کہ بصارت سے محروم افراد ہمارے سماج کا ایک اہم اور فعال حصہ ہیں۔ ان کی صلاحیتیں اور امکانات کسی بھی طور کم نہیں صرف ضرورت اس بات کی ہے کہ ہم ان کے لیے دسترس پذیری، مساوات اور عزت نفس کے اصولوں کو مضبوط کریں۔ اس موقع پر یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ کسی بھی یونیورسٹی کی اصل پہچان اس کی عمارتوں یا ڈگریوں سے نہیں ہوتی بلکہ اس بات سے ہوتی

ہے کہ وہ اپنے ہر فرد خواہ وہ کسی بھی پس منظر، صلاحیت یا حالت میں ہو، یونیورسٹی اس کو کس حد تک آگے بڑھنے کے مواقع فراہم کرتی ہے۔ انھوں نے مزید کہا کہ لینگویج یونیورسٹی ہمیشہ سے شمولیت، برابری اور انسانی وقار کے اصولوں پر کاربند رہی ہے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ علم کا حقیقی مقصد صرف علمی ترقی نہیں بلکہ انسانی ہمدردی، سماجی شمولیت اور باہمی احترام کو فروغ دینا ہے۔ ایسے پروگرام ...

صرف طلبہ میں سماجی حساسیت کو بیدار کرتے ہیں بلکہ انہیں ایک بہتر، جامع اور ہم درد معاشرہ تشکیل دینے کی ترغیب بھی دیتے ہیں۔ اسی جذبے کے تحت یونیورسٹی مستقبل میں بھی نیشنل ایسوسی ایشن فار دی بلائنڈ (NAB) جیسے اداروں کے اشتراک سے دسترس پذیری، شمولیتی تعلیم اور معذور طلبہ کی بااختیاری سے متعلق سرگرمیوں کو مزید وسعت دے گی۔ پروفیسر اجے تنیجا نے اس بات پر ...

زور دیا کہ تعلیم کا مقصد صرف معلومات فراہم کرنا نہیں بلکہ ایسے ماحول کی تشکیل ہے جہاں ہر فرد خود کو قابل، باعزت اور مساوی مواقع کا حقدار محسوس کرے۔ انھوں نے امید ظاہر کی کہ یونیورسٹی کے طلبہ اس جذبے کو اپنی سماجی اور پیشہ ورانہ زندگی میں آگے بڑھائیں گے۔ اس موقع پر پروفیسر مشیر احمد مینجمنٹ شعبے کے صدر نے کہا کہ اعلیٰ تعلیمی اداروں کا کردار صرف علم فراہم کرنے تک محدود نہیں، بلکہ سماج ذمہ

داری اور شمولیت کو فروغ دینا بھی اتنا ہی ضروری ہے۔ وکاس مشرا ریز نے بصارت سے محروم افراد کے لیے رہنمائی و نقل و حرکت کی تربیت کی اہمیت پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ سفید چھڑی کے ساتھ اٹھایا گیا ہر قدم خود مختاری کی طرف ایک قدم ہے۔ انھوں نے سماج سے اپیل کی کہ وہ محض ہمدردی نہیں بلکہ برابری کے مواقع اور باعزت زندگی کے لیے عملی اقدامات کریں۔ شیلندر سونکر، ڈپٹی کمشنر (محکمہ معذورین بااختیاریت، حکومت اتر پردیش) نے اپنے خطاب میں کہا کہ ریاستی حکومت معذورین کو برابر کے حقوق، احترام اور مواقع فراہم کرنے کے لیے مسلسل کوشاں ہے۔ اس موقع پر معذور طلبہ نے آگاہی پر مبنی مختلف پروگرام پیش کیا اور بدلتا نظریہ کے عنوان سے ڈرامہ بھی پیش کیا۔ پروگرام کے اختتام پر بیداری مارچ کا انعقاد ہوا جو یکجہتی، مساوات اور شمولیت کی علامت تھا۔ یہ تقریب لینگویج یونیورسٹی کے اس عزم کی عکاس ہے کہ ادارہ و سماج میں شمولیتی تعلیم، دسترس پذیری اور سماجی بیداری کے فروغ کے لیے مسلسل کوشاں ہے۔ آخر میں ایک بیداری جلوس بھی نکالا گیا جس میں اساتذہ کے علاوہ طلبہ نے بھی کثرت کے ساتھ شرکت کی۔

پینی گوتم کو مس فریشر اور سورج سنگھ کو مسٹر فریشر کے خطاب سے سرفراز

لکھنؤ۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی، لکھنؤ کے شعبہ ہسٹری نے نئے طلبا کے لیے ایک شاندار فریشرز پارٹی کا اہتمام کیا جو ہنسی مذاق، دلکش پیشکشوں اور گرم جوش استقبال سے بھرپور تھی۔ اس تقریب کا مقصد سینئرز اور فریشرز کے درمیان خوشگوار تعلق قائم کرنا اور تعلیمی زندگی کے ایک نئے سفر کا آغاز کرنا تھا۔ تقریب میں رقص کی پیشکشیں، ریمپ واک، دلچسپ کھیل اور موسیقی کے پروگرام شامل تھے جنہوں نے حاضرین کو خوب محظوظ کیا۔ شام کا سب سے اہم لمحہ مسٹر اور مس فریشر مقابلہ تھا جس میں طلبا نے اپنی صلاحیت، اعتماد اور دلکشی کا مظاہرہ کیا۔ کئی دلچسپ مراحل کے بعد، پینی گوتم کو مس فریشر اور سورج سنگھ کو مسٹر فریشر کے خطاب سے نوازا گیا۔ تقریب کی کامیاب تنظیم اور خوشگوار ماحول کا سہرا [illegible] کے سر جاتا ہے جنہوں نے اس بات کو یقینی بنایا کہ ہر مرحلہ بخوبی انجام پائے۔ فریشرز پارٹی کا اختتام مسکراہٹوں، موسیقی اور اتحاد و یگانگی کے پیغام کے ساتھ ہوا، جو شعبہ ہسٹری کے نئے طلبا کے لیے ایک شاندار آغاز ثابت ہوا۔

قومی خبریں viraj
kaumikhabrein@gmail.com

علم کا سفر دراصل آدمی سے انسان بننے کا سفر ہے: آنندی بین پٹیل

خواجہ معین الدین چشتی لینگوئج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کا انعقاد

لکھنؤ۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگوئج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کا انعقاد ہوا جس میں کامیاب طلبہ اور ریسرچ اسکالرس کو تمغے اور ڈگریوں سے نوازا گیا۔ اس اہم تقریب کا آغاز پریڈ سے ہوا اور اس روایتی اور شاندار پریڈ کے بعد قومی گیت وندے ماترم اور یونیورسٹی گیت طلبہ کے ذریعے پڑھا گیا۔ لینگوئج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنی مختصر استقبالیہ تقریب میں آنے والے تمام معزز مہمانوں کا دل سے استقبال کرتے ہوئے کہا کہ گورنر کی رہنمائی میں طلبہ کو نہ صرف تعلیم کے زیور سے آراستہ کر رہے ہیں بلکہ ان کی کردار سازی اور ذہن سازی کا بھی کام کر رہے ہیں تاکہ یہ طلبہ اپنے مکمل وجود کے ساتھ ہندوستانی معاشرے کی تعمیر میں مثبت کردار ادا کر سکیں۔ وائس چانسلر نے یہ بھی کہا کہ یونیورسٹی مسلسل ترقی کی راہ پر گامزن ہے اور یہاں کے طلبہ ملک بھر میں مختلف شعبوں میں نہ صرف اپنی خدمات انجام دے رہے ہیں بلکہ یونیورسٹی کا نام بھی روشن کر رہے ہیں۔ اس موقع پر انھوں نے یونیورسٹی کی حصولیابیوں اور کامرانیوں پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ یونیورسٹی نے اس ایک سال میں قومی اور بین الاقوامی سطح پر کے روشن مستقبل کے لئے مختلف مفاہمت ناموں پر دستخط کیا ہے تاکہ طلبہ کے لئے تحقیق، تنقید اور تحریک و اختراعات کے ایک بہتر فضا سازی کی تعمیر ہو سکے اور اس مفاہمت نامے کے تحت مختلف پروگرام اور سیمینار بھی کرائے گئے ہیں تاکہ طلبہ اس سے عملی سطح پر استفادہ کر سکیں۔ یونیورسٹی میں کامیاب ہونے والے طلبہ کی ڈگریاں ڈیجی لاکر پر مسلسل تین برسوں سے لوڈ کی جا رہی ہیں اور اس سال بھی یہی کیا گیا ہے تاکہ طلبہ اپنی ڈگریوں کے حصول میں کسی قسم کی دقت کا سامنا نہ کرنا پڑے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ اس سیشن میں ۱۴۴۱ طلبہ نے مختلف کورسوں میں امتحانات دیا جن میں ۱۳۹۳ طلبہ نے کامیابی حاصل کی۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ اس بار ۱۳۶ تمغے تقسیم گورنر کے ہاتھوں تقسیم کیے جائیں گے جن میں ۹۳ طلائی، ۳۲ نقرئی اور ۱۱ برانز شامل ہیں ان میں سے ۹۹ تمغے لڑکیوں اور ۳۷ لڑکوں کو دیے جا رہے ہیں۔ اس کے علاوہ ہربل گارڈن، اوپن جم بہمہ مقتن اور بالی بال کورٹ اور لیگل ایڈ کلینک بھی کھولا گیا ہے۔

اس اہم تقریب کی مہمان خصوصی وزیر مملکت اتر پردیش برائے اعلیٰ تعلیم رجنی تیواری نے اپنے خطاب میں کہا کہ اب ڈگریاں ملنے کے بعد زندگی کی نئی راہیں کھلتی ہیں اور وہ اپنی قابلیت کی بنیاد نہ صرف اپنے مستقبل کو سنوار سکتے ہیں بلکہ ملک کی ترقی میں بھی اہم کردار ادا کر سکتے ہیں۔

انھوں نے یہ بھی کہا کہ آج کی نوجوان نسل علم کی روشنی سے روشناس ہو رہی ہے اور انھیں چاہیے کہ اپنی صلاحیتوں کو ملک کے گوشے گوشے تک پہنچانے میں استعمال کریں۔ انھوں نے مادری زبان کی اہمیت پر زور دیتے ہوئے کہا کہ مادری زبان محض رابطے کا ذریعہ نہیں بلکہ اپنی تہذیب، ثقافت اور قومی شناخت کا بنیادی ستون ہے۔ انھوں نے کہا کہ جس قوم کی زبان مرجاتی ہے وہ قوم بھی رفتہ رفتہ اپنی پہچان کھو دیتی ہے۔ انھوں نے طلبہ کو مشورہ دیا کہ وہ اپنی مادری زبان فخر کے ساتھ بولیں اور اسے علمی اور عملی زندگی میں مناسب مقام بھی عطا کریں۔ اس موقع پر مہمان خصوصی وزیر برائے اعلیٰ تعلیم یوگیندر اپادھیائے نے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ یہ ڈگریاں صرف کاغذ کا ٹکرا نہیں بلکہ ذمہ داری کا احساس ہے۔ تعلیم وہی ہے جو سماج میں تبدیلی لائے اور یہ آپ کے ہاتھوں میں میڈلز نہیں ہیں بلکہ سماج کے لئے ماڈل بننے کا پروانہ ہے اس لئے آپ بھی لوگوں کو سماج کے لئے ایک رول ماڈل کے طور پر کام کرنے کی ضرورت ہے۔ انھوں نے مبارکباد دیتے ہوئے کہا کہ یہ زندگی کا اہم موڑ ہے اور اس اہم موڑ پر رکنا نہیں ہے بلکہ آگے بڑھ کر ملک اور سماج کے مختلف شعبوں میں اہم کردار ادا کرنا ہے اور ایسے ہی مقام پر ان لوگوں کے بارے میں سوچنا پڑے گا جن لوگوں نے ملک کی تعمیر کے لئے بڑی قربانیاں دی۔ اس اہم تقریب کے مہمان ذی وقار مشہور فلم کار ڈائریکٹر فن کار اور سماجی و تہذیبی شخصیت مظفر علی نے اپنی تقریر میں کہا کہ علم درحقیقت محض معلومات کا حصول نہیں بلکہ انسانی شخصیت کی تعمیر اور معاشرتی ترقی کی ضامن ہے۔ اسی فکر کو اجاگر کرتے ہوئے مظفر علی نے زور دیا کہ علم دو بنیادی ستونوں پر قائم ہے۔ توازن اور انسانیت۔ اور ان کے بغیر تعلیم کا ہر تصور ادھورا اور بے مقصد ہے۔ انھوں نے نوجوان نسل سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ محض خواب دیکھنے سے تقدیریں نہیں بدلتی ہیں بلکہ اپنے خواب کو انقلاب میں بدلنے کے لئے محنت، ایمان اور عزم کی ضرورت ہوتی ہے۔

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम .... दैनिक नवभारत टाइम्स, लखनऊ .... दिनांक 15 OCT 2025

'AI का इस्तेमाल रिसर्च में करें, परेशान करने में नहीं'

भाषा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोलीं राज्यपाल | विद्यार्थियों को दिए गए 146 मेडल, 1424 को मिली डिग्री

'शिक्षकों में भी अनुशासन जरूरी'

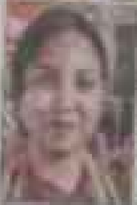

'जोड़ने का काम करती है भाषा'

15 October 2025 URDU DAILY SA

علم کا سفر دراصل آدمی سے انسان بننے کا سفر ہے: آنندی بین پٹیل

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کا انعقاد

لکھنؤ: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کا انعقاد ہوا جس میں کامیاب طلبہ اور ریسرچ اسکالرس کو تمغے اور ڈگریوں سے نوازا گیا۔ اس اہم تقریب کا آغاز پریڈ سے ہوا اور اس روایتی اور شاندار پریڈ کے بعد قومی گیت وندے ماترم اور یونیورسٹی گیت طلبہ کے ذریعے پڑھا گیا۔ چانسلر اور گورنر اتر پردیش آنندی بین پٹیل نے یونیورسٹی کے اساتذہ کی کتابوں کی رونمائی کے ساتھ مختلف منصوبوں کے مکمل ہونے کی بھی رونمائی کی۔ اس کے ساتھ ہی آنگن باڑیوں، گود لئے گئے بچوں کو تحائف سے نوازا۔ اور ان کی فنکاری کے مظاہرے کو بھی دیکھا۔ آخر میں یونیورسٹی کی چانسلر اور اتر پردیش کی گورنر آنندی بین پٹیل نے تقریب سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ وہ تمام تمغے اور ڈگریاں حاصل کرنے والے طلبہ کو مبارکباد پیش کرتی ہیں۔ انھوں نے کہا کہ آپ بھی لوگوں نوکریوں کی تلاش کے بجائے روزگار اور کاروبار کے لئے ذہن سازی کی ضرورت ہے تاکہ دوسرے لوگوں کے لئے روزگار پیدا کر سکیں۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ ہندوستان میں علم کی عظیم روایت رہی ہے مگر ہم نے اپنی غفلت میں اس عظیم سرمائے کو طاق نسیاں پہ رکھ دیا تھا لہٰذا اب ہمیں اس طاق نسیاں پہ رکھی ہوئی منور اور روشن تختی کی بازیافت کرنے کی ضرورت ہے اس کے بغیر ایک بہتر ہندوستان کی تعمیر ممکن نہیں ہے۔ لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنی مختصر استقبالیہ تقریب میں آنے والے تمام معزز مہمانوں کا دل سے استقبال کرتے ہوئے کہا کہ گورنر کی رہنمائی میں طلبہ کو نہ صرف تعلیم کے زیور سے آراستہ کر رہے ہیں بلکہ ان کی کردار سازی اور ذہن سازی کا بھی کام کر رہے ہیں تاکہ یہ طلبہ اپنے مکمل وجود کے ساتھ ہندوستانی معاشرے کی تعمیر میں مثبت کردار ادا کر سکیں۔ وائس چانسلر نے یہ بھی کہا کہ یونیورسٹی مسلسل ترقی کی راہ پر گامزن ہے اور یہاں کے طلبہ ملک بھر میں مختلف شعبوں میں نہ صرف اپنی خدمات انجام دے رہے ہیں بلکہ یونیورسٹی کا نام بھی روشن کر رہے ہیں۔ تقریب کی مہمان خصوصی وزیر مملکت اتر پردیش برائے اعلیٰ تعلیم رجنی تیواری نے اپنے خطاب میں کہا کہ اب ڈگریاں ملنے کے بعد زندگی کی نئی راہیں کھلتی ہیں اور وہ اپنی قابلیت کی بنیاد نہ صرف اپنے مستقبل کو سنوار سکتے ہیں بلکہ ملک کی ترقی میں بھی اہم کردار ادا کر سکتے ہیں۔ اس موقع پر مہمان خصوصی وزیر برائے اعلیٰ تعلیم یوگیندر اپادھیائے نے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ یہ ڈگریاں صرف کاغذ کا ٹکڑا نہیں بلکہ ذمہ داری کا احساس ہے۔ اسی تقریب میں یونیورسٹی کے اساتذہ میں پروفیسر ثوبان سعید، ڈاکٹر عطاالرحمن، ڈاکٹر ظفی مشرا اور ڈاکٹر شاویز علی صدیقی کو اعزاز سے نوازا گیا۔ اس موقع پر الونگر ڈونگریا پرائمری اسکول کے کچھ بچوں نے ثقافتی پروگرام پیش کئے۔ اس کی نظامت ڈاکٹر نیرج شکلا نے کی۔ اور تمام اساتذہ، انتظامی عملہ کے سبھی لوگ اس میں موجود تھے۔

جدید ٹیکنالوجی کے منفی استعمال سے بچیں: آنندی بین پٹیل

کے ایم سی یونیورسٹی میں ۱۰ اروں جلسہ تقسیم اسناد، ۹۹ رطالبات اور ۴۷ رطلباء کو ۱۴۶ رتمغوں سے نوازا گیا، ڈگریاں 'ڈیجی لاکر' پر اپلوڈ

جلسہ تقسیم اسناد سے خطاب کرتی ہوئیں گورنر آنندی بین پٹیل۔

لکھنؤ (نامہ نگار): خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں ۱۰ اروں جلسہ تقسیم اسناد منعقد ہوا، جس میں کامیاب طلبہ اور ریسرچ اسکالرس کو تمغے اور ڈگریوں سے نوازا گیا۔ یونیورسٹی کی چانسلر اور ریاست کی گورنر آنندی بین پٹیل نے کہا کہ موجودہ دور ٹیکنالوجی کا ہے۔ جدید ٹیکنالوجی نے زندگی کی راہ کو آسان بنادیا ہے، ہمیں اس پر بھرپور توجہ دینی چاہئے، لیکن یہ ضروری ہے کہ ٹیکنالوجی کا منفی استعمال نہ کیا جائے۔ طلبہ سے کہا کہ حصول علم کے بعد نوکریوں کی تلاش کے بجائے روزگار اور کاروبار کیلئے ذہن تیار کریں، تاکہ دوسروں کیلئے بھی روزگار پیدا کرسکیں۔ انہوں نے کہا کہ علم کا سفر دراصل آدمی سے انسان بننے کا سفر ہے، ہندوستان میں علم کی عظیم روایت رہی ہے مگر ہم نے اپنی غفلت میں اس عظیم سرمائے کو طاق نسیاں پر رکھ دیا تھا۔

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں ۱۲۷ ر ہونہاروں کو ۱۴۶ رتمغوں سے نوازا گیا۔ ان میں ۴۵ رطلبہ کو ۹۳ ر طلائی تمغے، ۴۱ رطلبہ کو ۴۲ رنقرئی اور ۴۱ رطلبہ کو ۴۱ کانسہ کے تمغوں سے نوازا گیا۔ سب سے زیادہ ۹۹ رتمغے لڑکیوں نے حاصل کیے، جبکہ ۴۷ رتمغے لڑکوں کو دیے گئے۔ ۱۳۹۳ رڈگریاں اور ۳۱ رپی ایچ ڈی کی ڈگریاں بھی دی گئیں۔ آنندی بین پٹیل نے سبھی ڈگریوں کو ڈیجی لاکر پر اپلوڈ کیا۔ اس موقع پر گورنر نے یونیورسٹی کے اساتذہ کی کتابوں کی رونمائی کے ساتھ مختلف منصوبوں کے مکمل ہونے کی بھی رونمائی کی۔ اس کے ساتھ ہی آنگن باڑیوں، گود لئے گئے بچوں کو تحائف سے نوازا اور ان کی فنکاری کے مظاہرے کو بھی دیکھا۔

مہمان خصوصی وزیر برائے اعلیٰ تعلیم یوگیندر اپادھیائے نے کہا کہ یہ ڈگریاں صرف کاغذ کا ٹکڑا نہیں بلکہ ذمہ داری کا احساس ہے۔ تعلیم وہی ہے جو سماج میں تبدیلی لائے اور یہ آپ کے ہاتھوں میں میڈلز نہیں ہیں بلکہ سماج کے لئے ماڈل بننے کا پروانہ ہے اس لئے آپ سبھی لوگوں کو سماج کے لئے ایک رول ماڈل کے طور پر کام کرنے کی ضرورت ہے۔ مہمان ذی وقار مشہور فلمساز، ڈائریکٹر، فنکار مظفر علی نے کہا کہ علم درحقیقت محض معلومات کا حصول نہیں بلکہ انسانی شخصیت کی تعمیر اور معاشرتی ترقی کی ضامن ہے۔ مہمان خصوصی وزیر مملکت برائے اعلیٰ تعلیم رجنی تیواری نے کہا کہ اب ڈگریاں ملنے کے بعد زندگی کی نئی راہیں کھلتی ہیں اور وہ اپنی قابلیت کی بنیاد نہ صرف اپنے مستقبل کو سنوار سکتے ہیں بلکہ ملک کی ترقی میں بھی اہم کردار ادا کرسکتے ہیں۔

لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے بھی مہمانوں کا استقبال کرتے ہوئے کہا کہ گورنر کی رہنمائی میں طلبہ کو نہ صرف تعلیم کے زیور سے آراستہ کررہے ہیں بلکہ ان کی کردار سازی اور ذہن سازی کا بھی کام کررہے ہیں تاکہ یہ طلبا اپنے مکمل وجود کے ساتھ ہندوستانی معاشرے کی تعمیر میں مثبت کردار ادا کرسکیں۔ انہوں نے بتایا کہ ہربل گارڈن، اوپن جم، بیڈمنٹن اور والی بال کورٹ اور لیگل ایڈ کلینک بھی شروع کیا جارہا ہے۔ تقریب میں یونیورسٹی کے اساتذہ میں پروفیسر ثوبان سعید، ڈاکٹر عطاء الرحمن، ڈاکٹر علی مشرا اور ڈاکٹر شاویز علی صدیقی کو اعزاز سے نوازا گیا۔ اس موقع پر الونگر ڈگریا پرائمری اسکول کے کچھ بچوں نے ثقافتی پروگرام پیش کیے۔ نظامت ڈاکٹر نیرج شکلا نے کی۔

Delhi Wednesday, 15 October 2025 ہماری دنیا

علم کا سفر دراصل آدمی سے انسان بننے کا سفر ہے: چانسلر آنندی بین پٹیل

خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کا انعقاد، گورنر کے ہاتھوں طلبہ اور ریسرچ اسکالرس کے مابین تمغے اور ڈگریوں کی تقسیم

لکھنؤ، ۱۴ اکتوبر ۲۰۲۵ء: خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں دسویں تقریب تقسیم اسناد کا انعقاد ہوا جس میں کامیاب طلبہ اور ریسرچ اسکالرس کو تمغے اور ڈگریوں سے نوازا گیا۔ اس اہم تقریب کا آغاز پریڈ سے ہوا اور اس روایتی اور شاندار پریڈ کے بعد قومی گیت وندے ماترم اور یونیورسٹی گیت طلبہ کے ذریعے پڑھا گیا۔ لینگویج یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنی مختصر استقبالیہ تقریب میں آنے والے تمام معزز مہمانوں کا تہہ دل سے استقبال کرتے ہوئے کہا کہ گورنر کی رہنمائی میں طلبہ کو نہ صرف تعلیم کے زیور سے آراستہ کر رہے ہیں بلکہ ان کی کردار سازی اور ذہن سازی کا بھی کام کر رہے ہیں تاکہ یہ طلبہ اپنے مکمل وجود کے ساتھ ہندوستانی معاشرے کی تعمیر میں مثبت کردار ادا کر سکیں۔

وائس چانسلر نے یہ بھی کہا کہ یونیورسٹی مسلسل ترقی کی راہ پر گامزن ہے اور یہاں کے طلبہ ملک بھر میں مختلف شعبوں میں نہ صرف اپنی خدمات انجام دے رہے ہیں بلکہ یونیورسٹی کا نام بھی روشن کر رہے ہیں۔ اس موقع پر انھوں نے یونیورسٹی کی حصولیابیوں اور کامرانیوں پر گفتگو کرتے ہوئے کہا کہ یونیورسٹی نے اس ایک سال میں قومی اور بین الاقوامی سطح پر کے روشن مستقبل کے لیے مختلف مفاہمت ناموں پر دستخط کیا ہے تاکہ طلبہ کے لیے تحقیق، تنقید اور تخلیق و اختراعات کے ایک بہتر فضا سازی کی تعمیر ہو سکے اور اس مفاہمت نامے کے تحت مختلف پروگرام اور سیمینار بھی کرائے گئے ہیں تاکہ طلبہ اس سے عملی سطح پر استفادہ کر سکیں۔ یونیورسٹی میں کامیاب ہونے والے طلبہ کی ڈگریاں ڈیجی لاکر پر مسلسل تین برسوں سے لوڈ کی جا رہی ہیں اور اس سال بھی کیا گیا ہے تاکہ طلبہ اپنی ڈگریوں کے حصول میں کسی قسم کی دقت کا سامنا نہ کرنا پڑے۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ اس سیشن میں ۱۴۳۱ طلبہ نے مختلف کورسوں میں امتحانات دیا جن میں ۱۳۴۳ طلبہ نے کامیابی حاصل کی۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ اس بار ۱۳۶ تمغے تقسیم گورنر کے ہاتھوں تقسیم کیے جائیں گے جن میں ۴۳ طلائی، ۴۲ نقرئی اور ۵۱ برانز شامل ہیں ان میں سے ۹۹ تمغے لڑکیوں اور ۳۷ لڑکوں کو دیے جا رہے ہیں۔ اس کے علاوہ ہربل گارڈن، اوپن جم، ہیلتھ سنٹر اور والی بال کورٹ اور لیگل ایڈ کلینک بھی کھولا گیا ہے۔

اس اہم تقریب کی مہمان خصوصی وزیر مملکت اتر پردیش برائے اعلیٰ تعلیم رجنی تیواری نے اپنے خطاب میں کہا کہ اب ڈگریاں ملنے کے بعد زندگی کی نئی راہیں کھلتی ہیں اور وہ اپنی قابلیت کی بنیاد نہ صرف اپنے مستقبل کو سنوار سکتے ہیں بلکہ ملک کی ترقی میں بھی اہم کردار ادا کر سکتے ہیں۔ انھوں نے یہ بھی کہا کہ آج کی نوجوان نسل علم کی روشنی سے روشناس ہو رہی ہے اور انھیں چاہیے کہ اپنی صلاحیتوں کو ملک کے گوشے گوشے تک پہنچانے میں استعمال کریں۔ انھوں نے مادری زبان کی اہمیت پر زور دیتے ہوئے کہا کہ مادری زبان محض رابطے کا ذریعہ نہیں بلکہ اپنی تہذیب، ثقافت اور قومی شناخت کا بنیادی ستون ہے۔ انھوں نے کہا کہ جس قوم کی زبان مر جاتی ہے وہ قوم بھی رفتہ رفتہ اپنی پہچان کھو دیتی ہے۔

انھوں نے طلبہ کو مشورہ دیا کہ وہ اپنی مادری زبان فخر کے ساتھ بولیں اور اسے علمی اور عملی زندگی میں مناسب مقام بھی عطا کریں۔ اس موقع پر مہمان خصوصی وزیر برائے اعلیٰ تعلیم یوگیندر اپادھیائے نے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ یہ ڈگریاں صرف کاغذ کا ٹکڑا نہیں بلکہ ذمہ داری کا احساس ہے۔ تعلیم وہی ہے جو سماج میں تبدیلی لائے اور یہ آپ کے ہاتھوں میں میڈل نہیں ہیں بلکہ سماج کے لیے ماڈل بننے کا پروانہ ہے اس لیے آپ بھی لوگوں کو سماج کے لیے ایک رول ماڈل کے طور پر کام کرنے کی ضرورت ہے۔

मनाई गई लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में गुरुवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनएसएस इकाई–7 की ओर से आयोजित भाषण प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, विचारों और उनके योगदान पर अपने प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में आफिया खातून ने पहला, अर्पित ने दूसरा और उत्कर्ष ने तीसरा स्थान जीता। कार्यक्रम अधिकारी डा. मनीष कुमार ने भी अपने विचार रखे। (वि.)

Guv urges students to shun bad habits

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Governor and Chancellor of state universities Anandiben Patel on Monday urged students to shun bad habits for the sake of parents.

She was addressing the students during the 30th convocation of Dr Rammanohar Lohia Avadh University, Ayodhya.

In her address, Patel congratulated and advised students to spread brightness in life like the medals they bagged. She also advocated for 75% mandatory attendance for students to appear in exams. Patel said in the Times World Ranking, two universities of UP– Chaudhary Charan Singh University Meerut & Technical University Gorakhpur—have bagged good rankings.

Governor addressing the convocation of Dr Rammanohar Lohia Avadh University

Colonel (Dr) Bijendra Singh elaborated achivements of the university. On this occasion, 140 gold medals were given to meritorious students (84 to girls and 56 to boys).

Guests of honour on the occasion were state education minister Yogendra Upadhyay and higher education minister Rajni Tiwari.

'राष्ट्र के निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाएं विद्यार्थी'

- केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में हुआ स्थापना दिवस समारोह
- दिखाई गई विश्वविद्यालय पर बनी डाक्यूमेंट्री फिल्म

जागरण संवाददाता • लखनऊ : 'मिशन शक्ति कार्यक्रम के जरिए सरकार के साथ विद्यार्थी के सहयोग से विकसित भारत का निर्माण संभव है। प्रत्येक महिला सृजन करते हुए परिवार को आगे बढ़ाती है। ठीक इसी तरह मिशन शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरूकता का कार्य हो रहा है।' यह बात राष्ट्रीय सेवा योजना की विशेष कार्याधिकारी डा. मंजू सिंह ने बुधवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 16वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। इस अवसर पर स्थापना दिवस सप्ताह में हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

अटल सभागार में हुए समारोह में विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से बनाई गई विश्वविद्यालय की विकास गाथा को दर्शाती डाक्यूमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। विशेष अतिथि डेटा साइंटिस्ट मालिनी चंद्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा को राष्ट्र के निर्माण में लगाना चाहिए। सड़क सुरक्षा अधिकारी पंकज शर्मा ने कहा, 'व्यक्ति का व्यवहार ही उसकी पहचान होती है।' उन्होंने सड़क सुरक्षा के नियमों एवं कानूनों की जानकारी दी। पूर्व कुलपति प्रो. अनिल शुक्ल ने कहा कि भाषा शिक्षा से ही नवाचार और सामाजिक परिवर्तन संभव है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कम समय में शिक्षण, अनुसंधान और सांस्कृतिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने भाषा विज्ञान, हिन्दू अध्ययन के विभाग सहित नए पाठ्यक्रमों और नए एमओयू की भी घोषणा की।

भाषा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया • सौ. विश्वविद्यालय

कर्मचारियों को किया सम्मानित : इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए कर्मचारी शाहिद, विनीत शुक्ला, रामस्वरूप, जमना प्रसाद, राजधर मिश्रा को शाल, प्रशस्ति पत्र व 1100 रुपये पारितोष के रूप में देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियां भी दीं। कुलसचिव डा. महेश कुमार, डा. नीरज शुक्ल, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला मोनिका तनेजा, डीन अकादमिक प्रो. सौबान सईद, डा. रुचिता सुजय व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण लखनऊ दिनांक 01 OCT 2025

भाषा विश्वविद्यालय में शुरू होंगे नए कोर्स, बढ़ेंगी सुविधाएं

एक नजर में विश्वविद्यालय

मिला पढ़ाई का माहौल

शिक्षकों का रहा सहयोग

प्रथम पीएचडी बैच का रहा छात्र

'भाषा की शिक्षा से ही सामाजिक परिवर्तन और नवाचार संभव'

स्थापना दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम, गैर शिक्षणेतर कर्मचारी सम्मानित किए गए

भाषा विवि

लखनऊ, संवाददाता। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के 16वें स्थापना दिवस पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी व मातृ सम्मेलन समारोह का आयोजन हुआ। गैरशिक्षणेतर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय पर बनी डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए।

मुख्य अतिथि भाषा विवि के पूर्व कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने भाषाई समृद्धि को राष्ट्र की शक्ति बताया। उन्होंने कहा कि भाषा शिक्षा से ही नवाचार और सामाजिक परिवर्तन संभव है। विश्वविद्यालय की स्थापना नींव से नियत की यात्रा होती है।

एनएसएस की विशेष कार्याधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने कहा कि हर महिला सृजन करते हुए परिवार को आगे बढ़ाती है। इसी तरह मिशन शक्ति कार्यक्रम के जरिए जन जागरूकता का कार्य हो रहा है। सड़क सुरक्षा अधिकारी पंकज शर्मा ने कहा कि नारी के सम्मान से ही समाज में परिवर्तन संभव है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विवि ने शिक्षण, अनुसंधान में प्रगति की है।

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के 16वें स्थापना दिवस पर कर्मचारी सम्मानित किए गए।

इनको किया सम्मानित

स्थापना दिवस समारोह में पहली बार गैर शैक्षिक कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। शाहिद, विनीत शुक्ला, रामस्वरूप, जमना प्रसाद, राजधर मिश्रा सम्मानित हुए। इन्हें शॉल, मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र व 1100 रुपए पारितोष मिला। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, डॉ. नीरज शुक्ला, डीन अकादमिक प्रो. सौबान सईद, डॉ. नलिनी मिश्रा, प्रो. हैदर अली, प्रो. चन्दना डे सहित सभी गणमान्य अतिथियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

इधर खूबियों का बखान और उधर बीमारियों की खान

भाषा विश्वविद्यालय के अटल सभागार में स्थापना दिवस पर कुलपति ने विवि की उपलब्धियां गिनाईं। वहीं दूसरी उसी अटल सभागार निकट स्थित पुरुष टॉयलेट में कमोड टूटे, बिखरे पड़े दिखे। वॉशरूम में फर्श पर यूरिन पानी की तरह फैला था।

वाणिज्य विभाग के पास टॉयलेट में कीड़े रेंग रहे हैं, अब सवाल यह है कि हाल ही में नैक से ग्रेडिंग वाले विवि में यह स्थिति कैसे है? क्या सफाई नहीं होती या सफाई कर्मचारियों का भाव है। डॉक्टरों की मानें तो गंदे टॉयलेट में जाने से इन्फेक्शन हो सकता है। विभाग के बगल वाले वॉशरूम में आठ कमोड वाले टॉयलेट हैं। एक-एक टॉयलेट की अलग कहानी है, किसी में कीड़े रेंग रहे, किसी कमोड व सिस्टन में ढक्कन टूटे-बिखरे पड़े हैं तो कहीं दर्जनों गुल के पैकेट फेंके गए हैं।

"साफ-सफाई के लिए कर्मचारी आवंटित हैं, 20 कर्मचारी काम कर रहे हैं, उनके ऊपर इंचार्ज होते हैं। हर विभाग के विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष की जिम्मेदारी होती है कि व्यवस्था देखें। हमें ऐसी कभी कोई शिकायत नहीं मिली।
प्रो. अजय तनेजा, कुलपति

...ते 15 तक कर सकेंगे आवेदन

...उर्दू अकादमी में कक्षा 6 से 12 तक उर्दू पढ़ने वाले छात्रों को ...र फॉर्म भरने की आवेदन तिथि बढ़ा दी है। अब छात्रवृत्ति ...क आवेदन किए जा सकेंगे। छात्रवृत्ति आवेदन गोमती नगर ...लय से प्राप्त किए जा सकते हैं या उर्दू अकादमी की ...से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

...योगिता में दूसरे नंबर पर रहे छात्र को सम्मानित किया गया।

...किड में पार्थ दूसरे नंबर पर

...मतीनगर विस्तार में कक्षा पांच के छात्र पार्थ पल्लव ने ब्रेन ...बी वंडरकिड प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान ...रुपये का चेक भेंट किया गया। पावर ग्रिड कार्पोरेशन के उप... पल्लव पिछले वर्ष इसी प्रतियोगिता में नेशनल टॉपर थे।

...र राजा जयलाल सिंह

...सभा की ओर से राजा जयलाल सिंह स्मृति समारोह में ...डी, बॉक्सर पूजा पटेल और राकेश वर्मा समाजहित में उत्कृष्ट ...मानित किये गये। सभा अध्यक्ष डीएम कटियार ने राजा के ...की प्रगति रिपोर्ट पर अपनी बात रखी। मुख्य अतिथि ...कहा कि बलिदानी राष्ट्रभक्तों की कोई जाति नहीं होती।

...एसएस परीक्षा में आठवीं रैंक

...सरी खेड़ा वार्ड निवासी विभा मिश्रा ने यूपीएससी की ओर ...सांख्यिकी सेवा 2025 में आठवां स्थान हासिल किया है। ...गर निगम पार्षद दल के उप नेता देवेंद्र सिंह यादव उर्फ जीतू ...बताया कि हरदोई रोड स्थित सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल से ...पढ़ाई हुई।

भाषा विवि में डिप्लोमा कोर्स शुरू होगा

लखनऊ। भाषा विश्वविद्यालय में अब सिविल इंजीनियरिंग के तहत एमटेक स्ट्रक्चरल कोर्स शुरू होगा। भूगोल में सेल्फ फाइनेंस माध्यम से एक वर्षीय डिप्लोमा भी आरंभ किया जाएगा। साथ ही दो नए पदक समाजशास्त्र स्नातक में श्री डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक और इतिहास परास्नातक में राम पति देवी स्वर्ण पदक मिलेगा। कुलपति की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद की बैठक में प्रस्तावों पर मंजूरी दी गई।

कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने बताया कि बैठक में पाठ्यक्रम संरचना, शिक्षा नीति के अनुरूप विषयों के अद्यतन, शोध व नवाचार को प्रोत्साहन जैसे प्रस्तावों पर अनुमोदन हुआ। कुलपति का कहना है कि 14वें दीक्षांत में 31 शोधार्थियों को डिग्री दी जाएगी।

मिस्टर फ्रेशर्स अभिलाष, मिस बनीं जोया

लखनऊ। केएमसी भाषा विवि में विज्ञान संकाय के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए फ्रेशर पार्टी हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि फ्रेशर पार्टी केवल एक स्वागत समारोह नहीं, बल्कि यह नई शुरुआत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का प्रतीक है। मिस्टर फ्रेशर अभिलाष और मिस फ्रेशर का खिताब जोया को प्रदान किया गया। प्रिंस का खिताब आलोक तिवारी को मिला।

सम्मेलन के लिए मिली सहायता राशि

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि की ओर से नवंबर (17 से 19) में होने वाले अंतरराष्ट्रीय ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी विषय पर सम्मेलन के लिए केंद्रीय जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से दो लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिली है। फॉर्मेसी संकाय की निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने बताया कि सम्मेलन 17 से 19 नवंबर तक आयोजित होगा। (संवाद)

عورت کی اعلیٰ تعلیم سماج کی فکری و اخلاقی ترقی کی ضامن ہے: پروفیسر انل کمار شکلا

لینگویج یونیورسٹی میں یوم تاسیس کی مناسبت سے مختلف ثقافتی تقریبات و سیمینار کا انعقاد

لکھنؤ۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں ساتویں یوم تاسیس کے موقع پر مختلف ثقافتی پروگراموں کے ساتھ ایک روزہ قومی سیمینار بعنوان "با اختیار عورت: سماجی، احترام اور خود انحصاری کی طرف ایک قدم" کا شاندار انعقاد کیا گیا۔ افتتاحی نشست میں انگریزی کی صدر ڈاکٹر [illegible] مشرا نے مہمانوں کا تعارف کراتے ہوئے کہا کہ آج کا دن یونیورسٹی کے لیے نہایت تاریخی اور یادگار ہے کیونکہ سات برس قبل اسی دن لکھنؤ میں علم و ادب کی ایک ایسی شمع روشن ہوئی تھی جس کی روشنی آج پورے ملک میں پھیل رہی ہے۔ انہوں نے کہا کہ یوم تاسیس کا موقع عورت کے با اختیار بنانے جیسے اہم موضوع پر گفتگو کے لیے سب سے موزوں دن ہے کیونکہ یہ مسئلہ آج کے علمی، ادبی اور سماجی مباحث کا بنیادی حصہ بن چکا ہے۔ اس نشست میں شعبہ صحافت و ابلاغ عامہ کی تیار کردہ ایک دستاویزی فلم بھی پیش کی گئی جس میں یونیورسٹی کی ترقی اور اس کے سفر کی تفصیلی روداد دکھائی گئی۔ اس موقع پر سابق وائس چانسلر پروفیسر انل کمار شکلا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ عورت کے با اختیار بنے کے بغیر کوئی بھی سماج ترقی نہیں کر سکتا۔ انہوں نے کہا کہ عورت محض گھر کی زینت نہیں بلکہ معاشرے کی سب سے مضبوط اکائی ہے جس کی فکر اور صلاحیتیں ہی صحت مند اور ترقی یافتہ سماج کی بنیاد رکھتی ہیں۔ انہوں نے زور دے کر کہا کہ عورت کے با اختیار ہونے کا مطلب صرف اقتصادی خود کفالت نہیں بلکہ فکری آزادی، تعلیم میں مساوات، سماجی برابری اور اپنے فیصلے خود لینے کے حق کا حصول ہے۔ پروفیسر شکلا نے زبان و تعلیم کی اہمیت کو اجاگر کرتے ہوئے کہا کہ زبان محض اظہار کا وسیلہ نہیں بلکہ قوم کی ثقافت اور اس کی تہذیبی وراثت کی محافظ ہے۔ اگر عورت زبان و تعلیم کے ذریعے با اختیار بنتی ہے تو پورے سماج کے فکری و اخلاقی ارتقا کا راستہ کھلتا ہے۔

مہمان اعزازی ڈاکٹر [illegible] (آفیسر آن اسپیشل ڈیوٹی، [illegible]) نے اپنے خطاب میں کہا کہ ہماری ثقافت نے احترام اور اس کی شمولیت کے بغیر کوئی بھی تحریک یا انقلاب برپا نہیں ہو سکتا۔ یہی وجہ ہے کہ آج یہ موضوع محض علمی و ادبی مباحث تک محدود نہیں رہا بلکہ سماجی اور سیاسی دستاویز کا مرکزی نکتہ بن چکا ہے۔ مہمان اعزازی ڈاکٹر مالی چندرا نے کہا کہ ایک تعلیم یافتہ اور با اختیار عورت ہی اپنے خاندان اور نسل کو درست اقدار اور مثبت فکر دے سکتی ہے۔ اس لیے وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ عورت کو صرف قانونی سطح پر نہیں بلکہ سماجی اور اخلاقی طور پر بھی مکمل تحفظ اور احترام فراہم کیا جائے۔ انہوں نے کہا کہ عورت کے با اختیار ہونے کا عمل بھی ممکن ہے جب معاشرے کے ہر فرد کا رویہ بدلے، مرد و عورت ایک دوسرے کے معاون و شریک سفر بنیں اور باہمی اعتماد و احترام کے ساتھ ایک نئے ہندوستان کی بنیاد رکھیں۔ یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنے خطاب میں کہا کہ یونیورسٹی نے سات برس کے مختصر وقفے میں تدریس، تحقیق اور ثقافت کے میدان میں نمایاں کامیابیاں حاصل کی ہیں۔ انہوں نے کہا کہ لینگویج یونیورسٹی صرف علمی و تحقیقی مرکز نہیں [illegible] ہے بلکہ لسانی ہم آہنگی اور قومی یکجہتی کو بھی فروغ دینے کے لیے پرعزم ہے۔ پروفیسر تنیجا نے مزید کہا کہ یونیورسٹی کا مقصد طلبہ کو صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ ایک باشعور، با اخلاق اور ذمہ دار شہری کے طور پر تیار کرنا ہے تاکہ وہ سماج کی تعمیر و ترقی میں فعال کردار ادا کر سکیں۔

تقریب کے دوران منعقدہ ثقافتی پروگراموں میں طلبہ نے لوک آہنگ لیے ڈانس، رقص اور پوسٹر و نکڑ ناٹک پیش کیے جنہوں نے محفل کو مسرت و شادمانی کے رنگوں سے بھر دیا اور ماحول کو نہایت پررونق بنا دیا۔ اس موقع پر مختلف شعبوں میں نمایاں کارکردگی دکھانے والے طلبہ کو اعزازات سے نوازا گیا۔ ساتھ ہی یونیورسٹی کی ترقی اور خدمت میں قابل ذکر کردار ادا کرنے والے اساتذہ و ملازمین کو بھی توصیفی سند سے نواز کر ان کی خدمات کا اعتراف کیا گیا۔ اس سیمینار کی نظامت ڈاکٹر نیرج [illegible] اور تقریب کے کلمات تشکر یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر [illegible] کمار نے ادا کیے۔ اس موقع پر پروفیسر [illegible] سعود، پروفیسر [illegible] فخر عالم، پروفیسر [illegible]، پروفیسر چندرا، ڈاکٹر [illegible] فاطمہ کے علاوہ دیگر اساتذہ اور طلبہ موجود تھے۔

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम दै० अमृत विचार लखनऊ दिनांक 02 OCT 2025

भाषा विश्वविद्यालय में खुलेंगे नए विभाग

16वें स्थापना दिवस पर कुलपति ने की घोषणा, नवाचार और शोध को बढ़ावा देगा विश्वविद्यालय

स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते मुख्य अतिथि।

अमृत विचार सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभागी छात्राओं के साथ कुलपति व अन्य। अमृत वि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 16वें स्थापना दिवस पर कुलपति ने नए विभागों की घोषणा की है। स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी व मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति प्रो. अनिल शुक्ल ने भाषाई

- **भाषा विज्ञान, हिन्दू अध्ययन के विभाग सहित नए पाठ्यक्रमों की घोषणा**

समृद्धि को राष्ट्र की शक्ति बताते हुए कहा कि भाषा शिक्षा से ही नवाचार और सामाजिक परिवर्तन संभव है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. अजय कुमार तनेजा ने भाषा विज्ञान, हिन्दू अध्ययन के विभाग सहित नए पाठ्यक्रमों और नए एमओयू की भी घोषणा की।

विशिष्ट अतिथि मालिनी चंद्रा, अंतरराष्ट्रीय डेटा साइंटिस्ट, डॉ. मंजू सिंह, एसएलओ, हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट व पंकज शर्मा, सेफ्टी एक्सपर्ट के साथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने समारोह का उद्घाटन किया। समारोह का आरंभ पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा बनाई ग विश्वविद्यालय की विकास गाथ को उद्घाटित करती डॉक्यूमेंट फिल्म के माध्यम से दिखाया गया मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजन की विशेष कार्याधिकारी डॉ मंज सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से सरका के साथ विद्यार्थी के सहयोग से विकसित भारत का निर्माण संभव है।

नॉन टीचिंग स्टॉफ को किया गया सम्मानित

- स्थापना दिवस समारोह में पहली बार नॉन टीचिंग एम्प्लॉयीज को भी सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित होने वालों में शाहिद, विनीत शुक्ला, रामस्वरूप, जमना प्रसाद, राजधर मिश्रा रहे।

'राष्ट्र के निर्माण में अपनी ऊर्जा लगाएं विद्यार्थी'

- केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में हुआ स्थापना दिवस समारोह
- दिखाई गई विश्वविद्यालय पर बनीं डाक्युमेंट्री फिल्म

भाषा विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र और पदक देकर सम्मानित किया गया • सौ विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता • लखनऊ : 'मिशन शक्ति कार्यक्रम के जरिए सरकार के साथ विद्यार्थी के सहयोग से विकसित भारत का निर्माण संभव है। प्रत्येक महिला सृजन करते हुए परिवार को आगे बढ़ाती है। ठीक इसी तरह मिशन शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरूकता का कार्य हो रहा है।' यह बात राष्ट्रीय सेवा योजना की विशेष कार्याधिकारी डा. मंजू सिंह ने बुधवार को ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 16वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। इस अवसर पर स्थापना दिवस सप्ताह में हुईं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

अटल सभागार में हुए समारोह में विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से बनाई गई विश्वविद्यालय की विकास गाथा को दर्शाती डाक्युमेंट्री फिल्म प्रदर्शित की गई। विशेष अतिथि डेटा साइंटिस्ट मालिनी चंद्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि हम सभी विद्यार्थियों को अपनी ऊर्जा को राष्ट्र के निर्माण में लगाना चाहिए। सड़क सुरक्षा अधिकारी पंकज शर्मा ने कहा, 'व्यक्ति का व्यवहार ही उसकी पहचान होती है। उन्होंने सड़क सुरक्षा के नियमों एवं कानूनों की जानकारी दी। पूर्व कुलपति प्रो. अनिल शुक्ल ने कहा कि भाषा शिक्षा से ही नवाचार और सामाजिक परिवर्तन संभव है। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय ने कम समय में शिक्षण, अनुसंधान और सांस्कृतिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने भाषा विज्ञान, हिन्दू अध्ययन के विभाग सहित नए पाठ्यक्रमों और नए एमओयू की भी घोषणा की।

कर्मचारियों को किया सम्मानित : इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए कर्मचारी शाहिद, विनीत शुक्ला, रामस्वरूप, जमना प्रसाद, राजधर मिश्रा को शाम, प्रशस्ति पत्र व 1100 रुपये पारितोष के रूप में देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियां भी दीं। कुलसचिव डा. महेश कुमार, डा. नीरज शुक्ल, विश्वविद्यालय की प्रथम महिला मोनिका तनेजा, डीन अकादमिक प्रो. सौबान सईद, डा. रुचिता सुजय व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

ख्या : 11
जागरण पढ़ें
कार जीतें
दैनिक जागरण
रोज पढ़ें
रोज जीतें

ाता सूची के गहन परीक्षण के बाद बिहार में कितने मतदाता घटे?
लाख B. 42 लाख
लाख D. 6 लाख

ला विश्वकप क्रिकेट मुकाबले के पहले मैच में टीम इंडिया ने
ने रन बनाए?
B. 179
D. 271

फिल्मों के किस अभिनेता के निर्देशन में उतरने की चर्चा है?
ार सिंह B. कार्तिक आर्यन
कुमार राव D. रणबीर कपूर

आज के सवालों के जवाब देने के लिए स्कैन करें
क्विज संख्या : 10 के सही उत्तर:
ANS. Q1. (A), Q2. (C), Q3. (D)

क्विज 9
के विजेताओं के नाम

my city अमर उजाला 7

भाषा विवि में आईओटी लैब तैयार, उद्घाटन 14 को

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग और डाटा साइंस जैसे विषयों की पढ़ाई अब आसान होगी। विवि में इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) लैब की स्थापना की गई है। इसमें करीब 22 लाख रुपये का खर्च आया है। लैब का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्तूबर को दीक्षांत समारोह के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी।

ये लैब विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स की तरह काम करेगी। निशुल्क हैंड्स ऑन ट्रेनिंग, प्रोफेशनलिज्म व अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भागीदारी और प्रोजेक्ट बनाने का अवसर भी मिल सकेगा। इस लैब की समन्वयक सहायक आचार्या डॉ. शान-ए-फातिमा ने बताया कि यह लैब विद्यार्थियों के सीखने और रिसर्च को नई दिशा देगी। कुलपति प्रो. अजय तनेजा के अनुसार यह लैब विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए स्थापित की गई है। जो पूरी तरह स्वदेशी फाउंडेशन से वित्तपोषित है। छात्रो को नए-नए प्रोजेक्ट बनाने के अवसर मिल सकेंगे। (संवाद)

भाषा विश्वविद्यालय में मिलेगी आइओटी लैब की सुविधा

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को अब तकनीक की नई ऊंचाइयों से जुड़ने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालय में स्वदेश एनजीओ फाउंडेशन के सहयोग से करीब 20 से 22 लाख की लागत से अत्याधुनिक इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) लैब की स्थापना की गई है।

कुलपति प्रो. डा. अजय तनेजा ने बताया कि यह लैब विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए स्थापित की गई है। इसके जरिए उन्हें केवल आइओटी ही नहीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे विषयों में भी व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि "यह लैब विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स की तरह होगी। जहां उन्हें निःशुल्क हैंड्स आन ट्रेनिंग, व्यावसायिकता, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी और प्रोजेक्ट करने का अवसर मिलेगा। यह केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक जीवन की चुनौतियों को समझने एवं तकनीकी नवाचार में आगे बढ़ने का सुनहरा मौका है।

दीक्षा समारोह में होगा उद्घाटन : कद्दम आइओटी लैब का औपचारिक उद्घाटन 14 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह के दौरान कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। लैब के माध्यम से एआइ और आइओटी ट्रेनिंग करने वालों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स और प्रतियोगिताएं होंगी।

6 दैनिक जागरण लखनऊ, 10 अक्टूबर, 2025

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए दो लाख की मंजूरी

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के फार्मेसी संकाय की ओर से 17 से 19 नवंबर तक होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के लिए भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने दो लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है। फार्मेसी संकाय की निदेशक प्रो. डा. शालिनी त्रिपाठी को यह स्वीकृति पत्र मिल गया है। "ड्रग डिस्कवरी, डेवलपमेंट एंड ड्रग डिलीवरी" विषय पर होने वाले सम्मेलन में देश-विदेश से प्रमुख विज्ञानी, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और शोधकर्ता प्रतिभाग कर अपने अनुभव व शोध कार्य साझा करेंगे। वि.

शहर 30s

प्रो. सौबान सईद बने उर्दू के विभागाध्यक्ष

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय के प्रो. सौबान सईद को उर्दू का विभागाध्यक्ष नामित किया गया है। इस संबंध में कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने आदेश जारी कर दिया है। उनका कहना है कि प्रो. सौबान को तीन वर्ष या अग्रिम आदेश तक विभागाध्यक्ष नामित किया गया है।

روزنامہ راشٹریہ سہارا

عورت کی اعلیٰ تعلیم سماج کی فکری واخلاقی ترقی کی ضامن: پروفیسر انل شکلا

لینگویج یونیورسٹی میں یوم تاسیس کی مناسبت سے مختلف ثقافتی تقریبات و سمینار کا انعقاد

لکھنؤ (ایس این بی) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں سولہویں یوم تاسیس کے موقع پر مختلف ثقافتی پروگراموں کے ساتھ ایک روزہ قومی سمینار بعنوان 'با اختیار عورت: سلامتی، احترام اور خود انحصاری کی طرف ایک قدم' کا انعقاد کیا گیا۔ افتتاحی نشست میں کلچرل کمیٹی کی صدر ڈاکٹر تنی مشرا نے مہمانوں کا تعارف کرایا۔

اس موقع پر سابق وائس چانسلر پروفیسر انل کمار شکلا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ عورت کے با اختیار بننے کے بغیر کوئی بھی سماج ترقی نہیں کرسکتا۔ انھوں نے کہا کہ عورت محض گھر کی زینت نہیں بلکہ معاشرے کی سب سے مضبوط اکائی ہے جس کی فکر اور صلاحیتیں ہی صحتمند وترقی یافتہ سماج کی بنیاد رکھتی ہیں۔ انھوں نے زور دے کر کہا کہ عورت کے با اختیار ہونے کا مطلب صرف اقتصادی خودکفالت نہیں بلکہ فکری آزادی، تعلیم میں مساوات، سماجی برابری اور اپنے فیصلے کرنے کے حق کا حصول ہے۔ پروفیسر شکلا نے زبان وتعلیم کی اہمیت کو اجاگر کرتے ہوئے کہا کہ زبان محض اظہار کا وسیلہ نہیں بلکہ قوم

کی شناخت اور اس کی تہذیبی وراثت کی محافظ ہے۔ اگر عورت زبان وتعلیم کے ذریعہ با اختیار بنتی ہے تو پورے سماج کے فکری و اخلاقی ارتقا کا راستہ کھلتا ہے۔ مہمان اعزازی ڈاکٹر منجو سنگھ (اسپیشل افسر نیشنل سروس اسکیم یوپی) نے اپنے خطاب میں کہا کہ ناری شکتی کے احترام اور اس کی شمولیت کے بغیر کوئی بھی تحریک یا انقلاب دیرپا نہیں ہوسکتا۔ یہی وجہ ہے کہ آج یہ موضوع محض علمی وادبی مباحث تک محدود نہیں رہا بلکہ سماجی اور سیاسی ڈسکورس کا مرکزی نکتہ بن چکا ہے۔ مہمان ذی وقار ڈاکٹر مالتی چندرا نے کہا کہ ایک تعلیم یافتہ و با اختیار عورت ہی اپنے خاندان اور نسل نو کو درست اقدار اور مثبت فکر دے سکتی ہے اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ عورت کو صرف

قانونی سطح پر نہیں بلکہ سماجی واخلاقی طور پر بھی مکمل تحفظ اور احترام فراہم کیا جائے۔ انھوں نے کہا کہ عورت کے با اختیار ہونے کا عمل تبھی ممکن ہے جب معاشرے کے ہر فرد کا رویہ بدلے، مرد وعورت ایک دوسرے کے معاون وشریک سفر بنیں اور باہمی اعتماد واحترام کے ساتھ ایک نئے ہندوستان کی بنیاد رکھیں۔ یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے بھی خطاب کیا۔ تقریب کے دوران منعقد ثقافتی پروگراموں میں طلبہ نے خوش آہنگ نغمے، دلکش رقص اور پراثر نکڑ ناٹک پیش کیے۔ اس موقع پر مختلف شعبوں میں نمایاں کارکردگی دکھانے والے طلبہ کو اعزازات سے نوازا گیا جبکہ یونیورسٹی کی ترقی اور خدمت میں قابل ذکر کردار ادا کرنے والے اساتذہ وملازمین کو بھی توصیفی اسناد پیش کرکے ان کی خدمات کا اعتراف کیا گیا۔ سمینار کی نظامت ڈاکٹر نیرج شکلا نے کی۔ یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار نے شکریہ ادا کیا۔ اس موقع پر پروفیسر ثوبان سعید، پروفیسر فخر عالم، پروفیسر تنویر خدیجہ، پروفیسر چندنا ڈے، ڈاکٹر تطہیر فاطمہ کے علاوہ دیگر اساتذہ وطلبہ موجود تھے۔

भाषा विविः ड्रेस कोर्ड निर्धारित, 14 को दीक्षांत

NBT रिपोर्ट, लखनऊ: ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि का दीक्षांत समारोह का 14 अक्टूबर को मनाया जाएगा। कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की तरफ से समारोह के लिए समय मिलने के साथ ही विवि ने तैयारियां तेज कर दी है। रजिस्ट्रार की तरफ से ड्रेस कोड भी निर्धारित कर दिया गया है। इसके तहत छात्रों के लिए बेज कलर का कुर्ता और मरून सदरी, जबकि छात्राओं के लिए बेज रंग की सलवार-सूट के साथ मरून दुबट्टा तय किया गया है। शिक्षकों के लिए सफेद शर्ट व ब्लू पैंट के साथ ब्लू सदरी निर्धारित की गई है। महिला शिक्षकों को बेज रंग की सड़ी पर मरून कोट पहनना होगा। विवि की तरफ से मेडल सूची पहले ही जारी कर दी गई है। मुख्य अतिथि का नाम भी जल्द ही फाइनल किया जाएगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग (निरीक्षा प्रभाग) उत्तर प्रदेश, लखनऊ

समाचार पत्र का नाम ....दै० पॉयनियर लखनऊ.......... दिनांक ....02 OCT 2025

KMC Language varsity celebrates Foundation Day

PIONEER NEWS SERVICE
■ Lucknow

Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow, celebrated its 16th Foundation Day on Wednesday with a national seminar on women empowerment. For the university community, the occasion was not only a moment to cherish memories but also to reaffirm its resolve to realise future dreams and goals.

The programme commenced in the Atal Auditorium, where Vice-Chancellor Prof Ajay Taneja, inaugurated the ceremony along with the chief guest and former Vice-Chancellor Prof Anil Kumar Shukla.

International data scientist Malini Chandra, Dr Manju Singh from the Higher Education Department and Safety Expert Pankaj Sharma were the special guests.

The seminar on Women Empowerment discussed steps towards safety, dignity and self-reliance. The guests were felicitated with a welcome plant and memento.

The formal beginning of the programme included the screening of a documentary film prepared by the Department of Journalism and Mass Communication, showcasing the growth and development journey of the university.

On this occasion, chief guest and special officer of the National Service Scheme, Dr Manju Singh, said that through the Mission Shakti campaign, along with student participation, it was possible to build a developed India.

She stated that just as every woman contributes to the progress of her family, in the same way Mission Shakti is creating social awareness.

Data scientist Malini Chandra, who was the special guest, urged the students to channel their energy into nation-building.

Road Safety Officer Pankaj Sharma addressed the students and stated that a person's behaviour defines their identity. He emphasised that true social change is possible only when women are respected. He also gave a detailed presentation on road safety rules and laws to the students and teachers present in the auditorium.

Delivering the Foundation Day lecture, former vice-chancellor of the Language University, Prof Anil Shukla, highlighted that linguistic richness is the true strength of a nation. He asserted that innovation and social transformation are possible only through language education, and that the journey of a university is built brick by brick from its foundation.

He stressed that women's empowerment can be realised only through cooperation, participation and respect.

In his presidential address, Vice-Chancellor Prof Ajay Taneja lauded the remarkable progress achieved by the university in teaching, research and cultural enrichment within a short span of time. He reiterated the university's commitment to promoting linguistic diversity and cultural dialogue, and emphasised the importance of quality education as the key to true development.

Prof Taneja also outlined the vision of the university, calling upon everyone to embrace it wholeheartedly. On this occasion, he announced the establishment of new courses, new MoUs, and new academic departments including Linguistics and Hindu Studies.

For the first time in the university's history, non-teaching employees were also felicitated on the Foundation Day. The awardees were ho oured with a shaw memento, citation, and cash prize of Rs 1,100. Tho recognized for their outstan ing work included Shahi Vineet Shukla, Ramswaroo Jamna Prasad and Rajdh Mishra.

The celebrations also fe tured cultural performanc including songs, dances ar plays by students, whi created a festive atmosphe in the auditorium.

Winning students various events were also fel itated on this occasion.

लखनऊ, शुक्रवार, 10 अक्तूबर 2025 04 हिन्दुस्तान

भाषा विवि के दीक्षांत में बंटेंगे 146 मेडल

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में गुरुवार को हुई कार्य परिषद की एक आकस्मिक बैठक में कई प्रस्तावों को अनुमोदन मिला। 14 अक्तूबर को होने वाले विवि के 10वें दीक्षांत समारोह में फिल्मकार मुजफ्फर अली को मुख्य अतिथि आमंत्रित किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। कुल 1392 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान किए जाने हैं। कुल 146 पदक दिए जाएंगे।

जागरण सिटी लखनऊ

लखनऊ, 10 अक्टूबर, 2025 दैनिक जागरण

फिल्म निर्देशक मुजफ्फर अली होंगे दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि

जासं • लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के 14 अक्टूबर को होने वाले 10वें दीक्षा समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं निर्देशक मुजफ्फर अली होंगे। गुरुवार को कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में हुई कार्य परिषद की आकस्मिक बैठक में उनके नाम के प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगा दी गई। समारोह में सत्र 2024–25 के 1392 विद्यार्थियों को उपाधि दिए जाने के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति दी। उपाधि पाने वालों में 891 छात्र एवं 501 छात्राएं शामिल होंगे।

प्रवक्ता डा. रुचिता सुजय ने बताया कि दीक्षा समारोह में स्नातक एवं परास्नातक स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वाधिक अंक पाने वाले विद्यार्थियों को 146 पदक दिए जाने के प्रस्ताव को भी अनुमोदन दिया गया है। इसमें 61 स्वर्ण, 42 रजत एवं 41 कांस्य शामिल हैं। इसके अलावा समारोह में 31 पीएच.डी उपाधियों के वितरण के प्रस्ताव को भी कार्य परिषद ने स्वीकृति दी है।

14 को होगा भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षा समारोह

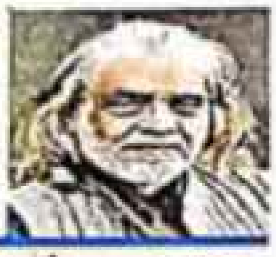

विश्वविद्यालय एवं लाइफ एक्टिवस प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद के बीच हुए एमओयू और सोशल वेलफेयर एंड डेवलपमेंट फार इम्पावर्ड सोसायटी के साथ एमओयू को भी मंजूरी दी गई।

परीक्षा समिति और विद्या परिषद के प्रस्ताव भी मंजूर : बैठक में दो नए पदक समाजशास्त्र स्नातक में श्री डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक, एमए इतिहास में राम पति देवी स्वर्ण पदक शुरू करने, सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल कोर्स सहित कार्य परिषद व परीक्षा समिति के सभी प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

14 को सुबह दी जाएगी उपाधि : 14 को समारोह वाले दिन सुबह सात से नौ बजे तक पीजी के विद्यार्थियों को उपाधि व अंकतालिका दी जाएगी। इसके निर्देश जारी किए हैं।

भाषा विवि : सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक स्ट्रक्चरल की होगी पढ़ाई

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अब सिविल इंजीनियरिंग में एमटेक (स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) की भी पढ़ाई शुरू होगी। विश्वविद्यालय में मंगलवार को हुई विद्या परिषद की बैठक में इस नए कोर्स को मंजूरी दी गई।

इस कोर्स के माध्यम से छात्रों को इमारतों, पुलों और बांधों जैसी संरचनाओं को सुरक्षित व टिकाऊ बनाने और उसकी सुंदर डिजाइनों के बारे में जानने व पढ़ने का मौका मिलेगा। इस पाठ्यक्रम में स्ट्रक्चरल एनालिसिस, एडवांस मटेरियल, अर्थक्वेक इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल और प्रैक्टिकल लैब जैसे विषय भी शामिल होंगे।

कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में इस बैठक में कुल 10 फैसले लिए गए।

बैठक में पाठ्यक्रम को दी गई मंजूरी दीक्षांत में बढ़ाए गए तीन नए मेडल

इसमें इस साल 14 अक्तूबर को दीक्षांत में देने के लिए तीन नए मेडल को मंजूरी दी गई है। नए मेडल में समाजशास्त्र स्नातक में डोरी लाल सागर मेमोरियल स्वर्ण पदक, इतिहास परास्नातक में राम पति देवी स्वर्ण पदक और विश्वविद्यालय की सभी भाषाओं में टॉपर्स के लिए ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती स्वर्ण पदक का नाम शामिल है।

इन कोर्सों में मिलेगा प्रशंसा प्रमाण पत्र

बैठक में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज के टॉपर्स को सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन देने के लिए मंजूरी मिली है। कुलपति ने बताया कि सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसिएशन (प्रशंसा प्रमाणपत्र) किसी अतिथि के माध्यम से छात्रों को दिलाया जाएगा। भूगोल विभाग के अंतर्गत एक वर्षीय डिप्लोमा (स्ववित्तपोषित) पर सहमति दी गई। कॉमर्स विभाग के वैल्यू एडेड कोर्सेज भी शुरू होंगे।

इन फैसलों को भी मिली मंजूरी

- इस बार दीक्षांत समारोह में 31 शोधार्थियों को उपाधि दी जाएगी।
- विधि संकाय के डॉ. बीआर अंबेडकर मेमोरियल मूटकोर्ट हॉल का नामकरण किया गया।
- अरबी विभाग के विभागीय पुस्तकालय का नाम डॉ. अनीश अंसारी होगा।
- अवधी शोधपीठ के परामर्श समिति के गठन को भी अनुमोदित किया गया।

भाषा विश्वविद्यालय में शुरू होंगे नए पाठ्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान, हिन्दू अध्ययन विभाग सहित नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इसके साथ ही शोध व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एमओयू भी किए जाएंगे।

विवि के 16वें स्थापना दिवस पर बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने इसकी घोषणा की। कुलपति ने कहा, विवि ने कम समय में शिक्षण, अनुसंधान और सांस्कृतिक उत्थान के क्षेत्र में प्रगति की है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा योजना की विशेष कार्याधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम से

मनाया गया 16वां स्थापना दिवस

सरकार के साथ विद्यार्थी के सहयोग से विकसित भारत का निर्माण संभव है। मौके पर पूर्व कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ला, मालिनी चंद्रा, डॉ. मंजू सिंह, पंकज शर्मा मौजूद रहे।

भाषा विज्ञान और हिंदू अध्ययन विभाग के नए पाठ्यक्रम भाषा पर वैज्ञानिक अध्ययन, उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संदर्भों को समझने का अवसर देंगे। इन पाठ्यक्रमों में भाषा की संरचना, भाषा का अर्जन, समाजभाषा विज्ञान, मनोभाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और हिंदी से संबंधित विस्तृत अध्ययन शामिल है।

न्यूज डायरी

आईएसएस में विभा की आठवीं रैंक

लखनऊ। राजधानी के साधारण परिवार की बेटी विभा मिश्रा ने यूपीएससी की भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा (आईएसएस) में देश में आठवीं रैंक हासिल की है। केसरीखेड़ा के वार्ड विक्रम नगर निवासी कौशल किशोर मिश्रा की पुत्री विभा ने पहले ही प्रयास में यह सफलता हासिल की है। (माई सिटी रिपोर्टर)

इंस्पायर योजना के लिए 33485 नामांकन

लखनऊ। प्रधानमंत्री इंस्पायर मानक योजना 2025-26 के लिए आवेद[न] में लखनऊ मंडल अव्वल रहा है। छह जिलों से कुल 33,485 नामांक[न] हुए हैं। चयनित बच्चों को वैज्ञानिक नवाचार के लिए 10 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। लखनऊ से 6677 आवेदन हुए हैं। (संवाद)

बापू ने समाज को दिया इंसानियत का पैगा[म]

लखनऊ। बज्म-ए-ख्वातीन की अध्यक्ष बेगम शहनाज सिदरत ने कहा कि महात्मा गांधी के त्याग, बलिदान, सत्य और अहिंसा के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। बापू ने समाज के सभी तबके को प्यार से रहने और इंसानि[यत] का पैगाम दिया। सिदरत बुधवार को बज्म-ए-ख्वातीन की ओर से महिल[ा]

तीलीबाग में तीन वर्ष बाद   चित्रकला में एक लाख रुपये का

काव्य में छिपे मूल्य समाज के लिए प्रेरणास्रोत

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर इतिहास विभाग की ओर से व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता डॉ. मनीष कुमार ने वाल्मीकि रामायण का ऐतिहासिक पक्ष विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि महर्षि वाल्मीकि का काव्य न केवल भारतीय संस्कृति का आधार है, बल्कि उसमें निहित जीवन मूल्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

عورت کی اعلیٰ تعلیم سماج کی فکری و اخلاقی ترقی کی ضامن ہے: پروفیسر انل کمار شکلا

لینگویج یونیورسٹی میں یوم تاسیس کی مناسبت سے مختلف ثقافتی تقریبات و سیمینار کا انعقاد

لکھنؤ، 01/ اکتوبر۔ خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی میں سولہویں یوم تاسیس کے موقع پر مختلف ثقافتی پروگراموں کے ساتھ ایک روزہ قومی سیمینار بعنوان "بااختیار عورت: مساوات، احترام اور خود انحصاری کی طرف ایک قدم" کا شاندار انعقاد کیا گیا۔ افتتاحی نشست میں کلچرل کمیٹی کی صدر ڈاکٹر نلنی مشرا نے مہمانوں کا تعارف کراتے ہوئے کہا کہ آج کا دن یونیورسٹی کے لیے نہایت تاریخی اور یادگار ہے کیونکہ سولہ برس قبل اسی دن لکھنؤ میں علم و دانش کی ایک نئی شمع روشن ہوئی تھی جس کی روشنی آج پورے ملک میں پھیل رہی ہے۔ انھوں نے کہا کہ یوم تاسیس کا یہ موقع عورت کے بااختیار بنانے جیسے اہم موضوع پر گفتگو کے لیے سب سے موزوں دن ہے کیونکہ یہ مسئلہ آج کے علمی، ادبی اور سماجی مباحث کا بنیادی حصہ بن چکا ہے۔ اس نشست میں شعبۂ صحافت و ابلاغ عامہ کی تیار کردہ ایک دستاویزی فلم بھی پیش کی گئی جس میں یونیورسٹی کی ترقی اور اس کے سفر کی تشکیلی روداد دکھائی گئی۔ اس موقع پر سابق وائس چانسلر پروفیسر انیل کمار شکلا نے اپنے صدارتی خطاب میں کہا کہ عورت کے بااختیار بنے کے بغیر کوئی بھی سماج ترقی نہیں کر سکتا۔ انھوں نے کہا کہ عورت محض گھر کی زینت نہیں بلکہ معاشرے کی سب سے مضبوط اکائی ہے جس کی فکر اور صلاحیتیں ہی صحت مند اور ترقی یافتہ سماج کی بنیاد رکھتی ہیں۔ انھوں نے زور دے کر کہا کہ عورت کے بااختیار ہونے کا مطلب صرف اقتصادی خود کفالت نہیں بلکہ فکری آزادی، تعلیم میں مساوات، سماجی برابری اور اپنے فیصلے لینے کے حق کا حصول ہے۔ پروفیسر شکلا نے زبان و تعلیم کی اہمیت کو اجاگر کرتے ہوئے کہا کہ زبان محض اظہار کا وسیلہ نہیں بلکہ قوم کی شناخت اور اس کی تہذیبی وراثت کی محافظ ہے۔ اگر عورت زبان و تعلیم کے ذریعے بااختیار بنتی ہے تو پورے سماج کی فکری و اخلاقی ارتقا کا راستہ کھلتا ہے۔ مہمان اعزازی ڈاکٹر منجو سنگھ (خصوصی افسر، نیشنل سروس اسکیم یوپی) نے اپنے خطاب میں کہا کہ ناری شکتی کے احترام اور اس کی شمولیت کے بغیر کوئی بھی تحریک یا انقلاب دیرپا نہیں ہو سکتا۔ یہی وجہ ہے کہ آج یہ موضوع محض علمی و ادبی مباحث تک محدود نہیں رہا بلکہ سماجی اور سیاسی ڈسکورس کا مرکزی نکتہ بن چکا ہے۔ مہمان ذی وقار ڈاکٹر مالتی چندا نے کہا کہ ایک تعلیم یافتہ اور بااختیار عورت ہی اپنے خاندان اور نسل کو درست اقدار اور مثبت فکر دے سکتی ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ عورت کو صرف قانونی سطح پر نہیں بلکہ سماجی اور اخلاقی طور پر بھی مکمل تحفظ اور احترام فراہم کیا جائے۔ انھوں نے کہا کہ عورت کے بااختیار ہونے کا عمل بھی ممکن ہے جب معاشرے کے ہر فرد کا رویہ بدلے۔ مرد و عورت ایک دوسرے کے معاون و شریک سفر ہیں اور باہمی اعتماد و احترام کے ساتھ ایک نئے ہندوستان کی بنیاد رکھ سکتے ہیں۔ یونیورسٹی کے وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجا نے اپنے خطاب میں کہا کہ یونیورسٹی نے سولہ برس کے مختصر عرصے میں تدریس، تحقیق اور ثقافت کے میدان میں نمایاں کامیابیاں حاصل کی ہیں۔ انھوں نے کہا کہ لینگویج یونیورسٹی نہ صرف علمی و تحقیقی سرگرمیوں کو فروغ دے رہی ہے بلکہ لسانی تنوع اور تہذیبی ہم آہنگی کو بھی نئی جہت دینے کے لیے پرعزم ہے۔ پروفیسر تنیجا نے مزید کہا کہ یونیورسٹی کا مقصد طلبہ کو صرف ڈگری دینا نہیں بلکہ انھیں ایک باوقار، باشعور اور ذمہ دار شہری کے طور پر تیار کرنا ہے تاکہ وہ سماج کی تعمیر و ترقی میں فعال کردار ادا کر سکیں۔ تقریب کے دوران منعقدہ ثقافتی پروگراموں میں طلبہ نے خوش آہنگ نغمے، دلکش رقص اور پر اثر نکڑ ناٹک پیش کیے جنھوں نے محفل کو مسرت و شادمانی کے رنگوں سے بھر دیا اور ماحول کو نہایت پر رونق بنا دیا۔ اس موقع پر مختلف شعبوں میں نمایاں کارکردگی دکھانے والے طلبہ کو اعزازات سے نوازا گیا جب کہ یونیورسٹی کی ترقی اور خدمت میں قابل ذکر کردار ادا کرنے والے اساتذہ و ملازمین کو بھی توصیفی اسناد پیش کر کے ان کی خدمات کا اعتراف کیا گیا۔ اس سیمینار کی نظامت ڈاکٹر نیرج شکلا اور شکریے کے کلمات یونیورسٹی کے رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار نے ادا کیے۔ اس موقع پر پروفیسر ثوبان سعید، پروفیسر فخر عالم، پروفیسر تنویر خدیجہ، پروفیسر چندنا ڈے، ڈاکٹر ظہیر فاطمہ کے علاوہ دیگر اساتذہ اور طلبہ موجود تھے۔

پُرامن دنیا کی تعمیر کیلئے مہاتما گاندھی کے افکار رہنمائی فراہم کرتے ہیں: پروفیسر اجے تیجا

لینگویج یونیورسٹی میں مہاتما گاندھی اور شاستری کی یوم پیدائش کے موقع پر خصوصی پروگرام کا انعقاد

لکھنؤ (قومی بھارت) خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی کے اٹل ہال میں بابائے قوم مہاتما گاندھی اور سابق وزیر اعظم لال بہادر شاستری کی یوم پیدائش کے موقع پر ایک خصوصی پروگرام کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر اساتذہ، افسران، غیر تدریسی عملہ اور طلبہ کی کثیر تعداد موجود رہی۔ پروگرام کا آغاز شعبہ تاریخ کے استاد ڈاکٹر لکشمن سنگھ کے ابتدائی کلمات سے ہوا۔ انھوں نے کہا کہ مہاتما گاندھی اور لال بہادر شاستری کی زندگی حقیقی معنوں میں اس بات کی روشن مثال ہے کہ عظمت سادگی اور سچائی میں پوشیدہ ہے۔ دونوں رہنماؤں نے اپنی عملی زندگی سے یہ ثابت کیا کہ بڑے سے بڑا مقصد بھی اصولوں اور ایمانداری پر قائم رہ کر حاصل کیا جا سکتا ہے۔ ان کی سادگی، دیانت داری اور خدمت انسانیت پر مبنی طرز حیات ایک مضبوط سماج اور بہتر قوم کی بنیاد فراہم کرتا ہے۔ اس موقع پر اپنے صدارتی خطاب میں وائس چانسلر پروفیسر اجے تیجا نے کہا کہ آج کی دنیا جنگ کے دہانے پر کھڑی ہے اور عالمی منظرنامہ بڑی تیزی سے بدل رہا ہے۔ ایسے وقت میں گاندھی جی کے نظریہ عدم تشدد اور اہنسا کی معنویت مزید بڑھ جاتی ہے۔ یہی وہ فلسفہ ہے جو دنیا میں امن، بھائی چارے اور بقائے باہمی کے قیام کی ضمانت ہے۔ انھوں نے کہا کہ گاندھی جی کی زندگی ایک کھلی کتاب کی

لال بہادر شاستری کی شخصیت بھی گاندھیائی فلسفے سے متاثر تھی

مانند ہے اور ان کے نظریات کو سمجھنے کے لیے ان کے پچاسیوں ہزار صفحات پر مشتمل افکار کا مطالعہ ضروری ہے۔ گاندھی جی کا قول "برا مت کہو، برا مت سنو، برا مت دیکھو" اگر اپنایا جائے تو دنیا کو امن کا گہوارہ بنایا جا سکتا ہے۔ پروفیسر تیجا نے مزید کہا کہ لال بہادر شاستری کی شخصیت بھی گاندھیائی فلسفے سے متاثر تھی۔ وہ منکسر المزاج، روادار اور بصیرت افروز رہنما تھے جنھوں نے "جے جوان، جے کسان" کا نعرہ دے کر ہندوستانی روح کو بیدار کیا اور عوامی سیاست کو نئی سمت عطا کی۔ اس موقع پر شعبہ تاریخ کے ڈاکٹر مشتاق کمار نے گاندھی جی اور لال بہادر شاستری کو ہندوستانی تاریخ کا روشن باب قرار دیتے ہوئے کہا کہ یہ دونوں رہنما آج بھی پوری دنیا کے لیے مشعل راہ ہیں اور ان کے افکار پر عمل پیرا ہونا تمام اقوام عالم کے لیے ناگزیر ہے۔ انگریزی شعبے کے استاد ڈاکٹر ہارون رشید نے گاندھی جی کی زندگی اور نظریات پر تفصیل سے روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ انھوں نے اپنے عملی طرز حیات اور اصولوں کے ذریعے دنیا کو امن، عدم تشدد اور انسانی مساوات کا پیغام دیا۔ مقررین نے کہا کہ لال بہادر شاستری نے کٹھن حالات کے باوجود اپنی سادگی، فرض شناسی اور عزم صمیم سے ہندوستانی سیاست میں اعلیٰ اقدار کو فروغ دیا۔ ان کا نعرہ "جے جوان، جے کسان" آج بھی قوم کی روح کا ترجمان ہے۔ اس موقع پر طلبہ نے بھی گاندھی جی اور شاستری جی کی زندگی و افکار پر مبنی تقاریر پیش کیں۔ ان تقاریر کے ذریعے طلبہ نے جہاں گاندھی جی کے سچائی اور عدم تشدد کے آفاقی پیغام کو اجاگر کیا، وہیں شاستری جی کی سادگی، ایمانداری اور غیر متزلزل عزم کو نہایت موثر انداز میں بیان کیا۔ طلبہ کی پرجوش تقریروں نے سامعین کو نہ صرف متاثر کیا بلکہ ان رہنماؤں کے اصولوں کو اپنانے کی تحریک بھی دی۔ پروگرام کی نظامت ڈاکٹر وپن نے کی جبکہ شکریہ کے کلمات ڈاکٹر مجیل کمار نے پیش کیے۔ اس موقع پر پروگرام کے انعقاد میں شعبہ تاریخ کی انچارج ڈاکٹر نیلم چودھری نے اہم کردار ادا کیا۔

my city
अमर उजाला
7

भाषा विवि में नए छात्रों का हुआ स्वागत

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह मंगलवार को हुआ। कुलपति प्रो. अजय तनेजा की मौजूदगी में नए छात्रों का स्वागत किया गया। कुलपति ने छात्रों से कहा कि आपकी ये नई शुरुआत, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का प्रतीक है। विद्यार्थी जीवन के ऐसे क्षण भविष्य की दिशा तय करते हैं। मौके पर विभाग की अधिष्ठाता डॉ. तल्हीर फातिमा सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे। (संवाद)

लखनऊ | शुक्रवार • 10.10.2025

my city

अमर उजाला

भाषा विवि के दीक्षांत समारोह के लिए कार्यपरिषद की बैठक में मेडल सूची को मंजूरी

144 मेधावियों को मिलेंगे पदक

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। 14 अक्तूबर को होने वाला ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का दसवां दीक्षांत समारोह इस बार उपलब्धियों की नई कहानी लिखेगा। समारोह में कुल 144 मेधावियों को पदक और 1392 विद्यार्थियों को डिग्रियां दी जाएंगी।

विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में 61 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 42 को रजत और 41 को कांस्य पदक देने की अंतिम सूची को मंजूरी मिली। 891 छात्र और 501 छात्राएं इस समारोह में अपनी शैक्षणिक सफलता का जश्न मनाएंगी।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने दीक्षांत समारोह के 'मिनट टू मिनट' कार्यक्रम की समीक्षा की और बताया कि परीक्षा समिति के कुछ गोपनीय प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के नए मानक स्थापित कर रहा है। यह दीक्षांत समारोह हमारे गौरवशाली सफर का ऐतिहासिक पड़ाव होगा।

61 स्वर्ण, 42 रजत और 41 कांस्य से दमकेंगे मेधावी छात्र-छात्राएं

1392 विद्यार्थियों को दी जाएंगी डिग्रियां

मुजफ्फर अली होंगे प्रेरणा के प्रतीक

इस अवसर पर मशहूर फिल्म निर्माता, फैशन डिजाइनर और कलाकार मुजफ्फर अली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 'उमराव जान' (1981) और 'गमन' (1978) जैसी कालजयी फिल्मों के निर्देशक मुजफ्फर अली का जन्म लखनऊ में हुआ था। उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से भूविज्ञान में स्नातक किया है।

عورت کی اعلیٰ تعلیم سماج کی فکری و اخلاقی ترقی کی ضامن ہے: پروفیسر اجے کمار شکلا

لینگویج یونیورسٹی میں یوم تاسیس کی مناسبت سے مختلف ثقافتی تقریبات و سیمینار کا انعقاد